ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • श्रावण कृष्ण पक्ष 14 • विक्रम संवत 2080 • मंगलवार, 15 अगस्त 2023 • वर्ष-29 • अंक-300 • पृष्ठ-16 • मूल्य ₹ 2.00

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को किया संबोधित, कहा

भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है

रांची। नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मुश्किल समय में चुनौतियों का सामना करने की देश की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने दूसरों के लिए आशा की किरण के रूप में काम किया है। राष्ट्रपति ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है और उच्च विकास दर हासिल किया है।उन्होंने जी-20 नेता के रूप में देश की भूमिका का भी हवाला दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण की ओर इशारा करते हुए शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति की भी बात की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, चूंकि जी-20 समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से भारत, व्यापार और वित्त के क्षेत्रों में हो रहे निर्णयों को न्याय-संगत प्रगति की ओर ले जाने के लिए प्रयासरत है। व्यापार और वित्त के अलावा, मानव विकास से जुड़े विषय भी कार्य-सूची में शामिल किए गए हैं।"राष्ट्रपति ने कहा, ऐसे कई मुद्दे हैं जो पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं और किसी भौगोलिक सीमा से बंधे हुए नहीं हैं। मुझे विश्वास है कि भारत के प्रभावी नेतृत्व के साथ, जी-20 के सदस्य-देश उन मोर्चों पर उपयोगी कार्रवाई को आगे बढ़ाएंगे। भारत की जी-20 की अध्यक्षता में एक नई बात यह है कि कूटनीति को जमीन से जोड़ा गया है। एक अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक गतिविधि में लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी तरह का पहला अभियान चलाया गया है। उदाहरण के लिए, यह देखकर मुझे अच्छा लगा कि स्कूलों और कॉलेजों में जी-20 से जुड़े विषयों पर आयोजित की जा रही गतिविधियों में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

'पुलिस पदक' से सम्मानित हुए 954 पुलिसकर्मी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 954 पुलिसकर्मियों को 'पुलिस पदक' से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी) सीआरपीएफ के एक कर्मी को प्रदान किया गया। 229 कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 82 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम), सराहनीय सेवा के लिए 642 कर्मियों को पुलिस पदक (पीएम) से सम्मानित किया गया। पीपीएमजी और पीएमजी जीवन और सम्पत्ति बचाने और अपराध को रोकने व अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के मानकों को ध्यान में रखते हुए दिया जाता है।

शुभकामनाएं

राष्ट्रीय नवीन मेल के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय 15 अगस्त (मंगलवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 17 अगस्त (गुरुवार) को प्रकाशित होगा।

सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी से एक सप्ताह की मोहलत मांगी

रांची। जमीन घोटाले को लेकर ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन भेजा था और मामले में पूछताछ के लिए 14 अगस्त को तलब किया गया था। लेकिन सोमवार को सीएम ईडी के दफ्तर नहीं गये, उन्होंने एक हफ्ते का समय मांग लिया है। मुख्यमंत्री ने अपनी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए समय की मांग की है। हालांकि इस बाबत अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। बता दें कि ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को आरसी 25/23 केस ईसीआईआर में समन किया था। सोमवार को दिन के 11 बजे मुख्यमंत्री को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होना था। हालांकि सीएम के 14 अगस्त को ईडी कार्यालय जाने की संभावना बहुत कम थी।

जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, वह वास्तव में सनातन धर्म है : महर्षि अरविंद

पलामू में अरविंद सोसाइटी की स्थापना 14 जनवरी 1994 को हुई थी

आलोक तुलस्यान के शहर छोड़ने के बाद सांस्कृतिक आंगन में सन्नाटा

14 जनवरी 1992 को इसी स्कूल में अरविन्द सोसाइटी की नींव रखी गई थी।

अमरेन्द्र

मेदिनीनगर। भारतीय अस्मिता व स्थायित्व की सही और गलत चिंताओं के संघर्ष आदिकाल से जारी हैं। आगे भी रहेगें। बस आज जरूरत है मनुष्यता की। कारण हमारे शरीर का नाखून कब और क्यों गुदगुदाने वाली गुदाज अंगुलियों में तब्दील हो जाये,कहा नहीं जा सकता है। ऐसे में वर्तमान समय में महर्षि अरविंद और मां के आदर्श ही इस सृष्टि को बचा सकते हैं। आज हिन्दू धर्म राजनीति के अखाड़े में अपनी जमीन भुरभुरी करने के लिए संघर्ष करते दिखलाई पड़ रही है। जबकि महर्षि अरविंद ने पहले ही साफ कर दिया है कि जिसे हम हिन्दू धर्म कहते हैं,वह वास्तव में सनातन धर्म है। ऐसे में वर्तमान समय में महर्षि अरविंद के आदर्श ही देश को बचा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं राष्ट्रीय जागरण के उसी अग्रदूत की, जिनकी 15 अगस्त को 150 वीं जयंती देश मना रहा है।इसलिए 15 अगस्त का दिन खास ऐतिहासिक है। दूसरी तरफ मंगलवार को अर्थात आज स्वतंत्रता दिवस भी है। ऐसे में **राष्ट्रीय नवीन मेल** उनकी जयंती के मौके पर एक परिशिष्ट निकाल रहा है। जिसमें महर्षि के दिव्य अनुभव देखने को मिलेगें। साथ ही पलामू की आवाज होने के नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि वर्तमान परिवेश में समाज में आयी गिरावट और निराकरण की दिशा में अरविंद के आदर्शों को सामने रखें।

एक नजर पलामू अरविंद सोसाइटी पर : डालटनगंज में अरविंद सोसायटी की स्थापना 14 जनवरी 1993 को हुई थी। इसके मूल में महर्षि अरविंद और मां की प्रेरणायें कार्यरत थी। इसकी पृष्ठभूमि 14 जनवरी 1992 को ही जिले के बुद्धिजीवियों ने बना ली थी। मौका था गौरव साहित्यिक मंच के तत्वावधान में आयोजित विचार गोष्ठी का था। विषय था- श्री अरविंद दर्शन के आलोक में बुद्धिजीवियों का दायित्व। उसी दिन सोसाइटी गठन की नींव रख दी गई। तत्पश्चात करीब एक साल बाद 14 जनवरी 1993 को तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष व हिन्दी साहित्य के उद्भट विद्वान डा. कुमार विमल द्वारा इसका उद्घाटन दयानंद आर्य वैदिक भवन के प्रशाल में किया। मौके पर सिन्हा कालेज औरंगाबाद के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. सुरेश प्रसाद राय, सोसायटी के राज्य सचिव विनोद मारोदिया मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान ही श्री मारोदिया श्री अरविन्द सोसाइटी की डालटनगंज शाखा के पदधारियों की घोषणा की। जिनमें अध्यक्ष जनार्दन द्विवेदी दीन, सचिव आलोक तुलस्यान, कोषाध्यक्ष अशोक डिडवानिया, युवा संयोजक आलोक कुमार सहाय को बनाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो.सुभाष मिश्र ने किया था। इस दौरान प्रो. कन्हैया प्रसाद के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता है। सोसायटी के द्वारा 27 व 28 मार्च 1999 को बिहार प्रदेश वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमें एक स्मारिका निकाला गया। जिसके आयोजन समिति के संयोजक प्रो. सुभाष मिश्रा,सह -संयोजन रतन लाल सहाय और सदस्य के रूप में आलोक तुलस्यान,सुब्रतो मैत्रा, बासुदेव तिवारी, विजय रंजन, धनंजय सिंह, प्रो. सुनिल कुमार दास, श्रीमती सुगीता दत्ता,तन्द्रा दास, वाणी चौधरी इत्यादि थे। इसी दौरान बेतला नेशनल पार्क में अंतर यात्रा वैचारिक गोष्ठी का भी आयोजन हुआ था। वर्तमान में सोसायटी के अध्यक्ष गणेश पांडे और सचिव रतन सहाय हैं। सचिव के आवास पर ही रविवार व गुरूवार को बैठक होती है। शहर के बुद्धिजीवियों की मानें तो आलोक तुलस्यान के शहर छोड़ने के बाद सोसायटी के आंगन में सन्नाटा पसरा है। श्री तुलस्यान का व्यक्तित्व आज भी पलामू को भाता है। एक प्रकार से उनके जाने के बाद सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जगत के खालीपन को नहीं भरा जा सका है। देश के जाने माने रंगकर्मी सैकत चटर्जी की मानें तो श्री तुलस्यान के आदेश पर श्री अरविंद सोसाइटी हेसल शाखा रांची में आध्यात्मिक नाटक हरिमोहन का सपना का मंचन किया था। जिसे लोग आज भी नहीं भुला पाये हैं।

भारत सरकार | G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव

सभी देशवासियों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

जय हिन्द

आज़ादी का ये अमृतकाल- देश को **नई दिशा** देने का अवसर है।
आज़ादी का ये अमृतकाल-
अनंत सपनों को,
असंख्य आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर है।

- नरेन्द्र मोदी

लाल किले की प्राचीर से **स्वतंत्रता दिवस समारोह** का **सीधा प्रसारण प्रातः 6:15 बजे** से **दूरदर्शन नेटवर्क** पर

CBC 22201/13/0041/2324

एसडीओ ने झंडोत्तोलन को लेकर किया समय निर्धारित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय के सभागार में एसडीओ कमलेश्वर नारायण की अध्यक्षता में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर हुई बैठक में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया है। जिसमें अनुमंडलीय झंडोत्तोलन सुबह 10:35 बजे होगा। इसके अलावा विभिन्न कार्यालय व चौक-चौराहों पर झंडोत्तोलन करने का समय मुख्य रूप से जननायक कर्पूरी ठाकुर प्रतिमा पर सुबह 07:00, अनुमंडलीय गोपनीय शाखा में 07:10, अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी गोपनीय में 07:15, वीर कुंवर सिंह प्रतिमा पर 07:20, अनुमंडल कार्यालय हुसैनाबाद में 07:25, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में 07:30, अधिवक्ता संघ हुसैनाबाद में 07:35, जवाहर नवोदय विद्यालय टू में 07:40, निबंधन कार्यालय में 07:45, मुन्नी सिंह चौक पर 07:55, प्रखंड कार्यालय हुसैनाबाद में 08:10, व्यापार मंडल में 08:20, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में 08:30, हरिहर चौक पर 08:40, नगर पंचायत कार्यालय हुसैनाबाद में 08:50, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कार्यालय में 09:00, पटेल चौक पर 09:00, पुलिस निरीक्षक अंचल हुसैनाबाद में 09:10, हुसैनाबाद थाना में 09:15, हुसैनाबाद महिला थाना में 09:20, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हुसैनाबाद में 09:25, गांधी चौक पर 09:35, अंबेडकर चौक पर 09:45, जयप्रकाश चौक पर 09:50, छोटानागपुर खादी ग्रामोद्योग जपला में 10:10, दिनेश सिंह चौक पर 10:15, अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में 10:25 झंडोतोलन किया जायेगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि जिन चौक-चौराहों के स्थलों पर झंडोत्तोलन होता है,वहां अतिक्रमण किया गया है तो उसे अतिक्रमण मुक्त करते हुए विधि व्यवस्था बनाते हुए स्कूल से प्रभात फेरी निकालने का निर्देश दिया गया हैं।

'मेरी माटी- मेरा देश' कार्यक्रम के तहत

एनएसएस ने गुरियाही गांव में किया पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जीएलए कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ने गोद लिये गांव गुरियाही में 90 पौधा रोपण किया। वहां के ग्रामीणों को पौधा भी उपलब्ध कराया गया। प्रो. बीरेंद्र कुमार ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार मेरी माटी मेरा देश के तहत गुरियाही गांव में पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन

कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. लीना कुमारी एवं प्रो. बिरेन्द्र कुमार के देख रेख में हुआ। साथ-साथ बारालोटा के वार्ड चार के पूर्व पार्षद राजू राम भी मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों को पेड़ों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधा रोपण जरूरी हो गया है। उन्होंने पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने का परिणाम है कि बारिश कम हो रही है। उन्होंने ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधा लगाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्वयं सेवक ऋषभ शुक्ला,कौशिक, अभिषेक कुमार, महाश्वेता, खुशबू पाठक, अंजली, प्राची दुबे, ओमप्रकाश समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मंडल डैम के निर्माण कार्य पर झूठी बयान बाजी कर रहे हैं तीनों सांसदः धनंजय

हुसैनाबाद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सचिव व हुसैनाबाद के युवा नेता धनंजय कुमार तिवारी ने सांसद के मंडल डैम के बयान पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए इन्हें झूठा और जुमलेबाज बताया है। उन्होंने कहा है कि वर्ष-2019 लोकसभा चुनाव से पूर्व डाल्टेनगंज में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंडल डैम का शिलान्यास कर भाषण की लंबी झड़ी लगाई थी। उन्होंने बोला था कि मंडल डैम का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जबकि सच्चाई ठीक इसके विपरीत है। आज तक इसमें सरकार का एक पत्थर भी नहीं लगाया गया। उनके तीन सांसद हुसैनाबाद में बैठकर क्रमशः पलामू ,चतरा और औरंगाबाद, मिलकर उत्तर नहर कोयल परियोजना के लाभुकों के बीच पुनः एक बार दिवास्वप्न दिखा रहे हैं । उन्होंने कहा कि काठ की हांडी दोबारा नहीं चढ़ती। यहां की जनता अब जाग चुकी है और 2024 में इनको मुंहतोड़ जवाब देने का काम करेगी। उन्होंने बताया कि देश एवं क्षेत्र की जनता को वर्तमान की केंद्र सरकार एवं मंडल डैम पर बयान देने वाले सांसदों को यह बताना चाहिए की मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद पूरे देश में सिंचाई के लिए कहां- कहां डैम एवं नहर की खुदाई की गई । यह यहां की जनता को जानने का पूरा हक है।

विधायक पुष्पा देवी ने ढाई किलो मीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली

पाटन । प्रखंड के हिसरा बरवाडीह ग्राम में सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल से ढाई किलोमीटर का तिरंगा यात्रा के मुख्य अतिथि विधायक पुष्पा देवी, पाटन प्रमुख शोभा देवी, एवं पलामू जिला परिषद अध्यक्ष ने मिलकर सार्वजनिक रूप से इस तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। सभी गणमान्य लोगों को अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया माननीय विधायक पुष्पा देवी ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा 13, 14 एवं 15 अगस्त तक 3 दिनों के अंदर 10000 घरों में तिरंगा झंडा फहरा देना है। छतरपुर पाटन विधान सभा वासियों को संदेश भी दिया , तिरंगा देश की आन बान और शान है। तिरंगा यात्रा में अशोक तिवारी, संजय सिंह, आनंद सिंह, अभिषेक सिंह, वशिष्ठ पांडे, निरंजन पासवान, पिंकी विश्वकर्मा, सहित अन्य लोग शामिल थे।

पानी के अभाव में रसोईया ने एमडीएम बनाने से किया इंकार

हैदरनगर। प्रखंड के बभंडी पंचायत अंर्तगत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गोल्हना में चार माह से खराब पड़े चापाकल के कारण एमडीएम बंद होने की स्थिति हो गई है। इससे चिंतित प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव व सदस्यों ने अभिवावकों के साथ बैठक में चापाकल मरम्मती होने तक गांव से 300 गज दूर से पानी लाकर एमडीएम का संचालन करने का सुझाव दिया गया। इस पर रसोईया ने दूर से पानी लाकर में एमडीएम बनाने से इंकार कर दिया। हालांकि इस ज्वलंत समस्या पर विद्यालय के प्रभारी ने गत 18 जुलाई को ही लिखीत आवेदन पीएचईडी देकर चापाकल मरम्मती कराने का आग्रह किया है। इसके अलावा स्थानीय पंचायती राज के सभी पदाधिकारी को भी अवगत कराया गया। किन्तु अब तकसमाधान नहीं हो सका है। विभागीय लापरवाही के प्रति छात्र अभिवावकों में रोष है। बैठक में एसएमसी अध्यक्ष विमलेश सिंह, सचिव फिरोज अंसारी, बच्चन सिंह (वार्ड सदस्य), संजय सिंह, सविता देवी, अंकू सिंह, हेमंत, रिंकु देवी (संयोजिका) ममता देवी, सत्येन्द्र सिंह सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

विधायक ने किया कमरा भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास

पांकी। विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने पांकी प्रखंड के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 6 कमरों के भवन का विधिवत रूप से पूजा पाठ कर एवं नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। सर्वप्रथम दर्जनों कार्यकताओं ने विधायक को फूल माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। मौके पर भाजपा विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता ने कहा कि विद्यालय में 6 कमरा भवन का निर्माण होने से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल पाएगी। पांकी जैसे इलाकों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में मात्र सात-आठ कमरों में पठन-पाठन का कार्य हो रहा था, जिससे छात्राओ को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। स्कूल भवन बन जाने से ग्रामीण इलाके के बच्चों को आसानी से बेहतर शिक्षा मिल सकेगी।

नवयुवक फुटबॉल क्लब सड़ेया, आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में

फाइनल फुटबॉल मुकाबले में बेला ने काजीनगर को हरा कर कप पर जमाया कब्जा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर नवयुवक फुटबॉल क्लब सड़ेया के द्वारा फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच का आयोजन हैदरनगर प्रखंड के सड़ेया मैदान पर किया गया। इसके मुख्य अतिथि एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक कमलेश कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि युवा नेता सूर्या सिंह, मुखिया संतोष कुमार सिंह मौजूद थे। फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच बिहार के बेला व झारखंड के कजीनगर के बीच खेला गया। जिसमें बेला की टीम ने खेल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक गोल दाग कर बढ़त दर्ज कर ली। दूसरे हाफ में कई रोमांचक छन देखने को मिले। काजीनगर ने गोल की बराबरी करने का भरपूर प्रयास किया। परंतु बेला टीम के सामने टिक नहीं सकी। बेला यह मुकाबला 1-0 से जीतकर विजेता बना। इस मौके पर विधायक कमलेश कुमार सिंह ने विजेता व उप विजेता टीम को कप भेंट किया। उन्होंने कहा कि इस सुदूरवर्ती गांव में इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा। युवा नेता सूर्या सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद हरिहरगंज के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। उसे निखारने के लिए वह लगातार इस तरह के आयोजन कर उन्हे प्रोत्साहित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से राज्य व देश स्तर पर पहचान बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख कलावती देवी, उप प्रमुख पप्पू कुमार पासवान, मुखिया संतोष सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। टूनार्मेंट के आयोजकों में नवयुवक फुटबॉल क्लब सड़ेया के अध्यक्ष दिलीप पाल, सचिव मुकेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र राजवंशी ,पंकज पाल,अमन मेहता,मुकेश मेहता, विकाश मेहता,शिवप्रसाद रजवार, संतोष पाल, गुंजन,अनूप कुमार, पंकज यादव,पवन यादव,मनीष कुमार के अलावा सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

बढ़ती जन भागीदारी के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान : सांसद

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की गई है। उसी के मद्देनजर भाजपा सैन्य प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने हुसैनाबाद स्थित अपने आवासीय कार्यालय पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पलामू सांसद,बीडी राम और औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से लोगों को तिरंगा देकर 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने विचार व्यक्त करते हुए सांसद सुशील सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में, 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन 13 से 15 अगस्त तक देशभर में किया जा रहा है। पलामू सांसद वीडी राम ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य व्यक्तियों को प्रेरित करना है कि वे अपने आवासों पर गर्व से राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करें। इस राष्ट्रव्यापी अभियान में हुसैनाबाद के सभी नागरिकों से मैं अपील करता हूं कि वे 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों, कार्यालयों आदि पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हर घर तिरंगा अभियान के जश्न में शामिल हों।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा (जिला नजारत)

(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)

(Very Short term Tender Notice)

विशिष्ट माननीयों के लोहरदगा में आगमन के अवसर पर इच्छुक आपूर्तिकर्ता/कम्पनी/संस्थान/फर्म/उत्पादक एवं उनके प्रतिनिधि आदि से अति अल्पकालीन निविदा (II[nd] Call) दिनांक **21.08.2023** के **11:00** बजे पूर्वा0 तक आमन्त्रित की जाती है।

"अति अल्पकालीन निविदा में तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड की अलग-अलग सीलबंद लिफाफे को एक बड़े सीलबंद लिफाफे में समर्पित किया जायेगा। अति अल्पकालीन निविदा समर्पित करने संबंधी विस्तृत शर्त एवं दिशा निर्देश लोहरदगा जिला के वेबसाईट **www.lohardaga.nic.in** पर देखा जा सकता है। सीलबंद अति अल्पकालीन निविदा के तकनीकी बीड़ को प्रस्तावकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में **दिनांक 21.08.2023 के 03:00 बजे (अपराह्न)** जिलास्तरीय क्रय एंव मूल्यांकन समिति द्वारा खोला जायेगा, तत्पश्चात तकनीकी बीड़ के सफल प्रस्तावकों का वितीय बीड़ खोला जायेगा। अति अल्पकालीन निविदा संबंधी किसी प्रकार के संशय **(Confusion)** निराकरण हेतु मोबाईल नम्बर **7004619364** पर किसी भी कार्यालय दिवस के कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/-
उपायुक्त, लोहरदगा

PR 304627 Lohardaga(23-24)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

NATIONAL HIGHWAY DIVISION, MEDININAGAR
Jailhata, Near Railway Crossing, Daltonganj, Dist.- Palamau- 822101
Ph. No. 06562- 231237, E-mail Id- eenhmedini-jhr@nic.in, eenhmedini@gmail.com

Very Short Notice Inviting Quotation (1st Call)

Quotation Ref. No. NH/MEDININAGAR/QUOT./01/2023-24 **Dated : 14.08.2023**

Name of work: Hiring of Commercial Vehicles of One No. of Scorpio (N) vehicle on monthly hire basis for Executive Engineer, National Highways Division, Medininagar, Jharkhand - Reg.

Time Period: Six (06) months likely to be extendable up to a maximum period for Two (02) years and on same terms and conditions.

Sealed Quotation are hereby invited from established, experienced and reputed individuals, firms/ Organizations and other agencies having adequate experience in execution of such works.

The blank BOQ and terms & conditions for the above may be obtained from the office of the undersigned on any working day from **16.08.2023 to 26.08.2023** upto 01:00 PM between office hours by submitting a copy of online receipt towards payment of cost of document of Rs.500/- (Rupees Five Hundred only/-) on NTRP Portal-https://bharatkosh.gov.in/Ministry Info.aspx through Pay & Account Office Code : 034756-PAO(NH)- Kolkata and Drawing & Disbursing Office (DDO) Code : 202122-Regional Officer, Ministry of Road Transport Highways.

The duly filled quotation in sealed envelope can be submitted in the office of the undersigned up to 03:00 PM on **28.08.2023**. The quotation will be opened on **28.08.2023** at 03:30 PM in the presence of intending bidders or its authorized representatives, who choose to remain present.

This office reserves the right to reject all Quotations and cancel the Quotations without assigning any reasons.

Executive Engineer
National Highways Division, Medininagar
Ph: 8210361201

PR 304651 Road (23-24)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गढ़वा

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा मे0 माँ सरस्वती कन्स्ट्रक्शन (संवेदक-सुधीर कुमार तिवारी), करकोमा, हासनदाग, मेराल, गढ़वा को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पैकेज सं0- JH-M-GAR-08/2021-22 अन्तर्गत छः पथों का मरम्मति का कार्य करने हेतु आपके द्वारा एकरारनामा किया गया था। एकरारनामा के अनुसार कार्य प्रारम्भ की तिथि 27.08.2022 एवं कार्य पूर्णता की तिथि 26.03.2023 था, परन्तु उक्त पैकेज का कार्य लम्बे समय से आपके द्वारा बन्द रखा गया है, जिसकी सूचना दूरभाष द्वारा देने के बावजूद भी आपके द्वारा अवशेष कार्य को पूर्ण नही कराये जाने के कारण प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि तीन दिनों के अन्दर अवशेष कार्य का Work Programme प्रमण्डलीय कार्यालय में समर्पित करते हुए कार्य को प्रारम्भ करना सुनिश्चित करे अन्यथा वाध्य होकर एकरारनामा में निहित प्रावधान के अनुरूप आपके एकरारनामा को विखण्डित करने की दिशा मे अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0का0वि0,कार्य प्रमंडल, गढ़वा

PR.NO.304611 Rural Work Department(23-24):D

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, चतरा

आम सूचना

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक 2403 (अनु0) दिनांक 07.06.2023 से सूचित किया गया है कि श्री मंटु कुमार, गणेश कुमार, अमन कुमार यादव, निर्मल कुमार यादव, चेतलाल कुमार ठाकुर, रोहित कुमार सिंह, मनीश रंजन, प्रवीन कुमार साहु, द्वारा श्री प्रदीप कुमार सहायक परियोजना पदाधिकारी एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, चतरा में कार्यरत अन्य पदाधिकारियों/कर्मियों के विरूद्ध अवैद्य राशि वसूली का आरोप लगाया गया है ।

उक्त के आलोक में उपरोक्त शिकायतकर्ता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित पदाधिकारियों/कर्मियों के द्वारा अवैद्य राशि वसूली से संबंधित साक्ष्य के साथ 72 घंटे के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित किया जाय ।

उप विकास आयुक्त
चतरा

PR304629 (Rural Development)23-24*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना।

(लापता पूनम देवी, उर्फ पुष्पा देवी)

मेराल थाना सनहा सं0-12/2023, दिनांक-03.08.2023 में लापता पूनम देवी, उर्फ पुष्पा देवी पति-सुरेन्द्र राम, ग्राम-अकलवानी, थाना-मेराल, जिला-गढ़वा, राज्य-झारखण्ड, के रहने वाली है। जो दिनांक-29.07.2023 को 11:00 बजे दिन में घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गयी है। जो अभी तक वापस घर नहीं आयी है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया। परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि लापता पूनम देवी, उर्फ पुष्पा देवी, के बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0-9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0-9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलिया:-
नाम- पूनम देवी, उर्फ पुष्पा देवी
पति-सुरेन्द्र राम, ग्राम-अकलवानी ,
रंग- गोरा, लम्बाई- लगभग 5 फीट,
पहनावा- साड़ी पीला रंग

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR 304612 (Police) 23-24 (D)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गढ़वा। (जिला आपूर्ति शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड राँची से प्राप्त निदेशानुसार प्रत्येक माह के 15वीं एवं 16वीं तथा 25वीं एवं 26वीं तारीख को चावल दिवस मनाये जाने के क्रम में गढ़वा जिला अन्तर्गत संचालित सभी जन वितरण प्रणाली दुकानों को खुला रखकर लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण कराया जा रहा है। इस क्रम में दिनांक 15.08.2023 (मंगलवार) को स्वतंत्रता दिवस होने के कारण माह अगस्त 2023 में चावल दिवस दिनांक-16.08.2023 एवं 17.08.2023 को मनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि चावल दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन के निमित जिला स्तर से स्थायी आदेश निर्गत कर प्रत्येक पंचायत में एक-एक पर्यवेक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इसके सफल संचालन हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जे0एस0एल0पी0एस0 के कर्मियों की सहाभागिता सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया है। गढ़वा जिला के सभी कार्डधारियों से अपील की जाती वे चावल दिवस के अवसर पर अपने-अपने जन वितरण प्रणाली के दूकानों पर अवश्य जायें एवं सरकार के इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ उठावें ।

इस प्रकार चावल दिवस पर जन वितरण प्रणाली विकेताओं द्वारा अपने व्यपार स्थल पर निम्नांकित कार्य भी किये जाएगें।

1. छुटे हुए सदस्यों का ई-पॉस मशीन में आधार संख्या की प्रविष्टि।
2. मृत/स्थाई रूप से पलायन व्यक्तियों का सत्यापन कर सूची तैयार करना।
3. अयोग्य लाभुकों की सूची तैयार करना।
4. लाभुकों को ससमय खाद्यान्न प्राप्त करने हेतु सूचना उपलब्ध कराना, ताकि खाद्यान्न वितरण की प्रतिशत में वृद्धि हो सके।
5. धोती, साड़ी एवं लुंगी का वितरण।

प्रतिनियुक्त सभी कर्मी अपने-अपने आवंटित पंचायत के सभी जन वितरण प्रणाली के दूकानों का निरीक्षण करते हुए संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उसे जिला स्तरीय Whatsapp Group में भेजेगें। यदि निरीक्षण के दौरान लाभुकों से कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो उसे अनुमंडल स्तरीय नियंत्रण कक्ष के निम्नांकित दूरभाष सं0- गढ़वा अनुमंडल-8271034431 श्रीबंशीधर नगर-9262292004, रंका- 9437185282 जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष-9835596270 पर दर्ज कराएंगे।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 304640 Food Public Distribution and Consumer Affairs(23-24)D

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा।

(अभियंत्रण कोषांग)

Phone Number:- 06526-222064 *email-id:* zplohardaga@gmail.com

ई-निविदा

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या - 05/2023-24 दिनांक 12.08.2023

क्र0/ग्रुप संख्या	प्रखण्ड	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2		3	4	5	6	7
1	पेषरार	सीरम	ऑगनबाडी केन्द्र भवन सीरम 1 का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
2	पेषरार	रोरद	ऑगनबाडी केन्द्र भवन रोरद 2 का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
3	पेषरार	पेषरार	ऑगनबाडी केन्द्र भवन केरार सहेदापाट का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
4	पेषरार	चपरॉग	ऑगनबाडी केन्द्र भवन चपरॉग का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
5	पेषरार	तुईमु	ऑगनबाडी केन्द्र भवन बरपाट का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
6	पेषरार	सनई	ऑगनबाडी केन्द्र भवन सनई का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह
7	पेषरार	लोटा चूँआ	ऑगनबाडी केन्द्र भवन लोटा चूँआ का भवन निर्माण	1541300.00	5000.00	30900.00	06(छः) माह

2 वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :- 26.08.2023
3 बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय :- 06.09.2023/05:00 बजे अपराह्न तक
4 अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य(हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय :- 08.09.2023/01:00 बजे अपराह्न तक
5 निविदा खोलने की तिथि व समय :- 08.09.2023/05:00 बजे अपराह्न
6 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :- जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा
7 निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :- जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा

नोट - 1. जिला परिशद् लोहरदगा में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं । संवेदक का U-Can में निबंधन अनिवार्य है।
2. निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ सकती है तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
3. कार्य की मात्रा आवश्क्तानुसार घट-बढ सकती है।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियन्ता,
जिला परिषद्, लोहरदगा

PR 304642 Lohardaga(23-24)D

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

अजीत पाल कुजुर
जोनल कोऑर्डिनेटर झारखंड प्रदेश कांग्रेस महुआडांड़।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

अमरेन डांग
बी डी ओ महुआडांड़।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

राजेश कुजूर
डी एस पी महुआडांड़।

112 बटालियन ने निकाली तिरंगा यात्रा

मेदिनीनगर। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाये जाने वाले आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत 112 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमाण्डेन्ट प्रमोद कुमार साहू के नेतृत्व में जिला - लातेहार, पलामू, चाईबासा एवं पश्चिम सिंहभूम में 112 बटालियन सी.आर.पी.एफ की तैनात टुकड़ियों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 112 बटालियन द्वारा कुल 5,500 तिरंगा झंडा फहराने एवं ग्रामीणों को वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भाजयुमो ने किया तिरंगा वितरण

मेदिनीनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू जिला अध्यक्ष ज्योति पांडेय के द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं एवं मोहल्ले में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरण कर आम लोगों से ज्यादा से ज्यादा अपने घर पर तिरंगा फहराने का आग्रह किया गया। इस कड़ी में ज्योति आईटीआई के छात्रों के बीच भी तिरंगा वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री पांडेय ने कहा कि देश की आजादी में अपना सर्वस्व निछावर करने वाले क्रांतिकारियों की गाथा हम सबको जाननी चाहिए एवं आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को देश सदैव नमन करता है।

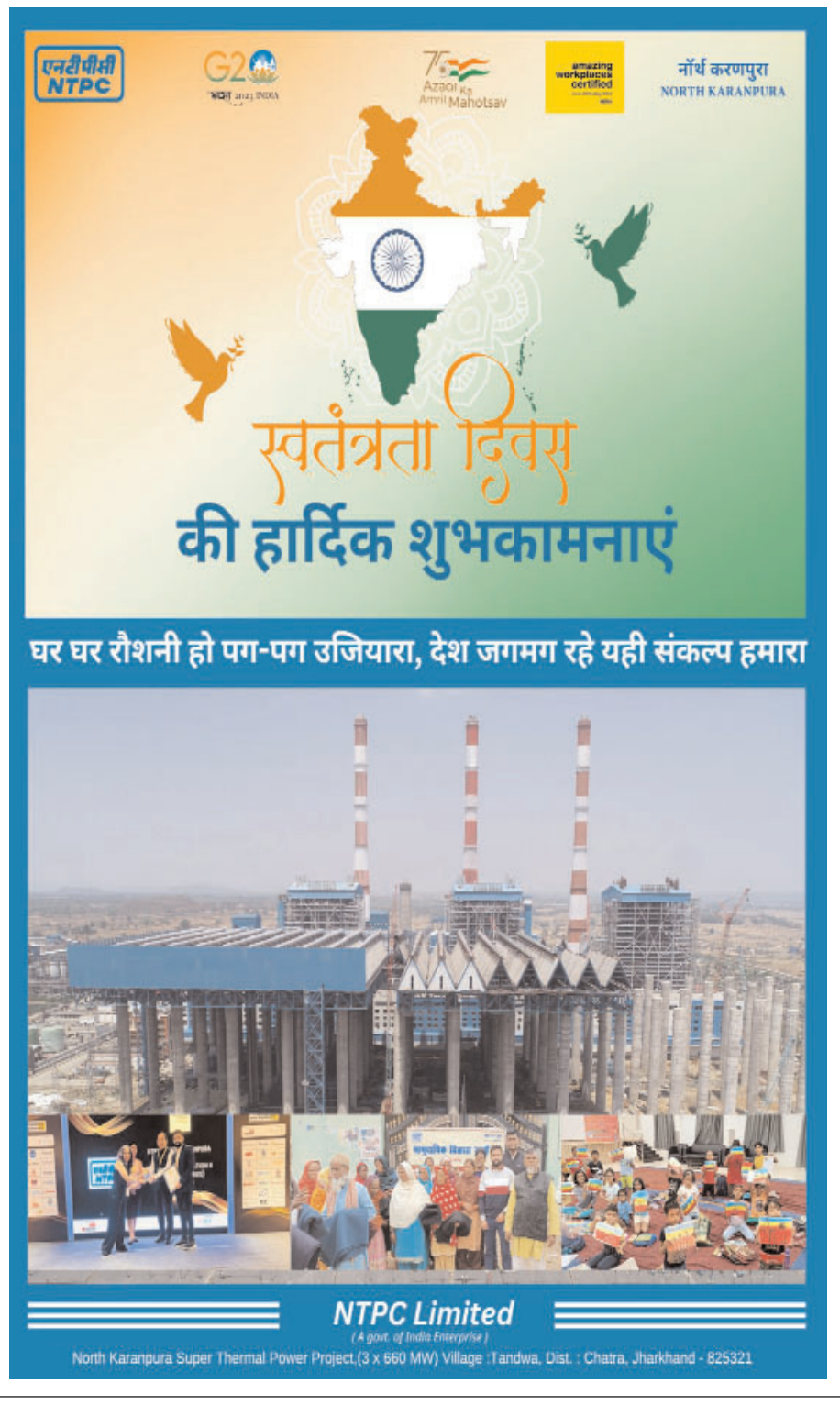

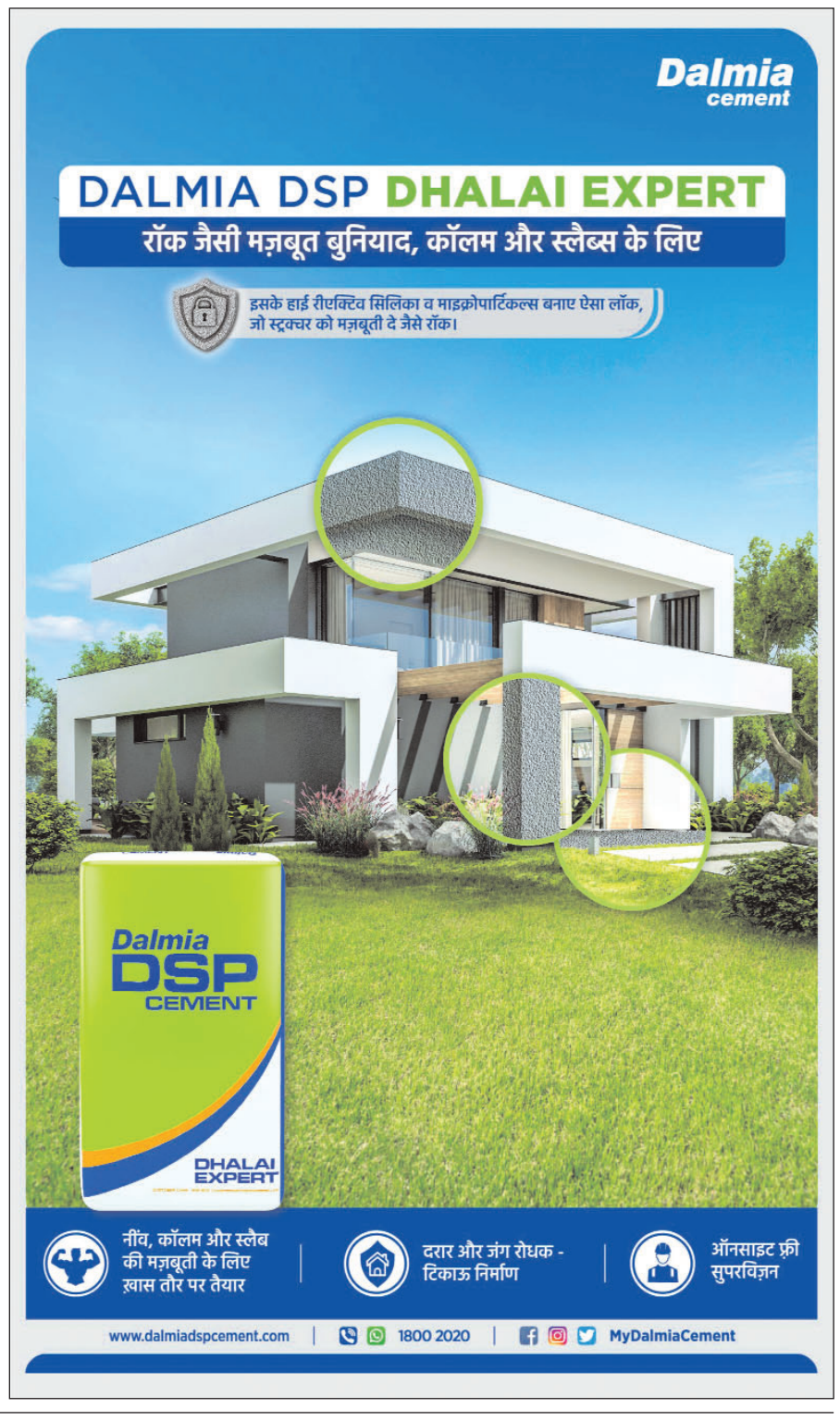

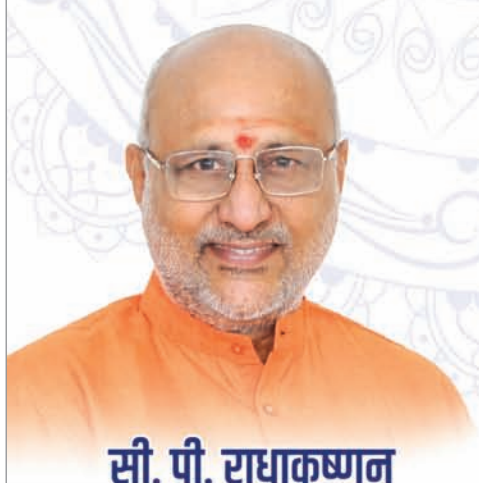

सी. पी. राधाकृष्णन
राज्यपाल, झारखण्ड

समस्त राज्यवासियों को

77वें

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं
एवं जोहार

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

स्वतंत्र भारत अपनी स्वतंत्रता के 77वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।
हमें यह सुखद अवसर प्रदान करने वाले समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को हमारा शत् - शत् नमन।

स्वतंत्रता आंदोलन में झारखंडवासियों के अतुलनीय संघर्ष व बलिदान की गौरवगाथा को भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हें भी हमारा नमन।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण jhargov.tv एवं अन्य चैनलों पर देखा जा सकता है।

PR No. 304672 (IPRD) 2023-24

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

केतार में मुखिया के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

केतार। लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार के प्रांगण में सोमवार को मुखिया प्रमोद कुमार के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिलेश कुमार गुप्ता रोजगार सेवक रामकुमार प्रजापति, विद्यालय के शिक्षक जवाहर दुबे,गौतम कुमार पाल, सोनू कुमार सिंह, राहुल कुमार मेहता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वा। अचला में मुखिया मुखराम भारती गोविंद हाई स्कूल के मैदान से प्रखंड कार्यालय पहुंचे जहां प्रखंड कर्मियों को मिट्टी सौंपी गयी। लोगों ने मिलकर 75 पौधे लगाये और उनकी उचित देखभाल करने का संकल्प भी लिया जिससे पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके।

चिनिया प्रखंड में निकली तिरंगा यात्रा

चिनिया। बीडीओ कालिदास मुंडा, अंचलाधिकारी निषाद अंजूम के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। इसमें प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सह सहायक अभियंता अनुज, कनीय अभियंता अनिकेश, सुकेश, प्रखंड कोऑर्डिनेटर पंकज विश्वकर्मा, प्रखंड कर्मी अमित कुमार, कृष्णा शर्मा, रवि कुमार, प्रधानाध्यापक लालेश्वर सिंह आदि मौजूद थे।

धुरकी प्रखंड में निकली तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। धुरकी प्रखंड मुख्यालय सहित आठ पंचायतों में सोमवार को तिरंगा यात्रा निकाली गयी। प्रखंड मुख्यालय पर तिरंगा यात्रा में बीडीओ अरुण कुमार सिंह, थाना प्रभारी सदानंद कुमार, मुखिया महबूब मानसरी आदि शामिल हुए। तिरंगा यात्रा प्रखंड के आठ पंचायत के रक्सी, धुरकी, खाला, अंबाखोरया, गनेयारि, भंडार, टाटीदीरी, धुरकी संहिता पंचायत के संबंधित मुखिया के नेतृत्व में निकाली गयी। इस दौरान प्रखंड मुख्यालय पर जेएमएम नेता इसराइल खान, शशि कमलापुरी, शहादत अंसारी तेजु कोरवा, धीरेंद्र यादव बेलाल अंसारी आदि उपस्थित थे।

मुखिया ने निकाली तिरंगा यात्रा : माझिआंव। खरसोता पंचायत के मुखिया रीता देवी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गयी, जिसमें महिलाएं, पुरुष व स्कूल के बच्चे उपस्थित थे।

शहीदों के सम्मान में तिरंगा मार्च : भवनाथपुर। सचिव वेद प्रकाश आर्य के निर्देश पर ओम शांति पब्लिक स्कूल बच्चों ने सोमवार को तिरंगा मार्च किया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार, राजीव कुमार, प्रमोद कुमार, बालेश्वर कुमार, जी प्रसाद, सुगंधा कुमारी उपस्थित थे।

पंचायतों में निकली गयी तिरंगा यात्रा

खरौंधी। प्रखंड क्षेत्र के मझिगावां पंचायत में मुखिया बिंदा देवी, राजी पंचायत में मुखिया रिंकू देवी, खरौंधी पंचायत में मुखिया मंजू देवी, चंदनी पंचायत में मुखिया रामगहन मेहता, सुंडी पंचायत में मुखिया शिला देवी, सिसरीपंचायत मुखिया स्वेता देवी,अरंगी पंचायत में मुखिया फूलकुमारी देवी, कूपा पंचायत में मुखिया प्रमोद राम की देखरेख में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

शहीदों के सम्मान में निकाला गया फ्लैग मार्च : गढ़वा : निदेशक सह शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय के निर्देश और अनुप कुमार पांडेय के नेतृत्व आर के पब्लिक स्कूल सोनपुरवा के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को तिरंगा मार्च निकाला। इसमें लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने इसमें हिस्सा लिया।

गढ़वा जिला वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

राकेश पाल
युवा समाजसेवी गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

निवेदक
ओमप्रकाश
विधायक प्रतिनिधि
प्रखंड - बड़गड़, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बाबूलाल सिंह
प्रचार्य उ. प्रा. वि. कपराठ।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

आदित्य लाल
प्रचार्य उ. प्रा. वि. बहेरवा, डंडई।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अरविंद यादव
झारखंड मुक्ति मोर्चा चिनियां प्रखंड, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

डा. असजद अंसारी
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रंका, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

कालिदास मुंडा
प्रखंड विकास पदाधिकारी चिनीयां प्रखंड, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

राजवल्लभ कुमार
थाना प्रभारी, चिनीयां, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

दीपिका खलखो
उपप्रमुख प्रखंड - बड़गड़, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

शंभू शरण कुमार
शाखा प्रबंधक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक चिनियां।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अमानत अंसारी
सचिव जेएमएम प्रखंड - बड़गड़, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

शांति देवी
प्रमुख प्रखंड - बड़गड़, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

क्यामुद्दीन अंसारी
20 सूत्री अध्यक्ष, डंडई, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

चोनाराम हेम्ब्रम
सीओ डंडई, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

सोमा उराँव
बीडीओ डंडई, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

शाबाज अंसारी
थाना प्रभारी, डंडई, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

सुरेन्द्र कुमार राम
प्रचार्य प्रा. वि. हरैया टोला लवाही।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

मो. हैसियत रजा अंसारी
प्रतिनिधी वीडीसी भाग पश्चिमी पंचायत जरही।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

मुस्ताक अहमद अंसारी
सचीव डीलर संघ प्रखंड, डंडई।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

कुंदन भगत
समन्वयक जे.एस.एल.पी.एस।

पीडीएनयू फाउंडेशन ने निकाली भव्य तिरंगा व शोभा यात्रा

मेदिनीनगर। पांकी में पीडीएनयू फंाउडेशन के तत्वधान में प्रधानमंत्री के 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम के तहत 100 मीटर के तिरंगे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा व शोभा यात्रा निकाली गयी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी ,महिला नेत्री श्रीमती लवली गुप्ता ,प्रमुख पंचम प्रसाद , उपप्रमुख रिंकू चौहान ,प्रेमचंद महतो व संतु सिंह शामिल हुए। इस तिरंगा यात्रा का पांकी के एसक्ललेंट कोचिंग से प्रारंभ हो कर अंबेडकर चौक ,शहीद भगत सिंह चौक होते व्यापार मंडल के पास समापन हुआ। तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय ,वंदे मातरम के जयघोष के साथ हजारों लोग शामिल हुए। इस मौके पर भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी ने कहा कि हम सबों को प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को पूरा करने के लिए आपसी कटुता को बुलाकर देश की तरक्की में अपना योगदान देना होगा।

सीआरपीएफ जवानों ने पलामू में निकाली तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू स्वतंत्रता दिवस को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसके जरिए लोगों को वीर सपूतों के बारे में जानकारी भी दी जा रही है। नक्सल विरोधी अभियान में तैनात केंद्रीय रिजर्व बल सीआरपीएफ के जवानों ने भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा यात्रा निकाली है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत पलामू में तैनात सीआरपीएफ 134 बटालियन के जवानों द्वारा रविवार की शाम को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा को पलामू के विभिन्न इलाकों में भ्रमण कराया गया। सीआरपीएफ जवान अपनी हाथों में तिरंगा लिए हुए थे और लोगों की देश भक्ति के हौसलों को बढ़ा रहे थे। पलामू के अलावा कई नक्सल इलाकों में भी रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान शामिल थे। सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों

को वीर सपूतों और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी भी दे रहे थे। सीआरपीएफ 134 बटालियन के कमांडेंट सुदेश कुमार के निर्देश पर यह तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व डिप्टी कमांडेंट अंशु माली ने किया। सीआरपीएफ 134 बटालियन पलामू में पिछले एक दशक से तैनात है और नक्सल विरोधी अभियान की कमान को संभाले हुए है। सीआरपीएफ की तैनाती की बदौलत ही पलामू के इलाके में नक्सल समस्या लगभग काबू में आयी है। पिछले एक दशक में पलामू के कई ऐसे इलाके हैं, जहां सीआरपीएफ की बदौलत स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन पहली बार हुआ है। पलामू में सीआरपीएफ की कंपनी झारखंड बिहार सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात है, जहां नक्सल विरोधी अभियान चलाया जाता है।

पाटन में निकली तिरंगा यात्रा

पाटन। प्रखंड के हिसरा बरवाडीह ग्राम में सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल से ढाई किलोमीटर का तिरंगा यात्रा के मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्रीमती पुष्पा देवी, पाटन प्रमुख शोभा देवी, एवं पलामू जिला परिषद अध्यक्ष ने मिलकर सार्वजनिक रूप से इस तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। सभी गणमान्य लोगों को अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक पुष्पा देवी ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा 13, 14 एवं 15 अगस्त तक 3 दिनों के अंदर 10000 घरों में तिरंगा झंडा फहरा देना है। छतरपुर पाटन विधान सभा वासियों को संदेश भी दिया , तिरंगा देश की आन बान और शान है।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
राधा देवी पति- विरेन्द्र प्रजापति (विरेन्द्र मिस्त्री)
वार्ड नं0 11 के भावी वार्ड पार्षद प्रत्याशी
मेदिनीनगर पलामू बीएन कॉलेज रोड।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
बब्लू सिंह
शिक्षक
केतार, गढ़वा।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
ज्वाला प्रसाद
जीप सदस्य सह विधायक प्रतिनिधि, केतार,गढ़वा

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
रविन्द्र सोनी
मीडिया प्रभारी भाजपा मंडल केतार गढ़वा ।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
Sreeleathers
श्री लेदर्श शो रूम
सत्तार सेठ चौक विष्णु मंदिर रोड डाल्टनगंज यहां पर सभी तरह के लेदर का सामान किफायती दामों पर उपलब्ध है।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
ललिता कुमारी
मुखिया
बलिगढ़ पंचायत,(केतार)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
डॉ. पंकज पाठक दंत
चिकित्सक
केतार/भवनाथपुर

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
हेमंत पाठक
जिला सचिव शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा (गढ़वा)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रमोद कुमार सिंह
एकाउंटेंड आरके सिंह पब्लिक स्कूल, केतार (गढ़वा) केतार

कन्या सोशल वेलफेयर फाउंडेशन
Regd. by - Ministry of Corporate Affairs, Government of India
Helpline No.: 9472563024

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रदीप नारायण
सहायक शिक्षक हाई स्कूल इटहे, लेस्लीगंज, पलामू।

THE KARATE ACADEMY
Affiliated by : International Sports Karate Do Federation
Approved by : Karate Association of India
Admission Open
SPECIAL MOVEMENT
Wushu • Gymnastic • Stick Fight
Talvaar Bazi • Self Defence • Nanchak
Redma Panki Road, Near Hariharnat Mandir, Daltonganj, Palamu
9534388988, 9852831234

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
छोटन सिंह
बीस सूत्री सदस्य सह युवा समाजसेवी, केतार गढ़वा

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
शकुंतला देवी
प्रभारी प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय गरुड़, केतार

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
राजेश चौरसिया
अध्यक्ष महानगर कांग्रेस कमिटी, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
मणिकांत सिंह
प्रवक्ता झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस, पलामू।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
देश और समाज की उन्नति के लिए जुझारू कार्यकर्ताओं का आभार
विजयानंद पाठक
अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी पलामू

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
राम प्रताप मेहता
प्रधान सहायक अध्यापक, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सीवान टोला, लोहरगाड़ा, केतार

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
कामेश्वर सिंह
झामुमो प्रखंड अध्यक्ष, केतार, (गढ़वा)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
रामानंद पाठक
उर्फ छोटू पाठक
बीस सूत्री उपाध्यक्ष, पलामू।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
श्याम नारायण सिंह
स्टेट चेयरमैन, शिक्षा विभाग, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी, मेदिनीनगर, पलामू।

तिरंगा है आन तिरंगा है शान, सब रहें खुश अब यही अरमान।
स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
अविनाश कुमार वर्मा
केंद्रीय अध्यक्षः जीसा, रांची
चेयरमैन : दायित्व ट्रस्ट, संरक्षक : क्रीड़ा भारती, पलामू
सदस्य कोर कमेटी डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र भाजपा
पलामू। मो. 9431138721

राकेश कु. तिवारी
कार्यकारी जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी, पलामू।
अच्छे अस्पताल बेहतरीन शिक्षा के लिए राकेश जरूरी
इस बार बड़े बदलाव के लिए एक मौका राकेश को

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रमोद कुमार
मुखिया
ग्राम पंचायत केतार, गढ़वा

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
चंद्रावती देवी
प्रखंड प्रमुख, केतार (गढ़वा)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
शन्नी शुक्ला
जेएमएम अध्यक्ष युवा मोर्चा, पलामू।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
ज्योति पाण्डेय
भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू के जिला अध्यक्ष, मेदिनीनगर, पलामू।

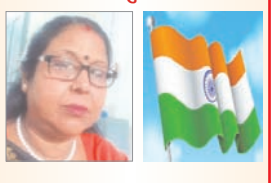

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
राजेन्द्र सिन्हा
जिला अध्यक्ष जेएमएम
मेदिनीनगर, पलामू।
शुशीला मिश्रा
जिला अध्यक्ष जेएमएम
पलामू महिला मोर्चा सह सदस्य झारखंड अधिवक्ता परिषद, रांची।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
विनोद कुमार
प्रखंड श्रमिक मित्र, केतार

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
अभिषेक तिवारी
प्रदेश सचिव
युथ कांग्रेस, झारखंड।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
विवेकानन्द त्रिपाठी
पूर्व वार्ड पार्षद
वार्ड नं- 18, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
मुन्ना खान
युथ कांग्रेस अध्यक्ष पलामू।

आज का यह पावन दिन हमें अपने वीर सपूतों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने इस देश को विदेशी हुकूमतों से आज़ाद करवाया। मैं देश के वीर सपूतों को कोटि-कोटि नमन करता हूं और साथ ही साथ देश वासियों को, झारखंड वासियों को और विशेष रूप से मेदिनीनगर वासियों को
15 August स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
एक नए मेदिनीनगर का निर्माण होगा
सबके घर में जल हो, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
शहर स्वच्छ हो, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
सड़के पक्की हों, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
खेलने के लिए स्टेडियम हो, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
पढ़ने के लिए लाइब्रेरी हो, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो, ऐसा होगा नया मेदिनीनगर
अभिषेक सिंह
युवा समाजसेवी सह झामुमो नेता पलामू, झारखण्ड

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
चंचला देवी
वार्ड पाषद, वार्ड नं-33
पति - विजय चंद्रवंशी (समाजसेवी)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
कुशुम देवी
मुखिया, चैनपुर कंकारी
पति - शिव कु. चौधरी (समाजसेवी)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
लड्डू खान
भाजपा प्रदेश मंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा झारखण्ड प्रदेश पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
इन्दु भगत
महिला मोर्चा अध्यक्ष कांग्रेस, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
उच्चतम तकनीक से निर्मित वेस्ट क्वालिटी के
फ्लाई ऐस ब्रिक्स, पेवर ब्लॉक, कवर ब्लॉक, सिमेंट, टाईल्स सहित निर्मित सामग्रियों के लिए अवश्य पधारें।
घर, आंगन, बगिया, चमकाएं कुमार मिनरल का प्रोडक्ट ही लगाएं।
निर्माता एवं आपूर्तिकर्ता
कुमार मिनरल
औद्योगिक प्रांगण, सुदना, डालटनगंज, पलामू (झारखंड)
सम्पर्क नं. - 8210321631, 9470377882

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
अनुज त्रिपाठी
मुखिया
रजवाडीह, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
संग्राम सिंह
जिला परिषद सदस्य
पाटन पश्चिमी।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
संतोष कुमार
प्रमंडलीय अध्यक्ष सह मेदिनीनगर, कर्मचारी संघ अध्यक्ष, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
शिवशंकर प्रसाद
प्रांतीय अध्यक्ष
ज्ञानविज्ञान समिति, झारखंड।

गिद्धौर में मेरी मिट्टी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत निकाली गयी तिरंगा सम्मान यात्रा

नवीन मेल संवाददाता।
गिद्धौर(चतरा)

मेरी मिट्टी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर से सोमवार को बीडीओ संजीत कुमार सिंह, सीओ जयशंकर पाठक व थाना प्रभारी कन्हैया कुमार यादव के संयुक्त नेतृत्व में तिरंगा सम्मान यात्रा निकाली गयी। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, स्वतंत्रता दिवस अमर रहे आदि देशभक्ति गगनभेदी नारे लगाए गए। यात्रा में प्रमुख, मुखिया निर्मला देवी, जगदीश यादव, दिनेश भारती, नाजिर रामदेव ठाकुर, मनोज मिश्रा, बीपीओ रामकुमार सिंह, पंचायत सचिव दिगम्बर पांडेय, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, समाजसेवी प्रवेश कुमार गुप्ता, रोजगार सेवक निर्मल दांगी, सतेंद्र कुमार वर्मा, सीताराम रज्जक सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न पार्टी के कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं शामिल थे।

केंद्रीय संचार ब्यूरो ने लातेहार में निकली तिरंगा रैली

नवीन मेल संवाददाता।
लातेहार/मनिका

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय संचार ब्यूरो डाल्टनगंज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मनिका डिग्री कॉलेज, लातेहार में रंगोली पेंटिंग, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ-साथ तिरंगा रैली भी निकाली गई। इस मौके पर कॉलेज के सहायक व्याख्याता मनीष तिवारी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों में रचनात्मकता बढ़ती है साथ ही विद्यार्थियों की प्रतिभा में भी निखार आता है। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी डाल्टनगंज गौरव कुमार पुष्कर ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव का समापन समारोह के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार एवं कॉलेज के सभी सहायक प्रोफेसर डॉ रंजीत कुमार महली एवं उमेश रविदास भी उपस्थित रहे। इस दौरान रंगोली, पेंटिंग, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिताओं के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा तथा उन्हें गणमान्य अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। मनिका डिग्री कॉलेज परिसर में स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम चलाया गया। कॉलेज कैंपस में मेरी माटी एवं मेरा देश का संदेश देने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत चंदवा प्रखंड में हुये कई कार्यक्रम

चंदवा। प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर सोमवार को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चंदवा पुर्वी व पक्षिमी पंचायत सचिवालय में मुखिया रंजीत उंराव व चंदवा पक्षिमी मुखिया संगीता लकड़ा ने पंचायत सचिवालय के समीप राष्ट्रीय ध्वज फहराया और स्वतंत्रता सेनानियों व वीरों की याद में स्थापित शिलापट्ट का अनावरण किया। साथ ही परिसर क्षेत्र में पौधरोपण भी किया गया। मौके पर चंदवा पक्षिमी मुखिया संगीता लकड़ा, पंचायत सचिव घूरा राम, समाजसेवी मो सरफराज, स्वयं सेवक राजन कुमार, इरशाद मुन्ना, अजय कुमार, श्रीराम शर्मा, राकेश उंराव, असगर अली, समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

जिप के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता पर अपराधियों ने बरसायी थीं गोलियां, रिम्स में चल रहा था इलाज

साहू की मौत, विरोध में घंटों जाम रहा एनएच

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

लातेहार जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद साहू का सोमवार को दौरान रांची के मेडिका हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। साहू शनिवार को अपराधियों के जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये थे। साहू की मौत सूचना पर पूरे बालूमाथ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बालूमाथ में दुकानें बंद रहीं। वहीं समर्थकों ने विरोध स्वरूप एनएच 22 को जाम कर दिया। समर्थक भारी तादाद में बालूमाथ थाना चौक पर सड़क पर बैठ गए। समर्थकों की मांग थी के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए। फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन कर अपराधियों को सजा दिलायी जाए। आक्रोशित समर्थकों ने बालूमाथ में प्रखंड कार्यालय के समीप, शहीद चौक, टमटम टोला इत्यादि जगहों पर मार्ग अवरुद्ध कर दिया था। इसी बीच बालूमाथ थाने में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से एक प्रतिनिधिमंडल ने वार्ता की। इसमें पुलिस कप्तान ने अविलंब इस घटना का उद्वेदन करने का आश्वासन प्रतिनिधिमंडल को दिया। इसके बाद साहू के पार्थिव शरीर आने के पश्चात दोपहर 2:00 बजे सड़क जाम को हटा लिया गया।

ज्ञात हो कि अज्ञात अपराधियों ने राजेंद्र साहू पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। शरीर में चार से अधिक गोलियां लगी थीं। उन्हें रांची के मेडिका हॉस्पिटल में शनिवार को ही शिफ्ट किया गया था। लंबे ऑपरेशन के बाद शरीर में लगी गोलियों को चिकित्सकों ने निकालने में सफलता हासिल की थी, परंतु स्थिति धीरे-धीरे उनकी स्थिति बिगड़ती चली गई। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने शनिवार को ही वेंटिलेटर पर उन्हें शिफ्ट किया था, परंतु स्थिति बिगड़ती चली गई और सोमवार को सुबह लगभग 3 बजे उनका मौत हो गयी। आक्रोशित समर्थकों ने पचफेड़ी स्थित संतोष उरांव के घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। दोपहर शव को बालूमाथ लाया गया जहां राजेंद्र साहू के परिजन व चाहने वालो के चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया।

सुरक्षा व्यवस्था चौकस

सोमवार को तड़के जैसे ही राजेंद्र साहू की मौत की सूचना मिली बालूमाथ का माहौल गमगीन हो गया। थाना चौक पर स्थानीय लोगों की भीड़ तेजी से इकट्ठा होने लगी। सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद जिले के पुलिस कप्तान अंजनी अंजन ने संभाली। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई। दंगारोधी वाहन, अग्निशमन वाहन समेत अप्रिय घटना से निपटने के लिए आईआरबी बल, महिला बल एवं पुलिस अफसर की तैनाती की गई थी। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के अलावा लातेहार पुलिस उपाधीक्षक संतोष मिश्रा, बालूमाथ एसडीपीओ अजीत कुमार, मनिका थानाप्रभारी राणा भानुप्रताप सिंह, चंदवा इन्स्पेक्टर सह थाना प्रभारी बबलू कुमार, हेरंहज थाना प्रभारी शुभम कुमार, बारियातू थाना प्रभारी मुकेश कुमार चौधरी,बालूमाथ पूर्व थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो, राज रोशन सिन्हा समेत भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बालूमाथ के गली-गली एवं चौराहों में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात थी।

पंचतत्व में हुए विलीन

राजेंद्र साहू का मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। क्षेत्रीय विधायक बैधनाथ राम सहित कई जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता आदि लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस : युवाओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता।
प्रतापपुर (चतरा)।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पूरा देश पूरे उत्साह के साथ तैयारी में लगा हुआ है। इसे लेकर घर-घर तिरंगा लगाया जा रहा है और लोग तिरंगे के साथ सेल्फी फोटो भी लेते देखे जा रहे हैं। चारों तरफ देशभक्ति का माहौल व्याप्त हो चुका है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी निजी संस्थानों पर झंडोत्तोलन किया जाना है। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पूर्व 14 अगस्त को प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय में युवाओं ने हाथ में तिरंगा लेकर प्रखंड के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। तिरंगा यात्रा में शामिल युवा मोटरसाइकिल पर सवार थे और हाथ में तिरंगा लिए भारत माता की जय, भारत माता की जय घोष के साथ काफी उत्साहित और आह्लादित थे। डीजे की धुन पर हर करम अपना करेंगे ए वतन तेरे लिए दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए, देशभक्ति धुन पर काफी युवा उत्साहित नजर आ रहे थे। वहीं दुकानों में तिरंगा झंडा, तिरंगा स्टीकर, तिरंगा रबर उपलब्ध है, जिसे लोग खरीद रहे हैं अपने गाड़ियों में लगा रहे हैं।

संक्षिप्त

लोहरसी में फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माल्हन पंचायत के लोहरसी गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दो दिवसीय मुखिया फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन फीता काटकर स्थानीय मुखिया जतरु कुमार मुंडा के द्वारा किया गया। जतरु मुंडा ने फुटबॉल को किक मारक टूर्नामेंट का सुभारंभ किया। उक्त टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार का 15 अगस्त के अवसर पर किया जायेगा। फाइनल मुकाबला जितने वाली चार टीमो को जर्सी, कप, फुटबॉल, मेडल व प्रमाण पत्र आदि दिया जायेगा। मौके पर उप मुखिया पति राजकुमार उंराव, रामचंद्र भगत, आजाद आलम, मिमशाद आलम, शुशील भगतज, राजु भगत, शिबू उंराव, कालेश्वर गंझू, माधव मुंडा,अरविंद गंझू, मुबारक अंसारी, फागुन गंझू समेत सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस पर किये जायेंगे कई कार्यक्रम

महुआडांड़। प्रखंड में स्वतंत्रता दिवस पर आवासीय विद्यालय खेल स्टेडियम में कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही कई वर्षों के बाद फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन कमेटी के सदस्यों ने बताया कि प्रखंड परिसर में झांकी और परेड आयोजित की जाएगी। गर्ल्स फुटबॉल मैच संत जोसेफ प्लस टू विद्यालय और संत तेरेसा गर्ल्स स्कूल और मेंस फुटबॉल मैच संत जोसेफ प्लस टू विद्यालय और माइटी टीम के बीच खेला जाएगा। साथ ही सम्मान समारोह का भी आयोजन होगा जिसमें सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान भी दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामचंद्र सिंह शामिल होंगे।

मतदाता पुनरीक्षण को ले लगा प्रशिक्षण शिविर

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीडीओ संजीत कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित बीएलओ को घर घर जा कर मतदाताओं का सही नाम, मृत मतदाताओं का सर्वे करने दो दिनों के अंदर करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने फार्म 6, 7 व 8 भरने पर बीएलओ को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बीएलओ एप की भी जानाकरी दी गई। प्रशिक्षण में पंचायती राज पदाधिकारी दिगम्बर पांडेय, बीएलओ सुनैना देवी, उषा देवी सहित कई बीएलओ उपस्थित थे।

सीओ ने ट्रैक्टर किया जब्त, पुलिस के पहुंचने से पहले ले भागा चालक

मयूरहंड(चतरा)। जिले के मयूरहंड बीडीओ सह प्रभारी सीओ साकेत कुमार सिन्हा ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान मंझगावां में अवैध बालू लदे ट्रेक्टर को जब्त कर थाना को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक चालक ट्रैक्टर लेकर भागने में कामयाब रहा। पुलिस को ट्रैक्टर नहीं मिलने पर खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। जानकारी अनुसार जब्त किया गया वाहन मंझागावा रोड में बालू सप्लाई कर रहा था। ट्रैक्टर मालिक पदमा थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव का बताया जा रहा है और संवेदक दिनेश मेहता का रिश्तेदार है। इस विषय में बीडीओ सह प्रभारी सीओ ने बताया कि ट्रैक्टर जब्त कर विद्यालय परिसर में खड़ा करवाकर मुखिया मंजित सिंह के साथ चौक पर आए तबतक वाहन लेकर फरार हो गया। संवेदक से पूछताछ कर ट्रेक्टर वाहन मालिक की पहचान की जा रही है। जल्द ही पहचान होने पर कार्रवाई की जाएगी।

बरवाडीह : भाकपा माले ने निकाला आजादी मार्च

जिला सचिव कॉमरेड बिरजू राम ने कहा, भाजपा नीत सरकार में गरीब त्रस्त, अंबानी-अदानी मस्त

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

प्रखंड भाकपा माले प्रखंड इकाई ने सोमवार को आजादी मार्च निकाला। यह प्रखंड मुख्यालय स्थित शहीद भगत सिंह चौक निकल कर नगर भ्रमण करते हुए अंबेडकर चौक पहुंच कर समाप्त हुआ, जिसका नेतृत्व प्रखंड सचिव कॉमरेड कमलेश सिंह और कृष्णा सिंह ने किया। जुलूस में शामिल लोग मोदी हटाओ देश बचाओ, भाजपा हटाओ जल जंगल जमीन बचाओ, भाकपा जिंदाबाद, आइसा जिंदाबाद, आर वाई ए जिंदाबाद, मणिपुर को जलाना बंद करो, आदिवासियों पर हमला नहीं चलेगा, शिक्षा को बाजारीकरण करना बंद करो, मोदी जी मुद्दा मत भटकाओ, रोजगार कहा है ये बताओ आदि नारे भी लगा रहे थे।

जुलूस के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव कॉमरेड बिरजू राम ने कहा कि आज भाजपा की मोदी नेतृत्व वाली सरकार पूरी देश को नफरत की आग में झोंक दी है। आए दिन लगातार भाजपा नेताओं द्वारा धार्मिक उन्मादी बयानबाजी की जा रही है। भाजपा सरकार में गरीब त्रस्त और कॉरपोरेट राज कर रहे है। आरएसएस ने अपने मुख्यालय पर 25 वर्ष झंडा नहीं फहराया। आज अचानक से मूलभूत मुद्दों को भटकाने के लिए संघ शासित सरकार को देश के प्रति भक्ति उमड़ रही है। सरकार जान बूझ कर मुद्दा भटका रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत सरकार मेंअसली आजादी के मायने को भुलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश वीर सपूत स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह, निलांबर पीतांबर, बिरसा मुंडा, चंद्रशेखर आजाद, सिद्धों कान्हो के सपनों के भारत बदलकर अंग्रेजों के दलाल सावरकर, गोडसे का भारत बनाने का प्रयास है। आज आम जन के खिलाफ मोदी अपने मित्र अंबानी और अडानी के लिए कानून बना रहे हैं। धर्म के नाम पर एक दूसरे को लड़ाया जा रहा है, जिसका ताजा उदाहरण आप मणिपुर से ले सकते हैं। वहीं आइसा के पूर्व केंद्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि तिरंगा झंडा हर भारतीय के दिल में बसता है। मोदी असली मुद्दा को भटकाने के लिए घर घर झंडा अभियान चला रहे हैं। आज के दौर में घर घर रोजगार की जरूरत है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की जरूरत है। छात्रों को बेहतर शिक्षा को जरूरत है। युवाओं को सम्मानजनक रोजगार की जरूरत है। कार्यक्रम को अन्य कई वक्ताओं ने संबोधित किया। मौके भाकपा माले प्रखंड सचिव कमलेश सिंह, कृष्ण सिंह, मंजू देवी, लुरुक सिंह, सुदामा राम, डॉ रमेश कुमार, जितनी देवी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

श्री बंशीधर नगर में भाकपा माले ने निकाला आजादी मार्च

श्री बंशीधर नगर। भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने सोमवार को धुरकी मोड़ से हनुमान मोड़ तक आजादी बचाओ, देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ नारे के साथ मार्च निकाला तथा सभा की। सभा में किशोर कुमार, कामेश्वर विश्वकर्मा, लालमुनि गुप्ता, जितेंद्र तुरिया, राजेंद्र विश्वकर्मा, वरुण बिहारी सहित अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये। रैली में पपु अंसारी, त्रिभुवन सिंह, सोमारू सिंह, सुरेश सिंह, कामेश्वर सिंह, राजू विश्वकर्मा, लालती देवी,सबिता देवी, अंशु देवी, गंगिया देवी, घुरिया देवी, कोदू राम, विमला कुंवर, देवंती देवी आदि उपस्थित थे।

गड़बड़झाला | घटिया कार्य देख मुखिया ने कार्य पर लगायी रोक

सड़क निर्माण में बरती जा रही अनियमितता

नवीन मेल संवाददाता।
मयूरहंड(चतरा)

प्रखंड क्षेत्र के मंझगावा चौक से गरवा सिमाने तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क पक्कीकरण कार्य ग्रामीण विकास पथ प्रमंडल चतरा द्वारा करवाई जा रहा है। इस कार्य में शुरू से ही संवेदक दिनेश मेहता द्वारा घोर अनियमितताएं बरती जा रही है। इसका विरोध मंझगावा के ग्रामीण करते आ रहे हैं और शिकायत संबंधित विभाग के अलावा प्रखंड से लेकर जिला के वरीय अधिकारी से करते आ रहे हैं। ग्रामीणों की शिकायत पर विभागीय एसडीओ व अभियंता दर्जनों मर्तबा स्थल निरीक्षण कर शिकायत को सही पाया और सुधार भी करवाया, परंतु संवेदक की कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं हो पाया। पक्कीकरण सड़क में सोमवार को पीसीसी ढलाई कार्य की जा रही थी, जिसमें संवेदक के मुंशी व क्रमियों द्वारा सीमेंट, बालू, छर्री मिक्सिंग में घोर अनियमितता बरती जा रही है। इसे देख ग्रामीणों ने विरोध जताया। मुखिया मंजित सिंह से शिकायत कर गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य की मांग की। मुखिया ने ग्रामीणों के साथ निर्माण कार्य स्थल पर पहुंच आरोप को सत्य पाया। घटिया निर्माण कार्य देख मुखिया ने तत्काल कार्य पर रोक लगायी और विभाग के पदाधिकारीयों को सूचित कर गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांग की। मुखिया मंजित सिंह ने बताया कि एक संवेदक व विभाग को जितना सहयोग चाहिए सब संवेदक को दिया गया। बावजूद प्रारंभ से संवेदक द्वारा दबंगता पूर्वक कार्य संपन्न करने की मानसिकता दिखायी जा रही है।

बालू लदे दो ट्रैक्टरों को किया गया जब्त

भवनाथपुर। खनन पदाधिकारी नंद देव बैठा व भवनाथपुर पुलिस के संयुक्त अभियान में सिंघिताली पथ के यात्री शेड के समीप रविवार रात्रि दो बालू ट्रैक्टर व चालक को पुलिस ने जब्त करते हुए खनन पदाधिकारी के द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर दोनों चालकों को गढवा न्यायालय में पेश किया गया। अवैध रूप से केतार से बालू ढोने के आरोपियों में चालक निरंजन कुमार पिता अरुण बियार, चालक रंजन प्रजापति पिता रामनाथ प्रजापति दोनों ग्राम केतार मुकुंदपुर निवासी शामिल हैं। अभियान में थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय, एसआई वीएस रॉय, पुलिस बल शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोहरदगा जिलेवासियो को ग्रामीण कार्य विभाग, लोहरदगा हार्दिक हार्दिक बधाई देता है।

बिजय कुमार दास

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, लोहरदगा।

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा सभी अधिकारी व कर्मचारी समेत समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की पावन बेला पर हार्दिक बधाई देता है। आईए लोहरदगा के समग्र विकास में भागीदारी निभाएं।

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल लोहरदगा।

---

77 वें स्वाधीनता दिवस के पावन बेला पर समस्त लोहरदगा वासियो को ढ़ेर सारी मंगलकामनाएं।

आईए लोहरदगा के नवनिर्माण में अपनी भागीदारी सुनिष्चित करें

एक शुभचिंतक

लोहरदगा।

अंजुमन इस्लामियां लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी जबारुल अंसारी

नाजिब ए आला
अंजुमन इस्लामियां, लोहरदगा।

MADHUR MEDICARE HOSPITAL
TRAUMA CENTRE AND MULTISPECIALITY HOSPITAL
पतराटोली मिशन मिडिल स्कूल के समीप, लोहरदगा।

डॉ. विवेक मधुर
MBBS(BHU) Varanasi
MS Ortho (BHU) Varanasi
Ex Resident AIIMS, New Delhi
Ex Senior Resident, RIMS Ranchi
हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ

डॉ नेहा मधुर
MBBS (AKU) Patna
MS Gen Surgery
(AKU) Patna
सर्जन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

सुहैल अहमद

युवा प्रखण्ड अध्यक्ष कांग्रेस महुआडांड़।

मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर बरवाटोली, लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई।

आईये जिले के विकास में अपना योगदान दे राज्य, देश व समाज को अग्रसर बनाये

रमेश कुमार साहू

अध्यक्ष, मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर
बरवाटोली, लोहरदगा।

आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे समस्त लोहरदगा के नागरिकों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक हार्दिक बधाई।

स्वाधीनता दिवस पर पेड़ पौधे लगाएं और पर्यावरण को करें संरक्षित

विजय कुमार

सिटी मैनेजर, नगर परिषद लोहरदगा।

मनोकामना शिव मंदिर सदर प्रखंड की ओर से समस्त शिवभक्तो को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई।

मनोकामना शिव मंदिर
सदर प्रखंड, लोहरदगा।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

नित निखील सुरीन

एस डी ओ महुआडांड़।

---

77 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी लोहरदगा वासियो को पुलिस परिवार की ओर से हार्दिक बधाई

आईये भयमुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें

शशि शेखर

थाना प्रभारी, जोबांग थाना, लोहरदगा।

वन प्रमंडल लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

पेड़ पौधे हमारे जीवन का है अंग
इनकी रक्षा से होगी हमारे जीवन की रक्षा
पर्यावरण को हरा भरा रखना है हमारा दायित्व
अधिक से अधिक पेड लगाएं जंगल बचाएं।

अरुण कुमार

वन क्षेत्र पदाधिकारी
लोहरदगा एवं बनारी।

स्वतंत्रता दिवस के पावन पुनित बेला पर किस्को प्रखंड वासियों एवं लोहरदगा जिलेवासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई

पोलीकार्प टोप्पो

थाना प्रभारी किस्को थाना
लोहरदगा।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

मज़हर खान

युवा कांग्रेस कमेटी लातेहार महासचिव सह सेक्रेटरी महुआडांड़।

---

77 वें स्वाधीनता दिवस मना रहे समस्त जिलेवासियों और झारखंड वासियो को हार्दिक बधाई

कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ

नेसार अहमद

प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस, सह सदस्य लोहरदगा
जिला बीस सूत्री समिति, लोहरदगा।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समस्त लोहरदगा जिलेवासियो को हार्दिक बधाई।

श्याम बिहारी यादव

कनीय अभियंता
सर्व शिक्षा अभियान, कुडू, लोहरदगा।

शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर

लोहरदगा।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

अमीत खलखो

प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महुआडांड़।

भूमि संरक्षण विभाग, लोहरदगा की ओर से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी लोहरदगा वासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई

भूमि संरक्षण विभाग, लोहरदगा की ओर से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी लोहरदगा वासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई

संजय कुमार राम

भूमि संरक्षण पदाधिकारी
लोहरदगा।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी लोहरदगा वासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई

आईए शिक्षित समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

रामजीवन नायक

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी
लोहरदगा।

राजकीय बालिका मध्य विद्यालय की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई।

विजय कुमार

प्रधानाध्यापक
राजकीय बालिका मध्य विद्यालय, लोहरदगा।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

रतन टुडु

पुअनी थाना प्रभारी महुआडांड़।

---

77 वें स्वाधीनता दिवस के पावन पुनित बेला में समस्त लोहरदगा वासियो, मित्रो, शुभेच्छुओं को हार्दिक हार्दिक बधाई।

राष्ट्रहित में व्यापार व व्यापार हित में फेडरेषन वाणिज्य व्यापार को करें प्रोत्साहित, अर्थव्यवस्था को बनाएं मजबूत

राजेश कुमार महतो

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष
फेडरेषन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कामर्स, दक्षिणी छोटानागपुर, लोहरदगा।

झारखंड राज्य दफादार पंचायत शाखा लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियो को 77वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

शमशुल अंसारी

प्रदेश संयुक्त सचिव, झारखंड राज्य दफादार
चैकीदार पंचायत, लोहरदगा, झारखंड।

भारतीय जनता युवा मोर्चा, झारखंड प्रदेश की ओर से समस्त जिलेवासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक हार्दिक बधाई।

जुड़ेगा युवा - बदलेगा भारत

BJYM

अजातशत्रु

प्रदेश मंत्री
भारतीय जनता युवा मोर्चा लोहरदगा।

महुआडांड़ एवं लातेहार जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं।

रानु खान

समाज सेवी सह कांग्रेस नेता महुआडांड़।

Registration No. 2035600307
SUNRISE HOSPITAL
Mathura Das Lane Opp. Menka Hall, Lohardaga
Mob. 7061119525

- बेवी इन्क्यूवेटर एवं फोटो थेरेपी की व्यवस्था।
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सुविधा उपलब्ध
- 24 घंटा इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
- नार्मल डिलीवरी व ऑपरेशन सुविधा
- ऑपरेशन थियेटर की सुविधा उपलब्ध।
- नवजात शिशु को एनआईसीयू (शीशा) में रखना बिल्कुल फ्री
- आधुनिक मशीन से लकवा, बवासीर व सभी प्रकार की पुरानी दर्द का इलाज
- टुटी हुई हड्डी का प्लेटिंग एवं रॅड लगाने की व्यवस्था।
- 24 घंटे एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध
- ECG की विशेष व्यवस्था।

गुमला एवं लोहरदगा जिले के सभी डाक कर्मियों व नागरिको को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राधेश्याम प्रजापति

अध्यक्ष, ग्रामीण डाक सेवक संघ
गुमला प्रमंडल, गुमला, लोहरदगा।

फिर 15 अगस्त...

हर वर्ष की तरह 15 अगस्त हमारे दरवाजे पर आकर कुछ पूछता है। सवाल सीधा है कि आजादी का मतलब क्या है? देश को आजाद हुए आज इतने वर्षों के बाद भी कई प्रकार की परेशानियां हमारे आस-पास मौजूद हैं। सरकार के द्वारा किये गये कार्यों और आजादी के दीवानों को देश याद करता है। यह अच्छी बात है। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए की आज भी कई विसंगतियां हमारे आंगन में सूर्य की किरणों को रोके हुए है। बस आजादी के इस दिन को नये संकल्प से उसे दूर करने के बारे में सोचा जाना चाहिए। कारण वर्तमान भारत के सामने विश्व गुरू बनने में कई रोड़े खड़े हैं। बहरहाल इस बार नई दिल्ली में लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश भर से विशेष लोगों के साथ कुछ आमलोगों को भी बुलाया गया है। 1800 लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले समारोह के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। जिन्हें आमंत्रित किया गया है वे प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण समारोह के साक्षी बनेंगे और राष्ट्र के नाम उनके संबोधन को सुनेंगे। इनमें वाइब्रेंट गांवों के सरपंच, शिक्षक, नर्स, किसान, मछुआरे, सेंट्रल विस्टा परियोजना, अमृत सरोवर, हर-घर जल और अन्य जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में काम करने वाले लोग शामिल हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने झारखंड से पांच किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों को उनके जीवनसाथी के साथ 15 अगस्त को होने वाले ऐतिहासिक झंडोतोलन समारोह का साक्षी बनने के लिए नई दिल्ली पहुंच गये हैं। विभिन्न वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे लोगों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित करना सरकार की जन भागीदारी के दृष्टिकोण को दिखाता है। किसान उत्पादक संगठनों के लगभग 511 प्रतिनिधियों में से झारखंड के पांच लोगों को नई दिल्ली पहुंच गये हैं। झारखंड के कांके प्रखंड के जयपुर पंचायत के किसान राजेन्द्र महतो पत्नी के साथ नई दिल्ली जाने के लिए काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि ऐसे तो वे दिल्ली कई बार गए हैं, लेकिन पत्नी के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर जाना काफी सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को करीब से सुनने का मौका मिलेगा, इससे खुशी की बात और क्या हो सकती है। मुझ जैसा साधारण व्यक्ति भी इस विशेष खातिरदारी का हकदार बना इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से धन्यवाद करता हूं। वहीं, दूसरे किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधि लापुंग ग्राम निवासी अजय साहू भी विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में शामिल हैं। उनसे जब दिल्ली जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि बारिश में अभी खेत तैयार कर रहा हूं और दिल्ली जाने को लेकर काफी उत्साहित हूं। बहुत पहले एक बार दिल्ली गया था। देहात का आदमी दिल्ली से बड़े शहर में जायेगा तो काफी कुछ सीखने को मिलेगा। लाल किला आज तक नहीं देखा है। मेरे लिए काफी गर्व की बात है कि पहली बार इसे देखूंगा भी और प्रधानमंत्री को सामने से सुनने का भी मौका मिलेगा। यह बदलाव बताता है कि देश का मिजाज बदल रहा है। आमलोगों का दिल्ली जाकर 15 अगस्त मनाना यह दर्शाता है कि सरकार आमलोगों के प्रति संजीदा है।

आजादी के इस दिन को नये संकल्प से उसे दूर करने के बारे में सोचा जाना चाहिए। कारण वर्तमान भारत के सामने विश्व गुरू बनने में कई रोड़े खड़े हैं। बहरहाल इस बार नई दिल्ली में लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश भर से विशेष लोगों के साथ कुछ आमलोगों को भी बुलाया गया है।

भारतीय आजादी के सवालों में अब हो नया सवेरा

ललित गर्ग

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर होते हुए एक बड़ा एवं बुनियादी प्रश्न खड़ा है कि क्या हम वास्तविक रूप में आजाद है? सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या हम आजादी के सही मायने जानते हैं? क्या हम आजादी का सही अर्थ समझ पाये हैं? ये तमाम प्रश्न न केवल हमारी आजादी पर प्रश्न चिह्न लगाते हैं, बल्कि समाज के बौद्धिक वर्ग व आम जनता को आजादी के सही मायने खोजने के लिए भी प्रेरित करते हैं। क्या हमारे पास ईमानदार एवं नैतिक होने की कोई आजादी बची है? क्या हम वास्तविक गरीबी की दबी हुई आवाजों के बीच जीवित रह सकते हैं? राजशाही के नाम पर और लोकतंत्र के नाम पर जिन्होंने हम पर शासन किया, उनके झूठ और धोखे से हमें क्या आजादी मिली? क्या हमारे राजनेता आम आदमी की तरह बारिश और भूकंप में भी नंगे पैर चलकर ऊंचे दफ्तरों तक जाते हैं? क्या उनका घर सड़क पर चलने वाले आम आदमी जितना छोटा है? इन स्थितियों के बीच आजादी की बात भ्रमपूर्ण ही प्रतीत होती है। देश में बढ़ता भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण तथा गरीबी के कारण आजादी शब्द के मायने खत्म होते जा रहे हैं। जिस देश की जनता अपने लिए भर पेट भोजन जुटाने के काबिल भी नहीं वहां आजादी की बातें भी बंधन में जकड़ती महसूस होती हैं। इन अभावों के साथ कैसे कहें कि हम आजाद हैं। आज हम कहीं नक्सलवाद से लड़ रहे हैं तो कहीं आतंकवाद से, कहीं जातिवाद से तो कहीं भ्रष्टाचार से, और तो और हमारे देश की अधिकतर महिलाएं तो सिर्फ अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही हैं। आज भी उन्हें इंतजार है उस आजादी का, जो एक औरत को उसकी सही पहचान दिलाने में मदद करे, देश की आधी आबादी को इंतजार है उस आजादी का, जो उनकी प्रतिभा को पनपने के पूर्ण अवसर दें। देश की बहन-बेटियों को इंतजार है उस आजादी का, जहां वे बेखौफ रहकर अपने सम्मान की रक्षा कर पाएं। हमारे यहां उन्हें समानता का अधिकार देना तो दूर एक आम नागरिक होने तक का सम्मान प्राप्त नहीं है। इसलिए बार-बार उनके अस्तित्व व आत्मसम्मान को कुचला जाता है। आजादी एक सार्वभौमिक एवं सर्वकालीन मूल्य है, इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये निरन्तर समग्र क्रांति की अपेक्षा रहती है। जब तक व्यक्ति-व्यक्ति के संस्कारों एवं जीवनशैली में जमी दासता, हीनता, अनुशासनहीनता, उच्छृंखलता, जड़ता की परतें नहीं उतर जाती, तब तक वास्तविक आजादी का स्वाद चखना मुश्किल है। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि व्यक्ति के मनोभावों से समाज एवं राष्ट्र प्रभावित होता होता है। आजादी एक प्रकार की मनःस्थिति है, जो विचारों के केनवास पर आकार पाती है। आजादी का मूल्य देश, काल, व्यक्ति और परिस्थिति के सन्दर्भ में परिवर्तित होता रहा है। उसका कोई एक स्वरूप या धारणा नहीं है। इसलिये उन-उन सन्दर्भों में उसका सापेक्ष मूल्य करते हुए इसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि आजादी के नाम पर भी स्वच्छन्दता एवं उच्छृंखलता को प्रोत्साहन मिलता है। इसलिये सही अर्थ में आजाद या स्वतंत्र वही हो सकता है जिस पर अपना शासन हो। निज पर शासन फिर अनुशासन- यही वास्तविक आजाद होने का मर्म है। आत्मानुशासित व्यक्ति अपने परिवार, संगठन, समाज और राष्ट्र की उन सभी सीमाओं को स्वीकार करता है, जिनमें उसका व्यक्तित्व विकास होता है, समाज एवं राष्ट्र का वास्तविक विकास होता है। आज समाज का सारा नक्शा बदल रहा है। परस्पर समभाव या सद्भाव केवल अब शिक्षा देने तक रह गया है। हो सकता है भीतर ही भीतर कुछ घटित हो रहा है। ये हालात जो सामने आ रहे हैं, वे आजादी के पहले से ही अन्दर ही अन्दर पनप रहे थे। राष्ट्र जिन डाटों के सहारे सुरक्षित था, लगता है उनको हमारे नेताओं की वोट नीति, कट्टरवादियों की उन्मादी सोच व अवांछनीय तत्वों ने खोल दिया है। संविधान निर्माताओं ने धर्मनिरपेक्ष का शब्दार्थ कुछ भी किया हो, सकारात्मक या नकारात्मक, पर अगर देश को एक बनाये रखना है, साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखना है, तो सभी धर्मावलम्बियों को दूसरे धर्म के प्रति आदर भाव रखना होगा। अन्यथा स्वयं को बहुसंख्यक बनाने की होड के बहाने चेहरे बदलते रहेंगे, झण्डे बदलते रहेंगे, नारे बदलते रहेंगे, परिभाषाएं बदलती रहेंगी, मन नहीं बदल सकेंगे। भ्रष्टाचार देश में अगर बढ़ रहा है, तो किसकी जिम्मेदारी बनती है? भ्रष्टाचार को कौन खत्म करेगा? आजादी के 75वें साल में इस सवाल का उठना अपने आप में गंभीर बात है। आजादी के स्वप्न में भ्रष्टाचार से मुक्ति भी शामिल थी। किसी के पास रहने को जगह नहीं और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। निस्संदेह, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ हमें मिलकर कदम उठाने पड़ेंगे। भारतीय जनता को सदैव ही किसी न किसी स्रोत से ऐसे संदेश मिलते रहे हैं। कभी हिमालय की चोटियों से, कभी गंगा के तटों से और कभी सागर की लहरों से। कभी ताज, कुतुब और अजन्ता से, तो कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध और महावीर से। कभी गुरु नानक, कबीर, रहीम और गांधी से और कभी कुरान, गीता, रामायण, भागवत और गुरुग्रंथों से। यहां तक कि हमारे पर्व होली, दीपावली भी संदेश देते रहते हैं। निश्चित ही इन संदेशों से भारतीय जन-मानस की आजादी सम्भलती रही, सजती रही और कसौटी पर आती रही तथा बचती रही। कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। वास्तविक आजादी को हासिल करने के लिये हमें कुछ संकल्प लेने होंगे, जिनमें पहला संकल्प है, विकसित देश बनना। दूसरा संकल्प, देश के किसी कोने में गुलामी का अंश न रह जाय। हमें औरों के जैसा दिखने की कोशिश करने की जरूरत नहीं है। हम जैसे भी हैं, वैसे ही सामर्थ्य के साथ खड़े हो। तीसरा संकल्प, हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। चौथा संकल्प, देश में एकता और एकजुटता रहे। पांचवां संकल्प, नागरिकों का कर्तव्य। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली-पानी देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली-पानी खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को वास्तविक आजादी का स्वाद चखने से कोई नहीं रोक सकेगा। आजादी प्राप्ति के बाद जीवन धारा को जो रास्ता लेना था, वह नहीं मिला। हम आजादी का सदुपयोग नहीं कर सके। मनुष्य-मनुष्य में जब तक प्रेम और सहयोग का अटल नियम नहीं माना जायेगा तब तक उभयपक्षी की स्वतंत्रता नहीं रह सकती।

देश की बहन-बेटियों को इंतजार है उस आजादी का, जहां वे बेखौफ रहकर अपने सम्मान की रक्षा कर पाएं। हमारे यहां उन्हें समानता का अधिकार देना तो दूर एक आम नागरिक होने तक का सम्मान प्राप्त नहीं है।

इन दिनों

बोधि वृक्ष

आइये सुने कथा चंद्रगुप्त मौर्य की

उसकी शासन व्यवस्था, चरित्रहीनता और घमंड से उसके स्वयं के परिजन, राजमहल के निवासी तक बड़े त्रस्त थे। इसलिए थोड़ी सूझबूझ से काम लिया जाये तो मगध को आसानी से जीता जा सकता है। चाणक्य ने सैन्य बल की अपेक्षा बुद्धि बल से काम लिया और नंद के कई अधिकारियों को अपने पक्ष में कर लिया। अंदर से इतना सशक्त विरोध नहीं होगा यह जानकर चंद्रगुप्त अपनी सेनायें लेकर मगध पर टूट पड़ा। यद्यपि नंद के कई अधिकारियों ने चंद्रगुप्त की मदद की फिर भी मगध को जीतने में दो वर्ष का समय लगा। 321 ई.पू. चंद्रगुप्त ने अपनी सेनाओं सहित मगध की राजधानी पाटलिपुत्र में प्रवेश किया। नंद का शासन समाप्त हो गया था। राज्य सिंहासन पर चंद्रगुप्त को राजतिलक किया गया। इतनी बड़ी सफलता प्राप्त कर लेने के बाद भी चंद्रगुप्त में घमंड बिल्कुल ही नहीं आया। कहते हैं उसने अपने पालक-बचपन के अहीर पिता को ढुंढ़वाया और उसे पर्याप्त धन-दौलत दी ताकि वह सुख-चैन से जीवन बिता सके। कई अवसरों पर चाणक्य ने भी उसे फटकारा परंतु चंद्रगुप्त तो अभी सम्राट कम और शिष्य अधिक था। सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य बन जाने के बाद उन्होंने अपने अभियान का अगला चरण पूरा करने के लिए कदम उठाया। पंजाब, मगध और व्यास नदी के तटवर्ती प्रदेश तो अधिकार में आ ही गये थे अब मध्य भारत, दक्षिणी प्रांत और पूर्वी भारत को एक सूत्र में आबद्ध किया और भारत की नींव रखी। उस समय रचे गए ऐतिहासिक ग्रंथों में चंद्रगुप्त मौर्य का उल्लेख संपूर्ण जंबूद्वीप के सम्राट रूप में किया गया है। हिमालय से सागर तक और सिंधु से ब्रह्मपुत्र तक एक राष्ट्र भारत और उसका निमार्ता था–एक अनाथ, मातृ-पितृ हीन बालक।

(क्रमशः)

सपने सच होने बाकी हैं रावी की शपथ अधूरी है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का विभाजन हुआ यह सभी ने देखा। कहा जाता है कि नियति ही उस दिन की ऐसी थी, पहले से सब कुछ तय था । पटकथा लिखी जा चुकी थी, परिवर्तन की संभावना शून्य थी। लेकिन इतिहास तो ऐसे कई उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब पूर्ण वेग विपरीत दिशा में था उसके बाद भी परिवर्तन संभव हो सके, जो कहीं वर्तमान में दिखाई नहीं देते थे। भारत विभाजन का एक सच यह भी है, यदि उस समय देश का अहिंसक आन्दोलन जिसमें कि सबसे अधिक जनसंख्या में लोगों का विश्वास रहा, उसका नेतृत्व कर रहे महात्मा गांधी अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की तरह निर्णय लेने की दृढ़ प्रतिज्ञा कर लेते तो देश का परिदृश्य ही कुछ ओर होता, क्योंकि यह स्वभाविक है कि जैसा नेतृत्व होता है, संगठन, सत्ता, शासन की धारा उसी अनुसार बही चली जाती है। दुनिया जानती है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंग्रेजों का भारत छोड़कर जाना अपरिहार्य हो गया था, किंतु भारत विभाजन बिल्कुल अपरिहार्य नहीं था। कराची में प्रवेश करते समय जिन्ना ने अपने ए.डी.सी. से इस बारे में कहा भी था, 'मैंने कल्पना तक नहीं की थी कि ऐसा होगा। मुझे आशा नहीं थी कि जीते जी पाकिस्तान देख सकूंगा'। वस्तुतः स्वाधीनता के पहले की स्थितियों को देखें तो इस्लाम का जहाजी बेड़ा सात समुद्रों को तो बेरोकटोक पार कर गया और अजेय रहा, पर जब वह हिन्दुस्तान पहुंचा तो गंगा के पानी में डूब गया था, किंतु उसे बाहर निकालने का कार्य जितना अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल करके किया, उससे ज्यादा कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं के बयानों, उनके निर्णयों और कई बार अनिर्णय की स्थिति में बने रहने के कारण, यह जहाज गंगा में डूबने के बाद भी बाहर निकल आया। हिन्दू और मुस्लिम दो अलग संस्कृतियां हैं, ये कभी एक साथ नहीं रह सकतीं, इसलिए दो धर्म, दो देश, दो निशान के आधार पर देश का बंटवारा होकर रहेगा, यह कहना और इस सिद्धांत के सामने नतमस्तक हो जाना निश्चित ही तत्कालीन नेतृत्व की सबसे बड़ी भूल रही। लाहौर में हुए 1929-30 के कांग्रेस अधिवेशन में 31 दिसम्बर को रावी के तट पर जवाहरलाल नेहरू से अपनी अध्यक्षता में सभी कांग्रेस नेताओं के जरिये देशवासियों को पूर्ण स्वाधीनता की प्रतिज्ञा दिलाई थी। किंतु खेद का विषय है कि जिस रावी के तट पर यह प्रतिज्ञा ली गई, आजाद भारत में वह रावी नदी कहीं नहीं है। उस प्रतिज्ञा के कर्णधार महात्मा गांधी और पं. नेहरू यहां तक कि अन्य दिग्गज कांग्रेसी भी 14 अगस्त 1947 को ली गई अपनी ही पूर्व प्रतिज्ञा भूल गये। 1940 में जब मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान संबंधी प्रस्ताव स्वीकार्य किया था तो इस पर महात्मा गांधी ने हरिजन समाचार पत्र में कुछ इस तरह समय-समय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। दो राष्ट्रों का सिद्धांत बेतुका है जिन्हें ईश्वर ने एक बनाया है, उन्हें मनुष्य क्या कभी बांट सकेगा? इसी में अन्य एक जगह लिखा बंटवारे का अर्थ है सच्चाई से मुंह मोड़ना । मेरी समूची आत्मा इस विचार से विद्रोह कर रही है। मैं हर अहिंसात्मक उपाय से इसे रोकूंगा, क्योंकि इसका अर्थ है एक राष्ट्र के रूप में साथ-साथ रहने के लिए अनगिनत हिन्दू और मुसलमानों ने सदियों तक जो परिश्रम किया है, उस पर पानी फेर देना। महात्मा गांधी हरिजन में लिखते हैं कि भारत का दो भागों में बंटवारा तो अराजकता से भी भयंकर है। इस अंग-भंग को सहन नहीं किया जा सकता। भारत के टुकड़े करने से पहले मेरे टुकड़े कर डालो। कांग्रेस के एक अन्य लीडर डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 1945 में अपने कारावास के दौरान 'इण्डिया डिवाइडेड' नाम से पुस्तक लिखी थी। उन्होंने बड़े ही तार्किक ढंग से जिसमें भौगोलिक, आर्थिक, रक्षात्मक, सामाजिक, ऐतिहासिक सभी दृष्टिकोण एवं विश्लेषण समाहित थे के माध्यम से यह बताया था कि किस तरह पाकिस्तान की मांग अव्यवहारिक है।

कराची में प्रवेश करते समय जिन्ना ने अपने ए.डी.सी. से इस बारे में कहा भी था, 'मैंने कल्पना तक नहीं की थी कि ऐसा होगा। मुझे आशा नहीं थी कि जीते जी पाकिस्तान देख सकूंगा'।

बंटवारा

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

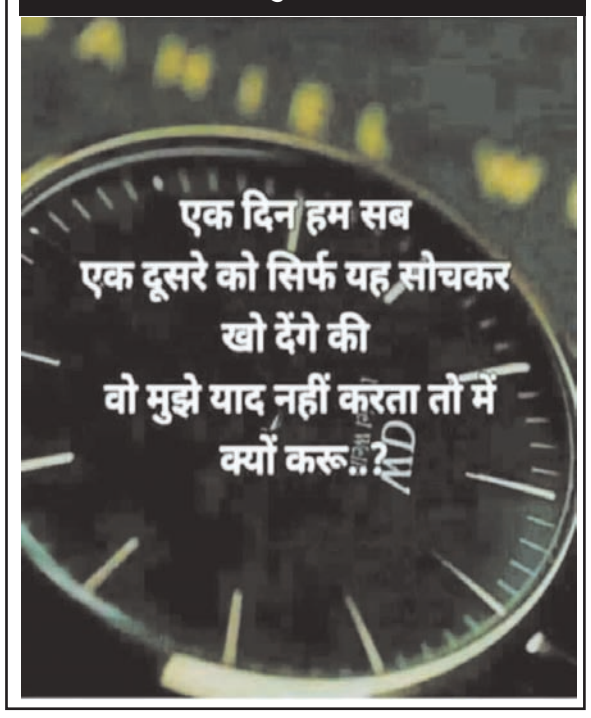

यह विभाजन तो नहीं था, एक हिस्सा पूरब एक पश्चिम

संजय तिवारी

अंग्रेज शासकों ने 'एक भारत' के पूरब और पश्चिम में एक-एक रेखा खींच दी। कह दिया कि एक महादेश दो अलग-अलग देशों में बांट रहे हैं। यानी एक हिस्सा पूरब, एक हिस्सा पश्चिम और बीच में हिंदुस्तान। पूरब और पश्चिम वाले को नाम दिया पाकिस्तान और कहा कि यह मुसलमान भाइयों के लिए है। बीच वाला हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन, ईसाई, यहूदी आदि के लिए छोड़ दिया। यह मोहम्मद अली जिन्ना को भी समझ में नहीं आया कि इतनी जल्दी यह कैसे मिल रहा है। उनकी खुद की सोच थी कि उनके जीते जी पाकिस्तान तो नहीं मिलने वाला। जिन्ना का सपना साकार हो गया और दोनों रेखाओं के भीतर एक-एक राष्ट्रपिता मिल गये। बंटवारे के बाद के पिता। पाकिस्तान के कायदे आजम और हिंदुस्तान के राष्ट्रपिता। यह कोई भी बुद्धिमान बड़ी गहराई से सोच सकता है कि एक महान और महादेश को बांटने के बाद कोई उसका पिता क्यों बन जाता है? कहीं दुनिया में और ऐसा हुआ तो नहीं है। बहरहाल दोनों अंग्रेजी रेखाओं के बीच से मुसलमान समुदाय के लोगों ने दौड़-दौड़ कर घोषित पाकिस्तानी भूमि पर पहले से रह रहे लोगों को खदेड़ना और उनका कत्लेआम शुरू किया और खुद काबिज होने लगे। एक ही दिन पहले तक एक समग्र रहा भू-भाग खंडित होकर लहू से लाल हो रहा था। पाकिस्तानी घोषित भूमि पर सदियों से रह रहे गैर मुसलमान समुदाय फसल की तरह काटा जाने लगा। बहू-बेटियां माल असबाब बनाकर लूटी जाने लगीं। रेलगाड़ियों में भर-भर कर लाशें बचे हुए भारत भूमि पर उतारी जाने लगीं। दोनों अंग्रेजी रेखाओं के पूरब और पश्चिम वाली भूमि पर कब्जे होने लगे। उस समय के सभी हालात लिखने लगें तो बहुत कुछ और भी लिखना पड़ेगा लेकिन आज यह कुछ लिखना इसलिए जरूरी है क्योंकि नई पीढ़ी को कुछ भी पता नहीं है। हम जिसे आजादी कह रहे थे वह केवल देश का विभाजन भर था। लड़ तो रहे थे अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के लिए लेकिन परिणाम मिला कि धरती बांट कर अंग्रेजों ने वह सब कर दिया जिसकी किसी भारतीय ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। चक्रवर्ती सम्राटों का भारत वर्ष तीन टुकड़ों में बांट कर कहा गया कि अब भारत स्वाधीन हो गया। यह कैसी स्वाधीनता थी और क्यों यहां वे लोग इस विभाजन को जश्ने आजादी बना कर कबूतर उड़ा रहे थे , यह अभी भी समझ से परे है। आप स्वयं सोचिए, पाकिस्तान नाम पा लेने के बाद भी इस भू-भाग पर अंग्रेज ही शासक रहे। कई प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बना कर समय गुजार देने वाले उस भू-भाग के लिए नौ वर्षों तक कोई संविधान ही नहीं बना। बड़ी मशक्कत से बचे हुए भारत से जाकर वहां का संविधान बनाने वाले योगेंद्र मंडल किसी तरह वहां से जान बचा कर फिर भारत भाग कर आ गये और बंगाल में कहीं रह कर किसी दिन गुमनामी में मर गये। लोगो के जानमाल की चिंता के साथ स्थानांतरण की कोई व्यवस्था बनी होती। लोगों की सुरक्षा, उनके खेती, कारोबार आदि पर चिंता हुई होती। दे दी हमें आजादी, बिना खड्ग बिना ढाल, यह गा-गा कर देश और पीढ़ियों को गुमराह किया जाता रहा। यह कभी बताया ही नहीं गया कि अंग्रेजों से आजादी मांगने वाली कथित राजनीतिक आंदोलनकारी अहिंसा वाली टीम ने 1931 के गोलमेज सम्मेलन के बाद कोई आंदोलन किया ही नहीं। 1942 का भारत छोड़ो, केवल नाम का था क्योंकि दुनिया विश्वयुद्ध लड़ रही थी और अंग्रेज शासक को भारतीय सैनिकों की आवश्यकता थी। नेताजी की आजाद हिंद फौज की शक्ति से व्याकुल और विश्वयुद्ध से दरिद्र हो चुकी ब्रिटिश राजशाही के सामने भारत के विशाल भू-भाग पर शासन करने की शक्ति नहीं रह गई थी। उनको नेहरू और जिन्ना में अपने भविष्य की तस्वीर दिख गई थी।

एक ही दिन पहले तक एक समग्र रहा भू-भाग खंडित होकर लहू से लाल हो रहा था। पाकिस्तानी घोषित भूमि पर सदियों से रह रहे गैर मुसलमान समुदाय फसल की तरह काटा जाने लगा।

अंग्रेजी शासक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट । - फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

थोक महंगाई दर जुलाई में मामूली गिरावट के साथ -1.36 फीसदी पर

एजेंसी। नई दिल्ली

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर जुलाई में मामूली घटकर -1.36 फीसदी पर पहुंच गई है। जून महीने में यह दर -4.12 फीसदी रही थी। हालांकि, यह लगातार चौथा महीना है, जब थोक महंगाई दर शून्य से नीचे रही है। पिछले साल जुलाई में थोक महंगाई दर 14.07 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई में थोक महंगाई दर में गिरावट मुख्य रूप से खनिज तेल, बुनियादी धातुओं, रसायन एवं रसायन उत्पादों, कपड़ा और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण आई है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में खाद्य पदार्थों की महंगाई 14.25 फीसदी रही, जो जून महीने में 1.32 फीसदी थी। हालांकि, ईंधन और बिजली खंड की महंगाई जुलाई में -12.79 फीसदी रही, जो जून महीने में -12.63 फीसदी थी। इसी तरह विनिर्मित उत्पादों की महंगाई जुलाई में -2.51 फीसदी रही, जो जून में -2.71 फीसदी थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते महंगाई को काबू में रखने के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा था। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मुद्रास्फीति को लेकर अभी काम खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य वस्तुओं, ऊर्जा के दाम में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव तथा मौसम संबंधित अनिश्चितताओं के कारण मुद्रास्फीति को लेकर जोखिम बना हुआ है।

'हम किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं हैं : सीईओ

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील अभी किसी अन्य नए टेक ओवर के लिए उत्सुक नहीं है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टीवी नरेंद्रन ने उस समय यह बयान दिया है जब वेदांता लिमिटेड अपने इस्पात और इस्पात बनाने वाले कच्चे माल के कारोबार की समीक्षा व मूल्यांकन कर रही है। वेदांता लिमिटेड ने जून में कहा था कि वह तुरंत समीक्षा शुरू करेगा और अपने कुछ या सभी इस्पात व्यवसायों की संभावित रणनीतिक बिक्री सहित विकल्पों की एक विस्तृत सीरीज का मूल्यांकन करेगी।

नरेंद्रन ने वेदांता लिमिटेड के इस्पात व्यवसाय को खरीदने में उनकी कंपनी की रुचि पर पूछे सवाल पर कहा, 'हम किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं हैं। हमें इसकी जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा कि टाटा स्टील की मौजूदा साइट पर अभी करने को बहुत कुछ है। उन्होंने टाटा स्टील के ब्रिटेन स्थित परिचालन के बारे में कहा, 'हम ब्रिटेन सरकार के साथ समाधान के लिए बातचीत कर रहे हैं।

मेक इन इंडिया' के पहल से दिखा लाभ

मोबाइल उत्पादन 2 अरब यूनिट को किया पार

एजेंसी। नई दिल्ली

मेक इन इंडिया' मोबाइल फोन शिपमेंट ने 2014-2022 के दौरान 2 बिलियन का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे 23 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) दर्ज की गई। सोमवार को लेटेस्ट रिसर्च में इसका खुलासा हुआ। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, डिजिटल लिटरेसी बढ़ाने वाली भारी इंटरनल डिमांड और सरकारी दबाव इस वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। जिसके चलते, भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक देश बन गया है। रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, 2022 में, समग्र बाजार में 98 प्रतिशत से ज्यादा शिपमेंट 'मेक इन इंडिया' थे, जबकि 2014 में वर्तमान सरकार के सत्ता संभालने के समय यह केवल 19 प्रतिशत था। उन्होंने बताया, ₹भारत में लोकल वेल्यू एडिशन वर्तमान में आठ साल पहले के निम्न एकल अंक की तुलना में औसतन 15 प्रतिशत से अधिक है। कई कंपनियां मोबाइल फोन के साथ-साथ कंपोनेंट्स के निर्माण के लिए देश में यूनिट्स स्थापित कर रही हैं, जिससे निवेश बढ़ रहा है। नौकरियां बढ़ रही हैं और समग्र इकोसिस्टम डेवलप हो रहा है।

वन प्रमंडल लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियो व मित्रों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

वन बचाएं, जल बचाएं, उर्जा बचाएं एवं Life style for Environment अपनाएं।

अरविन्द कुमार
वन प्रमण्डल पदाधिकारी

लोहरदगा वन प्रमण्डल

कमजोर बिकवाली के दबाव में टूटा शेयर बाजार

सेंसेक्स-निफ्टी दोनों लुढ़के

एजेंसी। नई दिल्ली

कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार भी सोमवार को गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। शेयर बाजार आज कमजोरी के साथ खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसमें तेज गिरावट आई। हालांकि शुरूआती आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारी का सहारा मिलने की वजह से शेयर बाजार की स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार करते रहे। पहले घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स कुछ देर के लिए 65 हजार अंक के स्तेर से नीचे चला गया। इसी तरह निफ्टी भी टूट कर 19,300 अंक से नीचे लुढ़क गया। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, एचयूएल, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सन फार्मास्यूटिकल और इंफोसिस के शेयर 0.76 प्रतिशत से लेकर 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अडाणी इंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल, आयशर मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 4.18 प्रतिशत से लेकर 2.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,951 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 555 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,396 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली का जोरदार दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक करीब 500 अंक टूट कर 64,821.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिससे सुबह 10 बजे तक इस सूचकांक में निचले स्तर से करीब 200 अंको की रिकवरी होती नजर आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 313.08 अंक की कमजोरी के साथ 65,009.57 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 44.35 अंक की गिरावट के साथ 19,383.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बने बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक भी करीब 170 अंक लुढ़क कर 19,257.90 अंक तक गिर गया।

मोदी की दोस्ती से पुतिन ने पलट दी बाजी

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से भी अधिक समय से जंग चल रही है। इस जंग के बीच रूस के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। इस फाइनेंशियल ईयर की दूसरी तिमाही में रूस की इकॉनमी 4.9 फीसदी बढ़ी है। एक साल में रूस की इकॉनमी में पहली बार तेजी देखने को मिली है। पिछली चार तिमाहियों में देश की इकॉनमी में गिरावट देखने को मिली थी। इस साल की पहली तिमाही में देश की जीडीपी में 1.9 परसेंट की गिरावट आई थी। पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में देश की जीडीपी में 4.5 परसेंट की गिरावट आई थी। पिछले साल फरवरी में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था तो पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। इससे देश की जीडीपी में भारी गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन दूसरी तिमाही में रूस की इकॉनमी में आई तेजी इस बात का प्रतीक है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का असर खत्म हो रहा है।

माना जा रहा है कि अगले साल तक रूस की इकॉनमी प्री-वॉर लेवल तक पहुंच सकती है। रूस ने पिछले साल फरवरी में जब यूक्रेन पर हमला किया था तो पश्चिमी देशों ने उस पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थी। तब कई पश्चिमी देशों ने कहा था कि इससे रूस की इकॉनमी बर्बाद हो जाएगी।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

छोटू टेन्ट लाईट एवं साउण्ड

हमारे यहाँ शादी पार्टी एवं किसी भी प्रोग्राम के लिए पण्डाल, साउन्ड एवं लाईट के लिए संपर्क करें। कृप्या परदा में हाथ ना पोछे

गाराडीह, नगजुआ, मो० : 6201053479, 6200987270

स्वास्थ्य विभाग, लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियो को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ राजमोहन खलखो
सिविल सर्जन,
लोहरदगा।

जिला परिवहन कार्यालय लोहरदगा समस्त जिलेवासियो को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देता है।

सुरक्षा नियमों का करो सम्मान
ना होगी दुर्घटनाए ना होंगे आप परेशान।
यातायात के नियमों में बरतो सख्ती
गाड़ी चलाते समय ना करो मस्ती

जिला परिवहन पदाधिकारी
लोहरदगा।

ग्लोबल मार्केट में कमजोरी, एशियाई बाजार भी टूटे

नवीन मेल संवाददाता। नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से रविवार को सुस्त संकेत मिले। पिछले सत्र के कारोबार में वॉल स्ट्रीट दबाव में कारोबार करता रहा। यूएस फ्यूचर्स भी आज सपाट स्तर पर कारोबार करता नजर आया। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज लगातार दबाव बना हुआ है। अमेरिका में होलसेल महंगाई के आंकड़े अनुमान से अधिक रहने और ट्रेजरी यील्ड में बढ़त होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के तीनों सूचकांक दबाव में कारोबार करते रहे। हालांकि डाऊ जोंस 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 35,281.40 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। लेकिन शेष दोनों सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,464.05 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 93.14 अंक यानी 0.68 प्रतिशत के गिरावट के साथ 13,644.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। यूरोपीय बाजार के तीनों सूचकांक भी पिछले सत्र के कारोबार के दौरान 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए।

कार्यालय नगर परिषदए लोहरदगा
nagarparishadlohardaga@gmail.com

शुभकामना संदेश

प्रशासकए नगर परिषदए लोहरदगा एवं नगर परिषदए परिवार की ओर से 15 अगस्त 2023 को देश का 77वां स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर लोहरदगा नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रशासक
नगर परिषदए लोहरदगा।

ज्ञापांक 1727 दिनांक 12..08.2023

लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन व संयोजक सामाजिक विचार मंच की ओर से समस्त जिलेवासियों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक बधाई

कवलजीत सिंह
अध्यक्ष, लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन,
संयोजक, सामाजिक विचार मंच, लोहरदगा

लोहरदगा नगर परिषद की ओर से समस्त नगर वासियो को 77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शहर को साफ सुथरा रखने में जनभागीदारी सुनिश्चित करें
अपने घरों से निकलने वाले कचरा का सही जगह पर निष्पादन करें
अपने आसपास के वातावरण को हरा भरा बनाएं रखे

देवेंद्र कुमार
प्रशासक
नगर परिषदए लोहरदगा।

स्वतंत्रता दिवस की पावन बेला पर सभी लोहरदगावासियों व झारखंड वासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

सोनिया गांधी जिंदाबाद

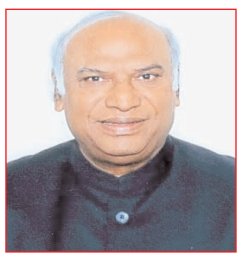
मल्लिकार्जुन खड़गे जिंदाबाद

राहुल गांधी जिंदाबाद

कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ
हर हाथ शक्ति हर हाथ तरक्की

आइये मिलकर शिक्षित और स्वस्थ झारखंड के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करें।

धीरज प्रसाद साहू
राज्यसभा सांसद
लोहरदगा, झारखंड।

लोहरदगा नर्सिंग होम
Reg No. 2035600241
नवाड़ीपाड़ा, महादेव टोली रोड, लोहरदगा।
मो0 . 8092803836, 9431919855

Dr. Rajesh Kumar Bhagat
डॉ0 राजेश कुमार भगत
M.B.B.S. (General Physicians)
Paediatric Surgery (JR, NA)
RIMS , Ranchi
Medical Officer, Sadar Hospital, Lohardaga

Dr. Deepika Tirkey
डॉ0 दीपिका तिर्की
M.B.B.S. (PMCH) M.S. (Obst & Gynae)
K.E.M. Hospital, Mumbai
Ex-Senior Resident
Nair Hospital Mumbai.

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समस्त लोहरदगा जिलेवासियो को हार्दिक बधाई।

उपलब्ध सुविधाएं : – हमारे यहां 24 घंटे चिकित्सक व एम्बुलेंस सेवा, ICU एवं NICU सेवा, अत्याधुनिक मशीनो के द्वारा इलाज, प्रसूति एवं स्त्री रोग से संबंधित सभी तरह की बिमारियों का ईलाज, गर्भाशय का ऑपरेशन, नार्मल डिलीवरी व आपरेशन की विशेष सुविधा, बांझपन का ईलाज, अल्ट्रासाउण्ड एवं एक्स–रे सुविधा, पैथोलॉजी (खून व पेशाब जांच), मेडिसिन (दवा खाना) सेवा उपलब्ध है।

नोट : बेटी बचाओ अभियान के तहत नर्सिंग होम में बेटी के जन्म होने पर प्रोत्साहन राशि का प्रावधान

मुरी ओपी प्रभारी
विपुल कुमार ओझा के तरफ से सिल्ली समेत समस्त भारतवासियों को स्वतंत्रता दिवस की उपलक्ष में हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

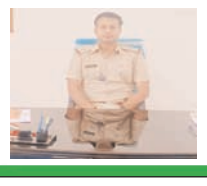

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

राम जी बेसरा

प्रखंड अध्यक्ष,
भारत जकात मांझी परगना महल बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

मनोज मुर्मू

प्रखंड सचिव, भारत जकात मांझी परगना महाल बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

सत्येंद्र कुमार भारती

डायरेक्टर, पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका, बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अब्बास अंसारी

मुखिया,
बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

इंद्रदेव प्रसाद

अध्यक्ष, मुखिया संघ
बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

रोहित कुमार

फील्ड ऑफिसर महिला
मुक्ति संस्था हजारीबाग।

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

उमाशंकर सिंह

डायरेक्टर, झारखंड हाई स्कूल
पचरुखी तिलैया बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस शुभ अवसर पर बरकट्ठा सहित जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

योगेंद्र राम

प्रधानाध्यापक, परियोजना
बालिका उच्च विद्यालय बरकट्ठा

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समस्त लोहरदगा जिलेवासियो को हार्दिक बधाई।

LIFE HEALTHCARE HOSPI-

ADDRESS : - NEAR BELAL MASJID, NEW ROAD
LOHARDAGA - 835302
MOBILE NO - 9334241775

किस्को प्रखंड समेत सभी लोहरदगा वासियोए जनप्रतिनिधियोंए मित्रों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

संदीप गुप्ता

जिला परिषद सदस्य
किस्कोए लोहरदगा।

गौतम नर्सिंग होम, कोर्ट रोड लोहरदगा की ओर से समस्त लोहरदगावासियों को 77 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गौतम नर्सिंग होम
गौतम डायलिसिस एंड ट्रामा सेंटर
गौतम डेंटल क्लिनिक

कोर्ट रोड, लोहरदगा, फोन: 06526 222028, मो.: 9155734277

सुविधाएं: हमारे यहां हडडी रोग, महिला एवं प्रसुति रोग, नवजात शिशु एवं बच्चा रोग, कीडनी, स्टोन व मूत्र रोग, डिजीटल एक्स रे, फिजियोथेरेपी, फामेसी, अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर, आपातकालीन 247 व एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध है।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

मधुलिका रानी

उपप्रमुख
कैरो प्रखण्ड, लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

अंचल कार्यालय

कैरो प्रखंड,
लोहरदगा।

जनता हॉस्पिटल की ओर से समस्त जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

JANTA HOSPITAL

Multispeciality Hospital

Palmerganj, Behind Head Post Office, Lohardaga
24 HOURS EMERGENCY
Contact No : 09308348606, 08340678334, 08825389125

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

श्रीराम उराँव

प्रमुख
कैरो प्रखण्ड, लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

वनरक्षी सदस्य

कैरो, कुडू
लोहरदगा।

आजादी का अमृत महोत्सव व स्वाधीनता दिवस मना रहे समस्त लोहरदगा के नागरिको को जिला प्रशासन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

शुभकामना संदेश

देश को आजादी दिलाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग बलिदान को याद करते हुए उनके पदचिन्हो पर चलकर देश को आगे बढ़ाने का प्रयास करें।

डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी
लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

सुधीर उराँव

ईंट चिप्स सप्लायर
कैरो प्रखण्ड, लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

डीलर संघ

कैरो प्रखंड,
लोहरदगा।

77 वें स्वाधीनता दिवस व आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे समस्त लोहरदगा वासियो एवं भाजपा के समर्पित कार्यकताओं को हार्दिक हार्दिक बधाई।

शहर से लेकर गांव तक, बहे विकास की समग्र धारा
घर घर में आए खुशहाली,
यही है लक्ष्य हमारा।

सुदर्षन भगत

सांसद, लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र, लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

मजूल अंसारी

लाइनमैन, पीएसएस
कैरो लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

प्रखण्ड परिवार

कैरो प्रखंड,
लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

राजेंद्र महतो

पूर्व प्रखंड अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, कैरो लोहरदगा।

कैरो प्रखंड समेत समस्त लोहरदगा जिलेवासियों को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

वेलफेयर सोसायटी

मौलाना आजाद

कैरो, लोहरदगा, झारखंड
समाजसेवा के क्षेत्र में वर्ष 2010 से समर्पित

कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, लोहरदगा।

किसान भाईयों,

76 वाँ स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं जोहार।

किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ उठायें।

- समय पर ऋण चुकाने पर मात्र 1 प्रतिशत सूद लगता है।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत 80–90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रीप/स्प्रिंकलर सिंचाई लगावें। इससे पानी की बचत एवं उपज में वृद्धि होती है।
- अधिक जानकारी हेतु प्रखण्ड कृषि पदाधिकारीBTM / ATM / जिला कृषि पदाधिकारी, लोहरदगा/उप परियोजना निदेशक, आत्मा, लोहरदगा से सम्पर्क किया जा सकता है।

ज्ञापांक 762, दिनांक 11.08.2023

जिला कृषि पदाधिकारी
लोहरदगा

कैरो प्रखंड समेत सभी लोहरदगा वासियो को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

श्रवण मुंडा

मुखिया,
ग्राम पंचायत हनहट, कैरो लोहरदगा।

मुखिया संघए लोहरदगा की ओर से समस्त जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

बासुदेव उरांव

अध्यक्ष
मुखिया संघ, लोहरदगा।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

बीएसएफ ने पठानकोट सेक्टर में पाक घुसपैठिया किया ढेर

चंडीगढ़। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर एक ऑपरेशन के दौरान रविवार की रात पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर किया है। इस दौरान बीएसएफ ने करीब 14 राउंड फायरिंग की। जानकारी के अनुसार सामान्य तौर पर बीएसएफ के जवान पठानकोट में भारत-पाक सीमा पर कमलजीत पोस्ट के निकट गश्त पर थे। इसी दौरान बीएसएफ को सीमा पार से झाड़ियों में आहट सुनाई दी। सर्च लाइट से देखने पर पता चला कि एक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा है। बीएसएफ द्वारा कई बार चेतावनी देने के बावजूद जब वह नहीं रुका तो बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी। इससे घुसपैठिया वहीं पर ढेर हो गया।

मानस अभयारण्य में पुलिस मुठभेड़ में एक शिकारी ढेर

चिरांग (असम)। चिरांग जिले में स्थित मानस अभयारण्य में वन रेंजरों के साथ हुई गोलीबारी में एक शिकारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य शिकारियों को पकड़ा गया है। ऑपरेशन के दौरान शिकारियों के हमले में कांस्टेबल नोवेस्वर बसुमतारी को गोली लगी और अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वन विभाग के अनुसार असम के चिरांग जिले के वन विभाग और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने रविवार की रात को संयुक्त अभियान चलाया था, जिसमें भारत-भूटान सीमा से दो शिकारियों को गिरफ्तार किया गया। चिरांग जिले में भूटान सीमा पर आमगुरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जालुकानी में मारे गए शिकारी की पहचान नोवेस्वर बसुमतारी के रूप में हुई है।

हिमाचल में भूस्खलन व बाढ़ से 22 की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण राज्यव्यापी बाढ़ और भूस्खलन के कारण सोमवार को कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि राज्य की राजधानी में भगवान शिव के एक मंदिर के ढह जाने से नौ लोगों की मौत हो गई। यह मंदिर समर हिल में स्थित था। आपदा के वक्त मंदिर में 25-30 लोग मौजूद थे। श्रावण मास के कारण मंदिर में भीड़ थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, मलबे से पांच लोगों को निकाला गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है।

बंगाल भाजपा नेतृत्व को अध्यक्ष जेपी नड्डा की नसीहत

बयानबाजी नहीं, काम करिए

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने दो दिनों के बंगाल दौरे के दौरान पार्टी की प्रदेश इकाई को 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष और अन्य नेताओं के साथ रविवार देर शाम तक महत्वपूर्ण बैठक की है। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि जेपी नड्डा ने प्रदेश भाजपा नेतृत्व को दो टूक शब्दों में कह दिया है कि लंबे समय से जो अनर्गल बयानबाजी प्रदेश भाजपा के नेता कर रहे हैं, उसे बंद करना होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि काम पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। जेपी नड्डा ने कहा है कि पंचायत चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन वैसे तो पहले के मुकाबले बेहतर रहा है लेकिन संतोषजनक नहीं है।

बैठक के दौरान पार्टी नेताओं से नड्डा ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की 42 में से 18 सीटों पर जबरदस्त जीत का परचम लहराया था। हालांकि उसके बाद लगातार पार्टी के जनाधार में गिरावट हुई है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी प्रदर्शन बहुत संतोषजनक नहीं था। उसके बाद जितने भी चुनाव हुए हैं, उनमें वामदलों के गठबंधन ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में 2024 का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। 2019 का प्रदर्शन दोहराने और उससे बेहतर करने की जिम्मेवारी प्रदेश नेतृत्व को देते हुए नड्डा ने कहा कि एक दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाकर जमीन पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने केंद्र सरकार के बेहतर कार्यों के प्रचार प्रसार और ममता बनर्जी की सरकार के भ्रष्टाचार को लोगों के समक्ष रखने का लक्ष्य पार्टी नेताओं को दिया है।

उन्होंने इशारे-इशारे में दिलीप घोष, सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं के बीच होने वाली जुबानी जंग पर भी नाराजगी जताई और कहा कि आप सारे लोग वरिष्ठ नेता हैं। अगर कोई समस्या है तो पार्टी फोरम के उचित मंच पर बात की जानी चाहिए लेकिन सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी कर ना केवल पार्टी की किरकिरी करवा रहे हैं बल्कि आने वाले चुनाव में मुश्किलें भी खड़ी कर रहे हैं।

एनआईए ने कोल्हापुर में की छापेमारी, तीन संदिग्ध आतंकी पकड़े

मुंबई। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने कोल्हापुर में तीन जगहों पर छापेमारी कर तीन संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ा है। इन तीनों के घर से संदिग्ध दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक सामान और लोहे के हथियार जब्त किए गए हैं। इन तीनों का संबंध आतंकी संगठनों से बताया जा रहा है। एनआईए की टीम इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है। एनआईए की टीम ने रविवार को सुबह से ही महाराष्ट्र के कोल्हापुर, हुपरी, नासिक में पांच जगहों पर छापेमारी की थी। नासिक में एक शख्स को एनआईए की टीम ने पांच घंटे की पूछताछ के बाद रविवार शाम को छोड़ दिया था। एनआईए की टीम ने तीन जगहों पर छापेमारी करके तीन लोगों को पहले हिरासत में लिया। इसके बाद देर रात तीनों को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए को शक है कि ये तीनों संदिग्ध आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने देश के विभाजन में जान गंवाने वालों को नमन किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर भावपूर्ण संदेश लिखा है। उन्होंने साल 1947 में बंटवारे की बलि चढ़ी आत्माओं को नमन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा है-'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। इसके साथ ही यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन।' उल्लेखनीय है कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के तहत आज 14 अगस्त को देश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शाम पांच बजे विस्थापित परिवारों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में त्रासदी में प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। देश के सभी जिलों में विभाजन में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम होंगे। नई पीढ़ी को बंटवारे की कहानी के सच से अवगत कराया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि अब से हर साल 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाया जाएगा।

भारत माता को सुरक्षित करने का संकल्प लें : मुख्यमंत्री हिमंत

एजेंसी। गुवाहाटी

मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने अपील की है कि आज विभाजन विभीषिका दिवस पर हम भारत माता को सुरक्षित करने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन के मौके पर किए गए अमानवीय और बर्बर कृत्यों को याद करते हुए हम सभी यह संकल्प लें कि भारत माता को और अधिक खंडित हम नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने ये बातें आज राजधानी के माछखोवा स्थित प्रागज्योतिष आईटीआई सेंटर में आयोजित विभाजन विभीषिका दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आज विभाजन विभीषिका दिवस का पालन इसलिए नहीं करते कि हम पाकिस्तान से नफरत करें। बल्कि, इस दिवस के जरिए हम याद रखें कि किस प्रकार क्रूर और अमानवीय तरीके से विभाजन के दौरान भारत और पाकिस्तान में हिंदू, क्रिश्चियन और सिख समुदाय के लोगों पर अत्याचार किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह भुला नहीं जाता कि किस प्रकार हमारी माताओं और बहनों की इज्जत की धज्जियां उड़ाई गई थीं। हम विभाजन की वेदना कभी नहीं भूल सकते। 800 वर्षों की गुलामी के बाद आखिरकार हमें 15 अगस्त को खंडित स्वाधीनता मिली। लेकिन, 14 अगस्त का दिन हमारे लिए अंधकार का दिन था क्योंकि देश का विभाजन हो चुका था और पाकिस्तान में हमारे लोगों के साथ बर्बरता की जा रही थी।

नूंह में 13 दिन बाद इंटरनेट सेवा बहाल

चंडीगढ़। नूंह में बीती 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने सोमवार से दिन के समय में कर्फ्यू हटा दिया है। नूंह में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भी प्रदेश के अन्य जिलों की तर्ज पर किया जाएगा। 31 जुलाई को हुई हिंसा की घटना के 13 दिन बाद इंटरनेट सेवा बहाल हो गई है। जिलाधीश धीरेंद्र खडगटा ने 14 और 15 अगस्त के लिए कर्फ्यू में और ढील दी है। अब सुबह 6 से रात 8 बजे तक लोगों की आवाजाही पर छूट होगी। नूंह में हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ध्वजारोहण करेंगे।हरियाणा सरकार ने हिंसा की घटना के बाद यहां चरणबद्ध तरीके से 13 अगस्त की रात 12 बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बंद किया था।

समस्या के समाधान को प्रतिबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि जनता की समस्या के समाधान को सरकार प्रतिबद्ध है। किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें।गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने एक-एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा। जनता दर्शन में आए बच्चों को सीएम योगी ने प्यार दुलारकर आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

बीजेपी में शामिल नहीं होगी एनसीपीः शरद

एजेंसी। पुणे/मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को दोहराया कि उनकी पार्टी का भाजपा में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि यह एनसीपी की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप नहीं है। 83 वर्षीय राकांपा प्रमुख ने स्पष्ट कर दिया कि उनके गुट से कोई भी भाजपा के साथ नहीं जाएगा, इससे इस संबंध में सभी अटकलें खारिज हो गईं। पवार ने घोषणा की, हमारे कुछ सहयोगियों ने इस मुद्दे पर अलग रुख अपनाया है। हमारे 'शुभचिंतक' ऐसे प्रयास कर रहे हैं। एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं कहता हूं कि एनसीपी भाजपा के साथ नहीं जाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के रिश्तेदार को भाजपा में शामिल करने के लिए ईडी से नोटिस दिया गया था। पवार ने कहा, "केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। पाटिल पर दबाव बनाने के लिए उनके रिश्तेदार को ईडी नोटिस भेजा गया है।" राकांपा नेता के बयान तब आए, जब उन्होंने और पाटिल ने सप्ताहांत में राकांपा (एपी) नेता और अजीत पवार के साथ अलग-अलग बैठकें कीं, इससे राजनीतिक अफवाहें उड़ गईं। शरद पवार ने कहा कि अजित उनके भतीजे हैं और वह उनसे परिवार के पितातुल्य के रूप में मिले और सोचा कि यह मीडिया में इस तरह की आधारहीन चर्चा का विषय क्यों बनना चाहिए। बैठकों पर महा विकास अघाड़ी के साझेदार शिव सेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई, जिन्होंने अफसोस जताया कि इस तरह की बार-बार की जाने वाली कार्रवाईयां सहयोगियों के बीच भ्रम पैदा करती हैं। शरद पवार ने कहा कि एमवीए एकजुट है और सहयोगियों कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच भ्रम का कोई कारण नहीं है, क्योंकि इसकी विचारधारा भाजपा के विरोध में है। अजित पवार के पार्टी से अलग होने और सत्तारूढ़ सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल होने के बाद राकांपा सुप्रीमो अपनी पहली यात्रा पर अपने गृह नगर बारामती पहुंचे।

FILMY हलचल

अरिजीत और शिल्पा राव की आवाज में 'जवान' का दूसरा गाया 'चलेया' रिलीज

शाहरुख खान की फिल्म जवान के जिंदाबाद गाने के बाद अब फिल्म का दूसरा गाना चलेया भी सामने आ चुका है, जो एक रोमांटिक ट्रैक है। इस गाने के लॉन्च की खबर से ही लोगों में जोश भर गया, क्योंकि इसमें शाहरुख और नयनतारा की जोड़ी है। इस गाने में

अरिजीत सिंह और शिल्पा राव की दिल छू लेने वाली आवाजें हैं। इस गाने में पहली बार बतौर जोड़ी शाहरुख खान और नयनतारा नजर आए हैं और एक ताजा और आकर्षक केमिस्ट्री के साथ स्क्रीन्स में जान भर देते है। गाने को टैलेंटेड फरहा खान ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में कोरियोग्राफ किया है, जिसने गाने को और भी शानदार बना दिया है। इस गाने को गीतकार कुमार ने लिखा है, जिनके पास लेटेस्ट हिट्स की एक पूरी सीरीज है। अरिजीत सिंह की ये भावनात्मक पेशकश शाहरुख के प्यार भरे इमोशन्स में एक और अतिरिक्त परत जोड़ती है।

'ओह माय गॉड-2' ने तीन दिन में कमाए 43.56 करोड़ रुपये

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड काफी पॉपुलर रही थी। इस फिल्म का सीक्वल ह्यओह माय गॉड-2, 11 अगस्त को रिलीज किया गया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया है।फिल्म ने पहले दिन 10.26 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 15.3 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 17.50 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने कुल 43.56 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी बीच फिल्म ओह माय गॉड-2 टीजर रिलीज के बाद से ही विवादों के भंवर में फंस गई है। इस फिल्म के निमार्ताओं को सेंसर बोर्ड ने 20 कट का सुझाव दिया था। पहले यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली थी।

खेसारीलाल यादव की फिल्म 'लाडला-2' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी फिल्म लाडला-2 का धांसू ट्रेलर आज इंटर 10 रंगीला और यशी फिल्म्स के ऑफिसियल यू-ट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर का रन टाइम 4:06 मिनट का है। यह फिल्म 2015 में आई फिल्म लाडला का सीक्वल है, जो मां और बेटे के रिश्ते पर आधारित है। बात करें फिल्म लाडला-2 के ट्रेलर की, तो इस फिल्म की कहानी पहले पार्ट से बिल्कुल अलग है। फिल्म के पहले पार्ट में फिल्म की शूटिंग इंडिया में हुई थी और इस पार्ट की शूटिंग दुनिया के सबसे पुराने शहर लंदन में हुई है। उसी तरह इस फिल्म की कहानी भी अलग है। फिल्म में खेसारी लाल यादव अपनी मां को बेहद प्यार करते हैं, लेकिन उनको प्यार मेघाश्री से हो जाता है। फिर शुरू होता है मां और प्रेमिका के बीच का द्वन्द्व, जो इस फिल्म को अलग लेवल पर लेकर जाती

है। ट्रेलर में फिल्म के गाने एक से बढ़ के एक नजर आये। फिल्म को लेकर खेसारीलाल यादव ने कहा कि इस फिल्म की कहानी मेरे दिल के करीब है। फिल्म का सीक्वल करना अपने आप में एक चुनौती होती है, लेकिन हम कलाकार का तो यही काम है। उम्मीद है दर्शकों को फिल्म बेहद पसंद आने वाली है। मां-बेटे के प्रेम और वात्सल्य पर आधारित फिल्म लाडला-2 के निर्माता अभय सिन्हा हैं।

अनोखी पहल

पतंगों के जरिए ही दे रहे चाइनीज मांझे के खिलाफ संदेश

इंसानों व परिंदों की जान है कीमती

एजेंसी। नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी दिल्ली में पतंग उड़ाने का पुराना रिवाज है। इस बार चाइनीज मांझा के खिलाफ दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस ने भी कमर कसी है। इसके साथ ही सामाजिक संगठनों ने भी चाइनीज डोर के इस्तेमाल को रोकने के लिए अपने-अपने स्तर पर अभियान शुरू किया है। पतंगबाज खुद ही पतंगों के जरिए चाइनीज मांझे के खिलाफ संदेश दे रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लोग अपने घरों की छतों, खुले मैदानों और पार्कों आदि में पतंगे उड़ाते हुए दिखाई पड़ते हैं। यही वजह है कि इस दिन का पतंगों का कारोबार करने वाले सालभर इंतजार करते हैं। पुरानी दिल्ली का लालकुआं बाजार इसके लिए काफी मशहूर है। पतंगों के लिए महीनों पहले से बाजार सजते हैं और लोगों के जरिए दिल खोलकर खरीदारी की जाती है। इसके मद्देनजर पुरानी दिल्ली के सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद तकी ने पतंगों के ही माध्यम से इंसानों और परिंदों की जान बचाने की अनोखी पहल शुरू की है। वह हजारों की संख्या में चाइनीज मांझा और मेटल मांझा इस्तेमाल न करने के संदेश वाले पतंग मुफ्त में बांट रहे हैं। इसके लिए वह पतंगों पर चीनी मांझा के खिलाफ स्लोगन लगा स्टिकर चिपकाते हैं। उनका मानना है कि पतंगों के माध्यम से ही चाइनीज मांझा के प्रति लोगों को अच्छी तरह से जागरूक किया जा सकता है। उनका कहना है कि अगर वह एक इंसान और परिंदों की जान बचा पाए, तो उन्हें काफी खुशी होगी। उन्होंने बताया कि पुरानी दिल्ली में बड़ी तादाद में कबूतर निवास करते हैं और यह कबूतर आसमान में उड़ते फिरते हैं। 15 अगस्त के दिन इन मासूम कबूतरों को पतंग की डोर की वजह से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। बहुत सारे कबूतरों के पर और गर्दन वगैरह इन चाइनीज मांझों से कट जाती हैं। कई बार तो वह इसकी वजह से वह मौत का शिकार हो जाते हैं। उनका कहना है कि मासूम कबूतरों को इस पतंग के मांझे और डोर से बचाने के लिए कोई भी नहीं सोचता है। यही हाल लोगों का भी है। विशेषकर बच्चे अक्सर इसकी चपेट में आ जाते हैं। इसे देखते हुए वह पतंग बाजार में पतंगों पर स्टिकर लगाकर लोगों से चाइनीज मांझा और मेटल के मांझे का इस्तेमाल नहीं करने की अपील कर रहे हैं। लोगों को मुफ्त पतंग बांट रहे हैं। उनका मानना है कि उनकी पतंग कहीं पर भी कट कर गिरेगी तो उस पर लगे संदेश को लोग देखेंगे। आने वाले दिनों में हम लोगों को चाइनीज मांझा और मेटल के मांझे के इस्तेमाल से पूरी तरह से रोक पाने में सफल हो जाएंगे।

सीआरपीएफ कमांडेंट प्रमोद कुमार के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाये जाने वाले आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत 112 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमाण्डेन्ट प्रमोद कुमार साहू के नेतृत्व में जिला - लातेहार, पलामू, चाईबासा एवं पश्चिम सिंहभूम में 112 बटालियन सी.आर.पी.एफ की तैनात टुकड़ियों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 112 बटालियन द्वारा कुल 5,500 तिरंगा झंडा फहराने एवं ग्रामीणों को वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिनांक 13/8/2023 को लातेहार, पश्चिम सिंहभूम एवं पलामू जिले की जनता का सहयोग लिया गया एवं उनके बीच तिरंगे का वितरण किया गया। प्रमोद कुमार साहू, कमाण्डेंट जय प्रकाश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी एवं आशीष कुमार, उप० कमा० के नेतृत्व में नैहर भवन बेतला में बैनर, पोस्टर एवं होडिंग बोर्ड के साथ हर घर तिरंगा अभियान के लिए बाईक रैली निकाली गई एवं स्थानीय आम जनता एवं बच्चो के बीच तिरंगे झंडे का वितरण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष पूरे होने और यहां के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से की जाने वाली एक पहल है। इस अभियान को इस वाहिनी के सुदूरवर्ती इलाकों में तैनात अधिकारियो के नेतृत्व में लातेहार के करमडीह, टोंगारी, लाभर एवं पश्चिम सिंहभूम जिले के हलमद, चाईबासा एवं साडीह, लोढ़ाई में भी हर घर तिरंगा अभियान की बाईक रैली निकाली गई एवं स्थानीय आम जनता एवं बच्चो के बीच तिरंगे झंडे का वितरण किया गया। इस अभियान में के.रि. पु. बल. अधिकारियों एवं जवानों के साथ-साथ स्थानीय जनता एवं बच्चों ने पंच प्राण की शपथ ली, जिसके तहत यह प्रतिज्ञा ली गई कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे, भारत की एकता को सुदृढ़ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे साथ ही नागरिक होने का कर्तव्य निभायेंगे। इसी क्रम में आज दिनांक 14/8/ 2023 को प्रमोद कुमार साहू, कमाण्डेंट के निर्देशन में जय प्रकाश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी एवं आशीष कुमार, उप0 कमा० के नेतृत्व में बटालियन के जवानों के साथ-साथ स्थानीय युवाओं, आम नागरिकों तथा स्थानीय स्कूल के बच्चों के साथ चियांकी के मिशन मोड़ तक पैदल दौड़ रैली का आयोजन किया गया। मौजूद अधिकारियों ने स्थानीय युवाओं, आम नागरिकों तथा स्थानीय स्कूलों के बच्चों से आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की एवं समझाया। साथ ही यह भी बताया गया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आप सभी अपने घरो में ज्यादा से ज्यादा तिरंगा फहराएं, जिससे की राष्ट्र प्रेम की भावना और मजबूत हो सके तथा राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम अपना योगदान दें सके।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
संजय रजक
थाना प्रभारी
नावाजयपुर पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
सुमन गुप्ता
मुखिया
किशुनपुर पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
रंजीत सिंह
मुखिया संघ अध्यक्ष
नौवडीहा मुखिया, पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
निखिल गुप्ता
निर्देशक इंटर कॉलेज
कुंअर बांध, पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
सुमती देवी
सेमरी पंचायत मुखिया
पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
डा. कैशर आलम
सिटी हॉस्पिटल
श्री बंशीधर नगर।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
MAA MEDICINES
राजन मिश्रा
मां मेडिसिन
आरपी सिन्हा कैंपस, नावाटोली
डालटनगंज, पलामू (झारखंड)।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
जैनुल सिद्दिकी
मुखिया
केलहार पंचायत पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
चंद्रदेव प्रसाद
बीडीओ पड़वा पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
रामानन्द पाण्डेय
बीस सूत्री अध्यक्ष पाटन।

स्वाधीनता दिवस के मौके पर चैनपुर प्रखंड की समस्त जनता को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें।
गायत्री देवी
प्रमुख
प्रखंड चैनपुर
पलामू।
ध्रुव प्रसाद गुप्ता
समाजसेवी सह
प्रमुख पति
चैनपुर, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
उर्मिला देवी
प्रमुख
श्री बंशीधर नगर।

मिलाप मेडिकल सेन्टर
शांति निवास स्कूल के नजदीक, चिनियाँ रोड, गढ़वा (झारखण्ड)
मदर एंड चाइल्ड केयर
डॉ० महजबीं
Dr. Mahjabin
MBBS, FGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा
पूर्व रेजिडेंट एम्स/अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली
24X7 घंटे इमरजेन्सी सेवा
नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर
(हर महीने के 30 तारीख को)
Mob.- 9060456890, 9162570989

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
अनिता कुमारी
प्रधानाध्यापिका
हाई स्कूल किशुनपुर।

भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता सहित सभी जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
शोभा देवी
पाटन प्रमुख।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
अजय कु. साह
प्रमुख
सगमा।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई।
जिला परिवहन पदाधिकारी
पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
डा. संतोष कुमार
गुलाम हॉस्पिटल धुरकी मोड़
श्री बंशीधर नगर।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
कमलेश कुमार
प्रभारी प्राचार्य माँ नगीना महिला महाविद्यालय बभनी श्री बंशीधर नगर।
भानु प्रताप शाही
भवनाथपुर विधायक सह सचिव माँ नगीना शाही महिला महाविद्यालय श्री बंशीधर नगर।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
विवेक कुमार सिंह
कनीय अभियंता
पलामू।

भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता सहित सभी जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
संजय सिंह
भाजपा विधायक प्रतिनिधि पाटन।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
गणेश प्रताप देव
उप प्रमुख
श्री बंशीधर नगर।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
उमाशंकर सिंह
बीस सूत्री उपाध्यक्ष पाटन।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर झारखंडवासियों एवं भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता को हार्दिक बधाई।
बाबूलाल मरांडी
प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, झारखंड।
श्री बाबूलाल मरांडी को झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनाये जाने पर बहुत-बहुत धन्यवाद।
राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाये तथा जिला प्रशासन से प्रदेश की जनता को बालू उपलब्ध कराने की मांग करता हूं।
निवेक
रामचन्द्र केशरी
पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार
सह
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा।

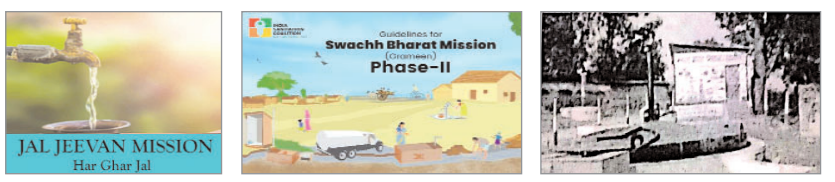

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
बाबूलाल मरांडी
देश की 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर डालटनगंज चैनपुर भंडरिया विधान सभा क्षेत्र की समस्त जनता को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें।
आलोक कुमार चौरसिया
विधायक, डालटनगंज, पलामू।

77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
लवली आनंद
प्राचार्य माँ नगीना शाही महिला इंटर महाविद्यालय बभनी श्री बंशीधर नगर।
भानु प्रताप शाही
विधायक सह सचिव माँ नगीना शाही महिला इंटर महाविद्यालय बभनी श्री बंशीधर नगर।

कार्यालय-पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा

-सह-

जिला जल एवं स्वच्छता समिति, गढ़वा।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

स्वच्छ गढ़वा | सुन्दर गढ़वा

जल - स्वच्छता संदेश 2023

15 अगस्त 2023 (स्वतंत्रता दिवस) के शुभ अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा-सह- जिला जल एवं स्वच्छता समिति, गढ़वा की ओर से सभी गढ़वा वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

जल जीवन मिशन के तहत **'हर घर नल से जल'** योजना अन्तर्गत गढ़वा जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर को FHTC (चालित नल) के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु गढ़वा जिला का कुल लक्ष्य 2,98,535 अदद है, जिसकी उपलब्धि वृहत एवं मिनी जलापूर्ति योजना से कुल 1,29,694 अदद पूर्ण है, शेष बचे 1,68,841 अदद FHTC को पूर्ण करने हेतु 21 अदद वृहत जलापूर्ति योजना निर्माणाधीन है, एवं 1642 अदद निर्माणाधीन एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना तथा cluster-svs से 2574 योजना से वर्ष 2024 तक शत-प्रतिशत घर को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य कराया जा रहा है। जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा०) के तहत किये जा रहे कार्यों के उपलब्धि, समाज में व्यवहार परिवर्तन, पेयजल की गुणवता की जांच, पेयजल को शुद्ध बनाये रखने हेतु उपाय ईत्यादि गतिविधियों को LED Van के माध्यम से सभी प्रखण्डों में रूट चार्ट के अनुसार विडियो एवं ऑडियो से प्रदर्शित किया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा०) के तहत गढ़वा जिला के सभी लक्षित ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) Phase-II के तहत शेष बचे IHHL का निर्माण किया जा रहा है, एवं पुनः छुटे हुए लाभुकों को IHHL निर्माण हेतु विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से आवेदन करने हेतु प्रकाशित कर लाभुकों को Online हेतु https://sbm.gov.in/sbmphase2/homenew.aspx वेबसाईट के लिंक द्वारा आवेदन करने का प्रावधान किया गया है, तथा ग्राम स्तर पर ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के तहत नाडेप एवं सोकपीट का निर्माण कार्य किया जा रहा है, एवं सामुदायिक स्तर पर गोबरधन योजना के निर्माण हेतु प्रकियाधीन जल्द ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

अतः सभी गणमान्यजनों, पंचायत के जनप्रतिनिधि, जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका ईत्यादि से अनुरोध है, कि जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत किये जा रहे कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करें।

पत्रांक : 639/ गढ़वा, दिनांक : 12/08/2023

कार्यपालक अभियंता
जिला जल एवं स्वच्छता समिति, गढ़वा।

क्यों 15 अगस्त को ही मनाया जाता है

आजादी दिवस

स्वतंत्रता दिवस 2023 के खास मौके पर हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर 15 अगस्त को ही पूरे देश में आजादी दिवस क्यों मनाया जाता है। साल 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को पूरे हिंदुस्तान में हर्षों उल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस साल भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। स्वतंत्रता दिवस हिंदुस्तान के लिए एक ऐसा दिन होता है, जब हर भारतीय उन जांबाज शहीदों और हस्तियों को याद करता है, जिन्हें आजादी दिलवाने में अपनी जान तक कुर्बान कर दी थीं। लेकिन अगर आपसे यह पूछा जाए कि 15 अगस्त को ही पूरे देश में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा? आखिर 15 अगस्त को ही भारत में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाया जाता है?

हम सभी लोग जानते हैं कि पूरे देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि आखिर 15 अगस्त को ऐसा क्या हुआ था कि इस दिन खुशी हर तरफ खुशी का माहौल रहता है। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत से हिंदुस्तान को आजादी मिली थी। आजादी मिलने के बाद एक तारीख निर्धारित किया गया, जिस दिन पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाएगा। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए स्वतंत्रता दिवस के लिए चूना गया।

साल 1948 में मिलने वाली आजादी 1947 में ही कैसे मिली?

कहा जाता है कि अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी के लिए साल 1948 तय किया था, लेकिन कई वर्षों और महीनों के संघर्ष, कठिनाई और हर दिन खराब हो रहे परिस्थितियों को देखते हुए लॉर्ड माउंटबेटन को विवश होना पड़ा और भारत की स्वतंत्रता का दिन 1948 से 1947 करना पड़ा। ऐसे में लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त को आजादी का दिन चूना।

15 अगस्त को ही आजादी दिवस क्यों चुना गया?

यह कहा जाता है कि भारत को 18 जुलाई 1947 को ही आजादी मिल गई थी, लेकिन फिर भी 15 अगस्त का दिन इसके लिए चुना गया। इसके पीछे की कहानी के बारे में कहा जाता है कि तत्कालीन और अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने जापान के द्वितीय विश्व युद्ध में समर्पण की दूसरी सालगिरह को भारत की आजादी का दिन चुना, क्योंकि वो इस दिन को अपने लिए शुभ मनता था। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए आजादी दिवस के रूप में चुना गया।

15 अगस्त 1947 का दिन क्यों खास था?

15 अगस्त 1947 हिंदुस्तान अपना पहला आजादी दिवस मना रहा था और उस दिन शुक्रवार था। कहा जाता है कि लॉर्ड माउंटबेटन के अलावा देश के कई महान ज्योतिषियों ने भी ग्रह नक्षत्रों के लिहाज से 15 अगस्त 1947 को आजादी के लिए शुभ दिन माना था।

क्या पहले 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता था?

कहा जाता है कि 1930 से लेकर 1946 तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, यह कहा जाता है कि 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस कांग्रेस द्वारा मनाया जाता था। इसके बाद 1947 में बदलकर 15 अगस्त कर दिया गया और संविधान बनने के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

अमन, चैन से रहो

अमन, चैन से रहो, और सुकून से रहो।
यह मुल्क है भारतवासियों का,
प्यार और सम्मान से रहो।
तिरंगे की आन बान शान को झुकने नहीं देना,
सीना चौड़ा करके दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना।
दुश्वारियां बहुत सही हमने,
अब दास्तान बनकर रहो।
मंजिलें अब दूर नहीं,
सिर झुका कर नहीं सिर उठाकर जीओ।
मुल्क जल रहा गद्दारों से,
दहशत फैल रहा कत्लेआमों से।
इसलिए खुद भी हिफाजत से रहो।
जंग लग न जाए हमारे इरादों को।
मंसूबे पूरे न हो जाएं उनके,
हौसला एक-दूजे का बुलंद करते रहो।
अमन चैन से रहो, और
सुकून से रहो।
यह मुल्क है भारतवासियों का,
प्यार और सम्मान से रहो।
प्रेम और मुहब्बत की कमी न होने देना।
सभी हिंदू मुस्लिम भाई भाई अकीकत से रहो।
भूल गए इंसानियत सारे जेहादी तो क्या।
आपस में वैमनस्य पैदा न करो।
मरकर भी जिंदा रहना है तो कोई नेक काम करके मरो।
धर्म-सम्प्रदाय की आड़ में सर्वस्व भस्म न करो।
लड़ो और डटे रहो।
सीमा पर।
फौलादी बाजुओं को यूं न मटियामेट करो।
अमन चैन से रहो और सुकून से रहो।
यह मुल्क है भारतवासियों का,
प्यार और सम्मान से रहो।
चहुंओर खून खराबा हो रहा।
घर से बाहर तक खूब राजनीति चल रहा।
कहीं आग,कहीं पानी हर तरफ आफत की मेजबानी।
इसलिए थोड़ा एहतियात से रहो।
चार दिन की चांदनी ही अक्सर होती है।
इसलिए सबके दिलों में अपनी पहचान बना कर रहो।
अमन,चैन से रहो, सुकून से रहो।
यह मुल्क है भारतवासियों का,
प्यार और सम्मान से रहो।

● ऋतुराज वर्षा

हमारी आजादी लोकतंत्र का जश्न है

आज जिस भूमि को हम अपना आजाद वतन मानते हैं उसे आजाद हुए 77 वर्ष हो चुके हैं। क्यूंकि हमारे पूर्वजों ने हमें यह आजादी दिलाने के लिए 200 वर्ष तक संघर्ष किया। इसलिए आजादी का यह जश्न पूरे देश में देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।सोने की चिड़िया से ब्रिटिश कॉलोनी बनने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक बनने का भारत देश का लंबा सफर सराहनीय और विख्यात है। आज हम इस आजादी की हवा में सांस ले पा रहे हैं। यह आजादी हमें 200 सालों की यातना, उत्पीड़न, युद्ध और बलिदान के बाद 15 अगस्त, 1947 को मिली। ब्रिटिश कोलोनियल शासन से कड़ी मेहनत से हासिल की गई यह आजादी लोकतंत्र का जश्न है। यह भारत के इतिहास में एक नये युग की शुरूआत का प्रतीक है।अंग्रेजों का आगमन भारत में 17वीं शताब्दी में हुआ था। वे भारत में व्यापार करने के उदेश्य से आये थे। उनका मुख्य उदेश्य भारत में अपना व्यापार स्थापित करना था। धीरे-धीरे उन्होने भारत में अपना व्यापार पूर्ण रूप से स्थापित कर लिया और बहुत से भारतीय राजाओं को युद्ध में पराजित करके उन्होंने उनके सभी इलाकों पर अपना शासन स्थापित किया। 18वीं सदी तक ब्रिटिशो ने अपनी ईस्ट इंडिया कम्पनी को पूर्ण रूप से जमा लिया था। अब सभी भारतीयों को पूर्ण रूप से पता लग चूका था कि वे सभी गुलाम बन चुके है। ब्रिटिशों द्वारा भारतीयों को अंग्रेजी सिखाने व अन्य तौर तरीके सीखने के लिए उनसे कुछ भी करा लेते थे जो भारतीयों को समझ नहीं आता था, उन्हें लगता था वो हमें अंग्रेजी और अन्य तौर तरीके सिखाने में हमारी मदद कर रहें है। दशकों के अथक संघर्ष और बलिदान से सजी स्वतंत्रता की यात्रा कठिन थी। महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मी बाई, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और सरोजिनी नायडू जैसे असंख्य नेताओं और सेनानियों की मेहनत और बलिदान को किसी प्रकाश की आवश्यकता नहीं है। देश को इन्हीं वीरों के बलिदान के कारण आजादी मिली, जिन्होंने भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना आज कुर्बान कर दिया।

● गुड्डू कुमार

15 अगस्त हमारे पूर्वजों के बलिदानों को याद दिलाता है

पलामू सहित पूरे भारत को 1947 में आजादी मिल गई थी, लेकिन ये आजादी की लड़ाई कई वर्षों लंबी और कठिन थी। स्वतंत्रता की इस लड़ाई का नेतृत्व प्रख्यात नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने किया। खून पसीना बहाकर, अपने भविष्य का निःस्वार्थ त्याग कर, अपने जीवन का बलिदान दिया और करोड़ों भारतीयों को ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्रता दिवस हमारे पूर्वजों के इन बलिदानों की याद दिलाता है। यह हमें अपनी स्वतंत्रता को संजोने और राष्ट्र की भलाई के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस का जश्न पूरे देश में जोरों शोरों से मनाया जाता है। राजधानी दिल्ली से लेकर और सभी राज्य की राजधानियों और छोटे से छोटे गांव तथा कस्बों में सभी उत्साह से स्वतंत्रता का जश्न मनाते हैं। भारत के कोने-कोने में तिरंगा लहराता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह देश के प्रति देशवासियों का प्रेम और देश के बेहतर भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आयोजित किए जाते हैं। हर साल की तरह इस साल भी 15 अगस्त 2023 के दिन बड़ी धूम धाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। हम हर साल 15 अगस्त के दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं। स्वतंत्रता दिवस का यह उत्सव भारत के प्रत्येक कोने में आनंद और उमंग से मनाया जाता है, लेकिन भारत की राजधानी दिल्ली में इस उत्सव का विशेष रूप से आयोजन किया जाता है। लाल किला को इस उत्सव का प्रमुख स्थल माना जाता है। लाल किले के मैदान में दिल्ली और दिल्ली के बाहर से लोग स्वतंत्रता दिवस के समारोह का आनंद लेते हैं। जिसमें कई सेनानानियों ने अपने प्राणों की आहुति भी दी। स्वतंत्रता दिवस एक मात्र ऐसा दिवस है जो इतिहास के पन्नो को दोबारा से दोहराता है साथ ही यह एक ऐसा दिन है जिसमें शहीदों को याद किया जाता है। सभी अपने सभी सांस्कृतिक मतभेदों को भूल कर एक सच्चे भारतीय के रूप में एकजुट होकर इस दिवस को बड़ी उत्साह के साथ मानते है। यह दिन सभी भारतीयों के लिए एक खास दिन के रूप में बदल गया है। सभी भारतीय इस दिवस को बड़ी धूमधाम एवं उत्साह के साथ मानते है। साथ ही हमारे देश में इसे राष्ट्रीय अवकाश के रूप मनाया जाता है, देश के इतिहास में इस दिन को लाल अक्षर का दिन भी कहा जाता है।

● ओपी

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व का संदेश

पलामू में हर साल स्वतंत्रता दिवस का जश्न एक अलग थीम के साथ होता है, जो हर साल अलग होती है। स्वतंत्रता दिवस प्रतिवर्ष 15 अगस्त को पलामू में उत्साह और भावुकता के साथ मनाया जाता है। यह दिवस हर भारतीय के लिए एक गर्व का संदेश है और राष्ट्रीय एकता और स्वाधीनता के महत्व को समझाता है। इस दिन शहीदों की स्मृति में भारतीय जनता एकजुट होती है। अंग्रेजों के राज में भारतीय नागरिकों के साथ गुलाम के जैसा व्यवहार किया गया उन्हें किसी भी कार्य को करने के लिए किसी भी तरह की कोई स्वतंत्रता नहीं थी। ब्रिटिश अधिकारियों के कब्जे में भारतीय शासक साधारण रूप से एक कठपुतली थे। यानी की जैसा वह बोलते थे उन्हें वैसा ही करना पड़ता था। भारतीय नागरिकों ने ब्रिटिश शिविरों में क्रूरता का सामना किया गया। साथ ही देश के सभी किसान नागरिक भूख से मर रहे थे। क्योंकि वह फसलों का उत्पादन नहीं कर पा रहे थे। उन्हें कर भी चुकाना पड़ता था। भारतीय नागरिक अपने आपसी मतभेदों को भूलकर स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु भारत के सभी महान पुरूषों एवं महिलाओं के निस्वार्थ बलिदान और अद्वितीय योगदान को विशेष रूप से याद करते है। इन महान पुरुषों में महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस, जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, गोपालबंधु दास, सरदार बल्लभ भाई पटेल आदि नेता शामिल है। इस दिन इन सभी लोगो को देश में श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि दी जाती है। महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी में मुख्य रूप से यह सभी लोग शामिल है। स्वतंत्रता के आंदोलन में इन सभी लोगो ने अपनी एक अहम भूमिका निभाई जिनके बिना स्वतंत्रता की लड़ाई नहीं लड़ी जाती। महादेवी वर्मा, रानी लक्ष्मीबाई और बसंती देवी, सावित्रीबाई फुले, कैप्टन लक्ष्मी सहगल एवं अन्य सभी लोग इस आजादी की लड़ाई में शामिल थे। इन सभी महिलाओं ने भारत की आजादी में अपना एक अहम योगदान दिया था। उन्होंने अपनी अपूर्व वीरता और संघर्ष भारतीय राष्ट्रीयता में गौरवपूर्वक रूप से साकार किया था। इस दिन राष्ट्रीय ध्वज समारोह की व्यापक धारावाहिकाएं, राष्ट्रीय गीतों के गायन, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर भाषण, नाटक और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिन्हे भारतीय संस्कृति, संविधान और स्वतंत्रता के महत्व को समझाने के लिए भी समर्पित किया जाता है। भारतीय संस्कृति विश्व में अपनी विविधता, समृद्धि और महत्व के लिए जानी जाती है। इस दिन देशवासियों को स्वतंत्रता के मूल अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने का भी प्रयास किया जाता है। जो हमें न्याय, स्वतंत्रता, और समानता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय भाव को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में विभिन्न प्रतियोगिताएं, सेमिनार, कविता पाठ, पेंटिंग और नाटक के आयोजन किए जाते हैं। इससे विद्यार्थियों के भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति अधिक उत्साह एवं गर्व का अनुभव होता है। स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर, राष्ट्रीय ध्वज फहराने, समारोह आयोजित करने, समाजसेवा कार्यों को प्रोत्साहित करने और अधिकारिक रूप से सरकारी दफ्तरों और उद्योगों में राष्ट्रीय गान का गायन करने का भी प्रयास किया जाता है। इसके अलावा, स्वतंत्रता दिवस को जनजागरण, विशेष न्यूजलेटर और मीडिया विशेष रूप से भारतीय इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम, और राष्ट्रीय विचारधारा पर लेख प्रकाशित करके देशवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता की महत्ता समझाते हैं। यह आजादी सम्पूर्ण देश में विभिन्न व्यक्तियों को एकजुट करके एक खुशी के पल को सेलिब्रेट करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह अनेकता में एकता का मूल मार्ग और शक्ति का एक विशेष दिन है। हम स्वयं को एक सबसे बड़े बहुमत वाले शासन वाले देश का हिस्सा बनकर प्रसन्न महसूस करते है जहां हम लोकतंत्र में रहते है।

● वेद प्रकाश

सदा हमारे साथ हैं महर्षि श्री अरविन्द

आलोक तुलस्यान
पूर्व प्रदेश सचिव, एकीकृत बिहार प्रदेश, श्रीअरविंद सोसायटी, पांडिचेरी।

भारत की इस पुण्य भूमि पर प्रत्येक युग में सामूहिक जीवन में पसरे अंधकार, अवसाद, जड़ता, अज्ञान, निराशा और ठहराव को मिटाने वाले और निर्णायक पलो में राष्ट्र को स्पष्ट नेतृत्व और मार्गदर्शन देनेवाले महापुरुष आते रहे हैं। भारत भूमि रत्न प्रसूता है और प्रत्येक युग मेंइस धरती पर युग की धारा को आंदोलित और आलोकित करने के लिए महामानवों का आविर्भाव होता रहता है। दिव्य धरती पर दिव्य मानव और दिव्य जीवन का शंखनाद करने वाले महायोगी, महाकवि, नवऋषि, महान दार्शनिक राजनेता और इन सभी लौकिक पहचानो सेऊपर अतिमानस के अवतार महर्षि श्री अरविन्द का नाम ऐसे ही महापुरुषों में शुमार है । जिन्होंने पश्चिम के तर्क में शिक्षा पायी और पूरब के ध्यान मे दीक्षा। जिनका जीवन और संदेश पूरब और पश्चिम की पूरी मानव जाति के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। श्री अरविन्द ने भारत और मानवता के लिए जो योगदान दिया वह सही अर्थों में अभी तक लोकमानस के सम्मुख नहीं आया है। 'कृत्रिम बुद्धि' के गुरूर वाले समय बोध से भरा मध्यावकाश लेकर जब कभी भारतीय युवा भारतीय ज्ञान परंपरा का कोई सजग विद्यार्थी इतिहास की धारा का अवलोक न करेगा तो उसे यह समझने मे देर नहीं लगेगी कि महर्षि श्री अरविन्द बीसवीं सदी के पहले दशक में लोक मान्यतिलक के साथ भारत के सबसे चर्चित जननायक थे। जिनके लेख, निबंध, संवाद और भाषणों को पंडित नेहरू और सुभाषचंद्र बोस जैसे उनके अनुवर्ती उत्साह और गंभीरता से पढ़ते थे। अंग्रेज 'राज' को उनकी कलम का इतना खौफ था कि तत्कालीन वायसराय लॉर्डमिंटो ने भारत सचिव लॉर्ड माले को एक पत्र में लिखा : भारत में फिलहाल अरविन्द घोष सबसे खतरनाक आदमी है । जिससे हमेंनिपटना है। युवा और विद्यार्थी वर्ग पर उसका बहुत प्रभाव है। (श्रीअरविन्द और मानवता को उनकी देन पृष्ठ 13)। अपार बौद्धिक क्षमता और गहरी आध्यात्मिक अन्तर्दृष्टि के साथ वस्तुओं और घटनाओं का विश्लेषण करने की उनकी प्रतिभा 1893 -94 में मुम्बई से प्रकाशित इंदु प्रकाश पत्रिका मे पुरानों के लिए नए दीप शीर्षक से लिखे गए उनके लेखों से स्पष्ट हो जाती है। उस समय शक्ति और सपनों से लबरेज 22 साल के अरविन्द घोष ने प्रेयर, प्रोटेस्ट और पेटिशन (प्रार्थना, मूक विरोध और याचना) की नीति पर चलने वाली तत्कालीन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर तीव्र प्रहार किया था। लेख माला की प्रारम्भिक दो किस्तों का ही इतना असर हुआ कि कांग्रेस के चर्चित नेता महादेव गोविन्द राना डेने इंदु प्रकाश के प्रकाशक को प्रेस बंद करवाने की धमकी दे डाली। 1908 के बेहद चर्चित अली पुर बम कांड की साजिश में जब श्री अरविन्द को ब्रिटिश हुकूमत ने पूरे एक साल तक एकांत कारावास में रखा, तब सुनवाई के अंतिम समय में पराधीन भारत राष्ट्र के फलक पर प्रकट होने वाले व अल्पकाल के लिए सूर्य की तरह चमकने वाले अरविन्द घोष की वकालत करने वाले देश बंधुचित्तरंजन दास ने उन्हें 'देश भक्ति का कवि, राष्ट्रवाद का मसीहा और मानवता का प्रेमी' कहकर संबोधित किया। बीसवीं सदी के पहले दशक में स्वदेशी, बॉय कॉट, पूर्ण स्वराज, निष्क्रिय प्रतिरोध और ग्राम स्वराज जैसे विचार देने वाले श्री अरविन्द ही थे जिनका सदी के दूसरे और तीसरे दशक में महात्मागांधी ने अनुगमन किया। एक बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी पत्रिका 'बंदेमातरम' के माध्यम से श्री अरविन्द ने अप्रैल 1907 में ब्रिटिश साम्राज्य से भारत की पूर्ण स्वाधीनता की मांग की। इस प्रकार भारत की स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में पूर्ण स्वराज की मांग करने वाले वे पहले भारतीय थे लेकिन त्रासदी यह है कि अधिकांश भारतीय इस सत्य से अन जान हैं।

श्री अरविन्द एक फिगर यानी व्यक्ति न हो कर एक फोर्स यानी प्रचंड आध्यात्मिक शक्ति थे। नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार रोमांरोलां ने उन्हें' पूरब और पश्चिम का सबसे बेहतरीन समन्वय' कहा है। आजादी के इस अमृत काल में जो श्री अरविन्द की यह जयंती का सांझा उत्सव भी है। इस लेख में हम उसी 'सन्निकट और अनिवार्य भविष्य' केअभियान की कुछ यात्रा करेंगे जो हमें श्री अरविन्द के आभा मंडल के थोड़ा साकरी बोले जाने में सहायक होगा।

परिचयात्मक चर्चा उनके भौतिक जीवन की- बंगाल की रत्न प्रसूता धरती पर डॉ. कृष्ण धनघोष और श्रीमती स्वर्णलता घोष के घर श्री कृष्णजन्माष्टमी के पावन पर्व पर 15 अगस्त 1872 को अरविन्द का अवतरण हुआ। डॉ. घोष अंग्रेजी जीवन शैली दर्शन और आचार - विचार के मुरीद थे और स्वयं भी विलायत से पढ़े लिखे थे। इसी लिए पहले उन्होंने नन्हें अरविन्द का दाखिला दार्जीलिंग के लोरेटोकॉन्वेंट स्कूल में करवाया और फिर केवल 7 साल की उम्र में अपने दो बड़े बेटों विनय भूषण और मनमोहन के साथ अरविन्द को मेन चेस्टर (इंग्लैंड) में एक पादरी मित्र के जिम्मे सौंप दिया । इस हिदायत के साथ कि किसी भी रूप में भारत और भारतीय प्रभाव की छाया इन बच्चों पर न पड़े। डॉ. घोष अपने अरविन्द को (जिन्हें वे प्रेम से 'ऑरो' पुकारते थे) तत्कालीन भारतीय सिविल सेवा (कउ र) पास करके भारत में कलेक्टर के उच्च पद पर आसीन देखना चाहते थे । लेकिन नियति ने अरविन्द को जो ऊंचाईयां बक्शी वे किसी भी भौतिक पद से बड़ी और देश काल के दायरे को लांघने वाली थीं। बालक अरविन्द ने लन्दन के सेंटपॉल स्कूल में विद्यालयी शिक्षा ली और 80 पौंड की छात्रवृति जीत कर वे किंग्स कॉलेज कैंब्रिज में दाखिला लेने में कामयाब हुए। यहीं पर उनका सम्बन्ध भारत के ऐसे विप्लवी छात्रों से हुआ जो गुप्त संगठन चलाकर ब्रिटिश साम्राज्य से भारतीय स्वाधीनता का स्वप्न बुनते थे। 'इंडियन मजलिस' और 'लोटस एंड डैगर' ऐसी ही समितियां थीं। फिर भी उन्होंने आई. सी. एस. की परीक्षा सफलता पूर्वक पास की लेकिन दो साल तक तीन- तीन बार अवसर दिए जाने के बाद भी अंतिम बाधा घुड़सवारी की परीक्षा पास नहीं की। वे मन बना चुके थे कि उनकी मातृभूमि को पद दलित और दारुण बनाने वाले ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन उन्हें कलेक्टर की नौकरी नहीं करनी है। लगभग इसी समय उनके पिता का भी अंग्रेजी व्यवस्था और मूल्यों से भरोसा उठने लगा था। भारतीयों पर जुल्म की जो खबरें कलकत्ता से द बंगाली नामक अखबार में छपतीं थीं उनकी कतरन वे ब्रिटेन में अपने बच्चों को भेजते थे। 1892 के अंतिम समय में युवा अरविन्द की मुलाकात बड़ौदा के गुणग्राही राजा सया जी राव गायक वाड़ से हुई और महाराज के निमंत्रण पत्र अरविन्द उनकी रियासत में सेवा करने के लिए तैयार हो गए। 6 फरवरी 1893 को 14 साल के लंबे अंतराल को पाटते हुए अरविन्द ने बम्बई के अपोलो बंदरगाह पर कदम रखा और सीधे बड़ौदा के लिए प्रस्थान किया। मातृभूमि के स्पर्श ने उनको असीम शांति से भर दिया...1893 से 1906 का समय उन्होंने प्रोफेसर, प्रशासक और सचिव जैसी अलग- अलग क्षमताओ में बड़ौदा में बिताया। 1905 में बंगाल विभाजन से उपजी परिस्थितियो को ध्यान में रखकर श्री अरविन्द ने बड़ौदा रियासत की सेवा से मुक्त होकर बंगाल को अपनी कर्मभूमि बनाया। बड़ौदा ही वह पुण्य भूमि है जहाँ श्री अरविन्द ने भारत की आत्मा का साक्षात्कार किया। भारतीय होने का अर्थ समझा और भारतीय भाषा, साहित्य और जीवन को आत्मसात किया। वर्ष 1906 सेअप्रैल 1910 तक उनकी आभा भारतीय राजनीति का सिरमौर बनी और राष्ट्र की मुक्ति के अनेक महानसूत्र - स्वराज, स्वदेशी का विचार, निष्क्रय प्रतिरोध, स्वदेशी, ग्रामस्वराज्य , बॉयकॉट कीनीति आदि उनकी लेखनी के माध्यम से भारत को प्राप्त हुए। भगवान की इस लीला में एक अध्याय अलीपुर बमकांड का है, जब बंदेमातरम अखबार में अपने विरुद्ध आग उगलती श्री अरविन्द की लेखनी से नाराज ब्रिटिश सरकार ने उन्हें सजायाफ्ता कैदी के तौर पर एक वर्ष का कठोर कारावास दिया। लेकिन वस्तुतः यह अंग्रेजों की नहीं, भगवान श्रीकृष्ण का प्रपंच था। जेल में उनकी साधना गहरे आयाम छूती गई और वहीं उन्हें वासुदेव श्रीकृष्ण के दर्शन हुए जिन्होंने गीता का सारा ज्ञान अरविन्द के हृदय में उतार दिया और स्पष्ट आदेश दिया कि तुम्हारा कार्यक्षेत्र राजनीति नही बल्कि अध्यात्म है। अलीपुर जेल श्री अरविन्द के लिए आश्रम बन गई । भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें स्पष्ट रूप से समझाया कि राजनीतिक स्वाधीनता कोई बहुत बड़ी सिद्धि नहीं है और देर सबेर भारत को स्वाधीन होना ही है। तुम्हारा कार्य तो इससे भी बहुत ऊपर है। तुम मानव जाति की सच्ची और निर्णायक मुक्ति का पथ खोजोगे और व्यापक फलक पर मेरा कार्य करोगे। इसी भागवत 'आदेश' का पालन करते हुए श्री अरविन्द 4 अप्रैल 1910 को तब फ्रांसीसी इंडिया कहे जानेवाले पांडिचेरी(जिसका शाब्दिक अर्थ ' नया होता है) पहुँचे। अगले 40 साल इसी धरती पर श्री अरविन्द ने अपने दर्शन के शिखर सन्देश अतिमानस की साधना की, 1914 से जनवरी 1921 तक 'आर्य' नामक मासिक पत्रिका का संपादन और उसके लिए लेखन किया और अपने प्रतिनिधि ग्रंथो यथा 'दिव्य जीवन', 'योग समन्वय', 'गीता प्रबंध', 'योग के पत्र, 'भारत में पुनर्जागरण', 'ईश उप निषद', ''वेद रहस्य', 'मानव चक्र' और 'मानव एकता का आदर्श' के माध्यम से भारत के साथ साथ पूरे विश्व के लिए नव मानवता के श्रेष्ठतम जीवन का भावी रोडमैप तैयार किया। बहुत सार

रूप में समकालीन भारत को श्री अरविन्द के संदेश को इस प्रकार समझना चाहिए और उसपर मंथन करना चाहिए। सारा जीवन ही योग है और मानव अंतिम नहीं है-- जैसे सूत्रों के उद्घोषक महर्षि श्री अरविन्द का संदेश इतना नवीन है कि उन्हें तात्विक रूप से समझने के लिए भारत को अभी अनेक वर्ष और लगेंगे ! लेकिन इसकी शुरूआत स्वाधीनता के इस ब्रह्ममुहूर्त में की जा सकती है। हम उनकी कुछ मौलिक शिक्षाओं /दर्शनो का क्रमशः अध्ययन करेंगे।

भारत का सच्चा स्वरूप और विश्व निर्माण में भारत की भूमिका

भारत को जानने और जनाने की शुरूआत करते समय हम प्रायः उसकी भौगोलिक स्थिति, संरचना और स्वरुप से बात शुरू करते हैं और भारत को हिमालय, गंगा का मैदान, पठार, मरुस्थल और समुद्री तटों से निर्मित देश मानते हैं। लेकिन असल में भारत को भारत बनाता है इसका आध्यात्मिक स्वरुप, इसकी अंतरकाया, इसकी आत्मा जिसका पोषण योगियों, ऋषियों और अवतारो ने अपनी तपस्या से किया है और आज भी कर रहे हैं। भारत की नियति का निर्धारण तो उसके आध्यात्मिक सूरमा ही करते हैं ! पर्दे के पीछे से वास्तविक शक्ति का यह आधार हाथ खींच ले तो राष्ट्र की भौगोलिक जर्जर काया को डगमगाने में समय नहीं लगेगा।

भारत के सच्चे स्वरुप को सामने रखते हुए महायोगी ने 1905 मेंलिखे अपने क्रन्तिकारी दस्तावेज भवानी मंदिर में लिखा-

राष्ट्र क्या है? मातृभूमि क्या है? यह कोई जमीन का टुकड़ानहीं है, न कोई मुहावरा है और नही मन की कल्पना है। राष्ट्र एक प्रबल शक्ति का नाम है जो असंख्य दूसरी शक्तियों के समुच्चय से राष्ट्र रूप में तैयार हुई है। ठीक वैसे ही जैसे लाखों देवताओ की शक्तियों के संयोग से भवानी महिषासुर मर्दिनी का जन्म हुआ (बंदेमातरम पृष्ठ 65) उसकी नियति यह है कि भारत स्वयं के भीतर से अखिल विश्व का भावीधर्म तैयार करेगा, एक ऐसा सनातन धर्म जो सभी धर्मों, विज्ञानोंऔर दर्शनो में समन्वय स्थापित कर मानव जाति को एकआत्मा के रूप में सँवारेगा (बंदेमातरम65). एक राष्ट्र के रूप में हम भारतीयो को अभिमान है कि हमने आत्मरक्षा के अतिरिक्तकभी किसी राष्ट्र पर आक्रमण नहीं किया, विस्तारवाद और उपनिवेशिक प्रवृतियों को राष्ट्रीय चरित्र पर हावी होने नही दिया। आज भारत में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह खुद सबल-सफल और संपन्न बनकर विश्व में अपने गौरवशाली अतीत की इस उदार परंपरा का पालन करे। श्री अरविन्द का आह्वान है कि भारत को भारतीय बनकर ही बनाया और बचाया ज ा सकता है। हम लौटें अपनी जड़ों की ओर और वहाँ से हासिल करें अक्षय ऊर्जा के स्रोत को।

द आइडियल ऑफ कर्मयोगिन नामक अपने एक अद्भुत लेख में महायोगी ने लिखा :

एक मात्र भारतीय ही प्रत्येक चीज पर विश्वास कर सकता है, प्रत्येक कार्य को करने का साहस कर सकता है। प्रत्येक वस्तु का बलिदान कर सकता है इसलिए सबसे पहले भारतीय बन जाओ। अपनेपुरखो की पैतृक संपत्ति को फिर सेप्राप्त करो। आर्य विचार, आर्य अनुशासन, आर्य चरित्र और आर्य जीवन को पुनः प्राप्त करो। वेदांत, गीता और योग को फिर से प्राप्त करो। लेकिन उन्हें केवल बुद्धि या भावना से नहीं, बल्कि जीवन द्वारा पुनः जीवित कर दो। उन्हें जीवन में उतारो और तुम महान, शक्तिशाली, अजेय और निर्भय हो जाओगे। तब तुम्हे न तो जीवन भयभीत कर सकेगा और न मृत्यु। 'कठिन' और 'असंभव' शब्द तब तुम्हार शब्दकोशों से विलुप्त हो जाएंगे (पृष्ठ 7)।

राष्ट्र की इस असली विरासत को लेकर आज के भारत को संजीदा होने की जरूरत है। गीता, वेदांत और योग को अपने अस्तित्व की गहराई में जीकर हम पश्चिम के विज्ञान और नवाचार को भी समर्थ आलोचक की दृष्टि से आत्मसात कर सकेंगे। इसके लिए हमे स्वयं की मौलिक दृष्टि और चिंतन धारा को विकसित करना होगा। श्री अरविन्द का मानना था कि यह विचार ही मूर्खता पूर्ण है कि यूरोप भारत के लिए सोचे! दिव्य और मानवीय निबंध पुस्तक में संकलित एक प्रेरक निबंध में उन्होंने कहा कि भारत के लिए सबसे श्रेष्ठ केवल भारतीय ही सोंच सकते हैं। यह सच है कि भारत के अकादमिक, बौद्धिक और सामाजिक जीवन में चिंतन की मौलिक संस्कृति का विकास होना अभीशेष है। शिक्षा और ज्ञान के नाम पर अभी भी हम पश्चिमी देशों से आयातित 'सामग्री' को ही अंतिम मानकर अपने बच्चों के सामने परोस रहे हैं। कला, विज्ञान, फिल्म, नवाचार, तकनीकी , शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समय समय पर भारतीयों पर पश्चिम की नकल करने के आरोप लगते रहे हैं जो एक महान और अभिमानी राष्ट्र के लिए ठीक नहीं। अपने निबंध 'मौलिक चिंतन पर' में श्री अरविन्द भारतीय युवाओं से मौलिक चिंतक बनने की पुरजोर वकालत कर रहे हैं : अगर भारत को जिंदा रहना है और इस विश्व में अपना निर्दिष्ट कर्म करना है तो हमारी पहली जरूरत यह है कि भारत के युवा सोचना, चिंतन करना सीखें- सभी विषयों पर सोचना, स्वतंत्र होकर सोचना, सफलता पूर्वक सोचना, सतह पर ही न ठहर कर चीजों के हृदय में उतरकर सोचना, पूर्वा ग्रहों, पक्षपातों से मुक्त हो कर सोचना, कुतर्क और पूर्वा ग्रह को तेज तलवार की धार से खंड खंड करके सोचना होगा। हर तरह के अवसरवाद को भीम की गदा से उन्हें चकना चूर करना होगा। (दिव्य और मानवीय निबंध पृष्ठ 40)। फैशन , फन और फूड को अपना पागलपन बनाने वाली आज की युवा पीढ़ी को इस शब्दों को गौर से पढ़ना चाहिए। युवा ही किसी राष्ट्र के निर्माता होत हैं और उन्हीं के भीतर होता है युग धर्म और समय की धारा को बदलने का अजेय संकल्प। यदि राष्ट्र की युवा पीढ़ी सही दिशा में है तो उस राष्ट्र के विजय रथ को रोकना असंभव है। **श्री अरविन्द ने युवाओं को** standard bearers of new humanity यानी नव मानवता का ध्वज वाहक कहा और भारत के सामाजिक, बौद्धिक, राजनैतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शरीर के नवनिर्माण के लिए युवाओं का आह्वान किया। वे ऐसे युवा चाहते थे जो धार्मिक रूढ़ियों और पोंगा पंथी के गुलाम न हों और दूसरी ओर पश्चिम की तरह नास्तिक, जड़वादी और विचार धारा के स्तर पर भी दुराग्रही और कट्टर न हों। ऐसे युवा जो दुनिया में किसी भी दिशा से आने वाली नई रोशनी, नई उम्मीद और नई ऊर्जा का स्वागत करने के लिए तैयार हों।

1905 में लिखे अपने क्रांतिकारी दस्तावेज भवानी मंदिर में श्री अरविन्द ने कहा :

If India is to survive, she must be made young again.

अपने इसी विप्लवी दस्तावेज में श्री अरविन्द ने लिखा : कोई व्यक्ति या राष्ट्र तबतक कमजोर नहीं हो सकता जब तक वह कमजोर होना स्वीकार न करे ; कोई व्यक्ति या राष्ट्र तबतक मिट नहीं सकता जबतक वह अपनी इच्छा से मृत्यु का वरण न कर दे !

सारा जीवन ही योग है !

(ALL LIFE IS YOGA)

भारतीय चिंतन परंपरा में श्री अरविन्द का एक महत्वपूर्ण अवदान है योग और जीवन के अन्तर्सम्बन्ध को सही परिप्रेक्ष्य में स्थापित करना। हमें यह ध्यान रखना है कि पिछले दो दशक में योग को लेकर भारत सहित पूरी दुनिया में जागरूकता, जिज्ञासा, उत्सुकताऔर समझ बढ़ी हैऔर 2016 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की उद्घोषणा के पश्चात तो पूरा विश्वयोग विमर्श में शामिल हो गया है लेकिन योग संस्कृति को लेकर भारतीय जीवन में हमेशा ऐसा उत्साह नहीं रहा है। महज तीन चार दशक पहले तक योग साधना केवल साधु-संतों की चीज मानी जाती थी। भारत के राष्ट्रीय जीवन में अब भी योग की सही दृष्टि और बोध का अभाव है यही कारण ह कि अभी भी अधिसंख्य लोग योग काअर्थ शरीर को निरोगी रखनेवालें कुछ व्यायामो से लेते हैं और इसी फलसफे पर करोड़ों अरबों रुपये का बाजार चल पड़ा है ! जो लोग योग को केवल शरीर तक सीमित नहीं करते हैं और उसे एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया मानते हैं वे भी योग को मन तक सीमित कर देते हैं जैसे अष्टांग योग अर्थात राजयोग। कुछ लोग कर्मयोग, कुछ मंत्रयोग, कुछ ज्ञानयोग, कुछ हठयोग और बहुत सारे मित्र भक्तियोग को ही योग मान बैठे हैं। योग को लेकर इस समग्र दृष्टि को श्री अरविन्द ने पूर्ण योग या इंटीग्रल योग का नाम दिया और उनकी किताबों यथा The Synthesis of Yoga, Letters on Yoga(4 volumes), Records of Yoga(2 volumes), Yoga and Its Objects, Basis of Yoga, Lights on Yoga, More Lights on Yoga और The Mother विस्तार से उन्होंने अपनी इस योग प्रणाली का व्याख्यान किया है। पहली बार श्री अरविन्द को पढ़कर ही समझ आता है कि योग कोई कमरे का दरवाजा बंद करके आँख बंदकर किसी और लोक में खो जाना नहीं है योग सत्य चेतना के संपर्क में आनेऔर उसे जीवन में उतारने की प्रक्रिया है। योग अस्तित्व को गति-मति देती परमात्मा की सजग ऊर्जा है। हम श्री अरविन्द को सुनेंगे तो वे धीर गंभीर और प्रेमपूर्ण गुरु की तरह यकीनन हमारे कानों में फुसफुसायेंगे कि इस धरती पर तुम्हारा जीवन एक दिव्य कविता है जिसे तुम दुनियावी भाषा में अनूदित कर रहे हो या संगीत की एक तान है जिसे तुम शब्दों में पिरोने की चेष्टा कर रहे हो (दिव्य और मानवीय निबंध पृष्ठ 100). अपनी 24 हजार पंक्तियों की कालजयी कविता(जो किसी भी भारतीय द्वारा अभी तक अंग्रेजी भाषा में लिखा गया एकमात्र महाकाव्य है) 'सावित्री, एक प्रतीकऔरआख्यान' में श्री अरविन्द ने लिखा : "God found in Nature, Nature fulfilled in God"(page 37) तो योग है धरती पर जीवन को एक दिव्य कविता बनाने की कीमियागिरी ! जीवन होना ही एक दिव्य कविता चाहिए न कि अवसाद की एक त्रासदी। जीवन हमारे दुःखड़ों (jeremiads) कातराना न होकर , आनंद की श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति का महाकाव्य होना चाहिए। योग इस ध्येय तक पहुँचने का पथ और पाथेय दोनों है।

हम अतीत के नहीं, भविष्य के हैं!

श्री अरविन्द का अगला निर्णायक और क्रन्तिकारी सन्देश है --'हम अतीत के नहीं, भविष्य के हैं' ! भारत के 'स्वर्णिम और गौरवशाली' अतीत को लेकर लोग ज्यादा ही सम्मोहित हैं। संस्कृति, धर्म और भारतीय ज्ञान परंपरा को समर्पित किसी सेमिनार में शरीक हो कर आप अवसाद के रोगी बन सकते हैं क्योंकि वहाँन केवल अतीत का प्रचंड गुणगान होता ह ैबल्कि रुदाली के मानिंद उसके बीत जाने पर रोदन भी होता है ! लेकिन क्या कोई राष्ट्र कभी महान और उदात्त जीवन, बहुआयामी संपन्नता का स्वामी सिर्फ इस आधार पर बन सका है कि उसका अतीत स्वर्णिम था ? क्या वर्तमान के मटमैल यथार्थ को अनदेखा करके कोई समाज बड़ा बन सका है। महान अतीत इसलिए नहीं होता कि वर्तमान की पीढियां उसके गुणगान में अपना श्रम सौरभ गँवा दें बल्कि इसलिए होता है कि अतीत की महानता और श्रेष्ठता महान और श्रेष्ठ भविष्य की भूमिका गढ़े। हम वेद पढ़ें ताकि अपने युग की वेदना को आनंद के समाधान का गीत बना सकें। अर्जुन, एकलव्य, प्रबीर, भरत, ध्रुव, आरुणि और सत्यकाम को पढ़कर हमारे अपने भीतर इनकी ऊर्जा का संचार हो सके। महाभारत प्रत्येक घर में इसलिए पढ़ा -समझा जाये ताकि भावी महाभारतों का दुर्योग टाला जा सके। जोअतीत हमें वर्तमान में जीना और भविष्य की मजबूत नींव डालने में मदद नहीं कर सकता, उसका प्रयोजन क्या है।

मानव अंतिम नहीं है, वह तो केवल बीच की कड़ी है!

(Man is not final; he is a transitional being !)

श्री अरविन्द के दर्शन की यह सबसे क्रन्तिकारी उद्घोषणा है कि 'मानव अंतिम नहीं है, वह केवल एक बीच की कड़ी यानी मध्यवर्ती सत्ता है'. सावित्री महाकाव्य के शब्दों में कहें तो'पशुऔर देवता के बीच एक समझौता '। यानी मनुष्य आधा पशु है औरआधा देवता। अपने जीवन को उच्चतर संकल्प और साधना की दिशा में मोड़कर वह देवपुरुष बन सकता है। दूसरी ओर अनाचार, अधर्म, अन्याय और आसुरी शक्तियों के प्रभाव में आकर और धर्म और विवेक से च्युत होकर वह पूरी तरह पशु भी हो सकता है। अभीतक यही माना जाता है कि मानव धरती का श्रेष्ठतम प्राणी है और आदमी के निर्माण के साथ ही प्रकृति में चल रहा उद्विकास क्रम या एवोलुशन प्रक्रिया पूरी हो गयी है लेकिन श्रीमाता जी और श्री अरविन्द इस सतही विश्लेषणऔरअतार्किक निष्कर्ष से संतुष्ट नहीं दिखते हैं। उनका मानना था कि यदि उद्विकास क्रमपूर्ण हो गया होता तो धरती पर पूर्ण भागवत चेतना स्थापित हो चुकी होती और आदमीमाइंड या लॉजिक से नहीं सत्य चेतना जिसे उन्होनें अतिमानस कहा, की ऊर्जा से जी रहा होता। देश, धर्मऔरसंप्रदाय और नस्लों के सतही भेद मिट चुके होते और प्रकृति हर दिन उत्सव मना रही होती। लेकिन ऐसा दूर-दूर तक नहीं दिखता है : इसके विपरीत मानव की दानवता ने प्रकृतिऔरपर्यावरण का अमानवीय दोहन किया है और जीव जंतुओ और स्वयं मानव केअस्तित्व के लिए ही संकट उत्पन्न कर दिया है ! एक देश, दूसरे देश को और एक महाद्वीप दूसरे महाद्वीप को निगलने के लिए आतुर है। मनुष्य के कारण युद्ध और आतंकवाद, भय और बीमारी न इस दुनिया को स्थायी पतझड़ का मायका बना दिया है।भला प्रकृति ऐसे आधे-अधूरे सृजन से कैसे संतुष्ट हो सकती है ? आदमी की महानता जो अभी है उसके कारण नहीं बल्कि जिसे वह संभव बना सकता है, उसके कारण है।आदमी की कीर्ति यह ह कि वह एक जीवंत श्रमका एक गुप्त स्थानऔरएक गुप्त कार्यशाला है जहाँ दिव्य श्रमिक/उस्ताद द्वारा अतिमानव को तैयार किया जा रहा है-(दिव्यऔर मानवीय निबंध पृष्ठ160)

यह वर्ष श्री अरविन्द के धरा अवतरण का 150वां साल है। महायोगी के लिए इस देश दुनिया कीइससे बड़ी श्रद्धाऔरकृतज्ञता क्या हो सकती है कि वह उनकी शिक्षाओं, विचारदर्शन, निर्णायक योगकर्म और जीवंतसत्यो केअनुरूप अपने को तराशे, पढ़ेऔरगढ़ेऔरअशांति, द्वेष, पीड़ा, शत्रुता , भय , भूख ,महामारीऔरआतंक के साये में पल रही इस धरत को शांति,प्रेम, मैत्री, आनंद, उदारता, स्वास्थ्य, सौहार्दऔर निर्भयता के सदाबहार बाग में तब्दील करे। सहीअर्थों मे इंसान होना ही लोभ, रक्तिपातऔर हिंसा से भरी इस दुनिया को इंसान के रहने लायक बना सकता है। योग इस रूपान्तरण का मार्ग है और सदगुरु नावऔरपतवार।

आइए, अंतर्यात्रा प्रारंभ करें ...। क्योंकि यही भारत और विश्व की मुक्ति और महानता का निर्णायक मार्ग है।

(आदरणीय डा. चरण सिंह जी केदारखंडी का विशेष आभार - आप इस आलेख के प्रेरक हैं)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर क्या है खास?

15 अगस्त 2023, मंगलवार को पूरे भारत के लोगों द्वारा मनाया जायेगा। इस साल 2023 में भारत में 77वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। 'आजादी का अमृत मोहत्सव' समारोह के श्रृंखला में, स्वतंत्रता दिवस 2023 की थीम 'राष्ट्र पहले, हमेशा पहले' होगी। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के भीतर मौजूद विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान करेगी। अभियान का उद्देश्य यह है कि अपनी गतिविधियों का समन्वय करके और भारत और दुनिया भर के लोगों तक पहुंच कर, वे इस जन आंदोलन को और भी अधिक बढ़ावा दे सकें। इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव की 75-सप्ताह की उलटी गिनती के पूरा होने का भी प्रतीक होगा, जो 12 मार्च, 2021 को शुरू हुई और इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस पर समाप्त होगी।

स्वतंत्रता दिवस उत्सव

भारत में राष्ट्रीय अवकाश के रुप में स्वतंत्रता दिवस को मनाया जाता है। इसे हर साल प्रत्येक राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में पूरे उत्सुकता से देखा जाता है। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले की शाम को 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में हर साल भारत के राष्ट्रपति भाषण देते है। 15 अगस्त को देश की राजधानी में पूरे जुनून के साथ इसे मनाया जाता है, जहां दिल्ली के लाल किले पर भारत के प्रधानमंत्री झंडा फहराते हैं। ध्वजारोहण के बाद, राष्ट्रगान होता है, 21 तोपों की सलामी दी जाती है तथा तिरंगे और महान पर्व को सम्मान दिया जाता है। अलग-अलग राज्य में विभिन्न सांस्कृतिक परंपरा से स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया जाता है। जहां हर राज्य के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय झंडे को फहराते हैं और प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमोंके साथनभ मंडल की शोभा और बढ़ा जाती है। इस अवसर को लोग अपने दोस्त, परिवार, और पडोसियों के साथ फिल्म देखकर, पिकनिक मनाकर, समाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मनाते है। इस दिन पर बच्चे अपने हाथ में तिरंगा लेकर 'जय जवान जय जय किसान'और दूसरे प्रसिद्ध नारे लगाते हैं। कई स्कूलो में रूप सज्जा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में सुसज्जितहोना, अत्यंत मनोरमलगता है।

भारत में स्वतंत्रता दिवस का महत्व और प्रतीक

किसी भी देश के लिए स्वतंत्रता का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह स्वतंत्रता और स्व-शासन का प्रतीक है। यह किसी देश को अपने निर्णय स्वयं लेने, अपना भाग्य स्वयं आकार देने और अपने लोगों की प्रगति और विकास की दिशा में काम करने में सक्षम बनाता है। यह किसी राष्ट्र को अपने नागरिकों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुसार अपनी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने की अनुमति देता है। भारत में, स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को मनाया जाता है, जो हमें उस दिन की याद दिलाता है जब भारत ने 1947 में ब्रिटिश शासन से अपनी आजादी हासिल की थी। यह उन स्वतंत्रता सेनानियों और भारत के वीर सपूतो को याद करने और सम्मान करने का दिन है जिन्होंने हमारे अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया और अपने प्राणो की आहुति तक दे दी। 15 अगस्त भारत के पुनर्जन्म जैसा है। यह वो दिन है जब अंग्रेजों ने भारत को छोड़ दिया और इसकी बागडोर हिन्दुस्तानी नेताओं के हाथ में आयी। ये भारतियों के लिये बेहद महत्वपूर्ण दिन है और भारत के लोग इसे हर साल पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं और आजादी के इस पर्व की शान में कभी कोई कमी नहीं आने देंगे और समस्त विश्व को यह याद दिलाते रहेंगे कि सादगी भारत की परिभाषा है कमजोरी नहीं। हम सह भी सकते हैं और जरूरत पड़ने पर लड़ भी सकते हैं।

आजादी का प्रतीक

भारत में पतंग उड़ाने का खेल भी स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है, विभिन्न आकार प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होते हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहां 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

भारत के स्वतंत्रता दिवस का इतिहास

17वीं शताब्दी के दौरान में कुछ यूरोपीय व्यापारियों द्वारा भारतीय उपमहाद्वीप की सीमा चौकी में प्रवेश किया गया। अपने विशाल सैन्य शक्ति की वजह से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को अपना गुलाम बना लिया और18वीं शताब्दी के दौरान, पूरे भारत में अंग्रेजों ने अपना स्थानीय साम्राज्य स्थापित कर लिया। 1857 में ब्राटीश शासन के खिलाफ भारतीयों द्वारा एक बहुत बड़े क्रांति की शुरूआत हो चुकी थी और वे काफी निर्णायक सिद्ध हुई। 1857 की बगावत एक असरदार विद्रोह था जिसके बाद पूरे भारत से कई सारे संगठन उभर कर सामने आए। उनमें से एक था भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी जिसका गठन वर्ष 1885 में हुआ। लाहौर में 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में, भारत ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1947 में ब्रिटिश सरकार आश्वस्त हो चुकी थी कि वो लंबे समय तक भारत में अपनी शक्ति नहीं दिखा सकती। भारतीय स्वतंत्रता सेनानी लगातार लड़ रहे थे और तब अंग्रेजों ने भारत को मुक्त करने का फैसला किया। देश की राजधानी दिल्ली में एक आधिकारिक समारोह रखा गया जहां सभी बड़े नेता और स्वतंत्रता सेनानियों (अबुल कलाम आजद, बी.आर.अंबेडकर, मास्टर तारा सिंह, आदि) ने भाग लेकर आजादी का पर्व मनाया।

15 अगस्त 1947 की मध्यरात्री, जवाहर लाल नेहरु ने भारत को स्वतंत्र देश घोषित किया जहां उन्होंने 'ट्रीस्ट ओवर डेस्टिनी' भाषण दिया था। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि 'बहुत साल पहले हमने भाग्यवधु से प्रतिज्ञा की थी और अब समय आ गया है, जब हम अपने वादे को पूरा करें, ना ही पूर्णतया या पूरी मात्रा में बल्कि बहुत मजबूती से। मध्यरात्री घंटे के स्पर्श पर जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और आजादी के लिये जागेगा। एक पल आयेगा, जो आयेगा, लेकिन इतिहास में कभी कभार, जब हम पुराने से नए की ओर बढ़ते है, जब उम्र खत्म हो जाती है और राष्ट्र की आत्मा जो लंबे समय से दबायी गयी थी उसको अभिव्यक्ति मिल गयी है। आज हमने अपने दुर्भाग्य को समाप्त कर दिया और भारत ने खुद को फिर से खोजा है'। इसके बाद, असेंबली सदस्यों ने पूरी निष्ठा से देश को अपनी सेवाएं देने के की कसमें खायी। भारतीय महिलाओं के समूह द्वारा असेंबली को आधिकारिक रुप से राष्ट्रीय ध्वज प्रस्तुत किया था। अतः भारत आधिकारिक रुप से स्वतंत्र देश हो गया और नेहरु तथा वायसराय लार्ड माउंटबेटन, क्रमशः प्रधानमंत्री और गवर्नर जनरल बने। महात्मा गांधी इस उत्सव में शामिल नहीं थे, वे कलकत्ता में रुके थे और हिन्दु तथा मुस्लिम के बीच शांति को बढ़ावा देने के लिये 24 घंटे का व्रत रखा था।

भारत की आजादी की लड़ाई के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी

कई बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों के काम के बिना भारत स्वतंत्र नहीं हो पाता। कुछ प्रसिद्ध नाम हैं चंद्र शेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्ला खान, मंगल पांडे, उधम सिंह, मोहनदास करमचंद गांधी, जवाहरलाल नेहरू और कई अन्य। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पुरुषों के अलावा कई महिलाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सावित्रीबाई फुले, महादेवी वर्मा, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, रानी लक्ष्मीबाई और बसंती देवी याद रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण नाम हैं। ऐसे कई गुमनाम नायक भी हैं जिन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन

देश को आजाद कराने के कई अलग-अलग आंदोलन हुए, इन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों का लक्ष्य भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करना था, जिसे ब्रिटिश राज भी कहा जाता था। यह 1857 से लेकर 1947 तक चला। कुछ महत्वपूर्ण आंदोलन इस प्रकार है :

1857 का विद्रोह

अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की पहली लड़ाई 1857 का विद्रोह था। 10 मई 1857 को मेरठ में विद्रोह शुरू हुआ। धीरे-धीरे, दिल्ली, आगरा, कानपुर और लखनऊ के लोग इसमें शामिल हो गए। यह अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में पहला कदम था और भारतीय स्वतंत्रता के लिए पहला अभियान था, लेकिन यह काम नहीं आया। 1857 का विद्रोह विफल हो गया क्योंकि स्थानीय लोग इसमें शामिल नहीं हुए और कोई केंद्रीय नेतृत्व नहीं था। कई भारतीय राजा, जैसे कश्मीर के महाराजा और इंदौर के होलकर, ग्वालियर के सिंधिया भी इसमें शामिल नहीं हुए। इस विद्रोह के कारण भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हो गया और 1858 में ब्रिटिश क्राउन ने कंपनी की शक्तियां अपने हाथ में ले लीं। यहीं से भारत में राष्ट्रवादी आंदोलनों की श्रृंखला शुरू हुई, जिससे भारत में बड़े स्वतंत्रता आंदोलन शुरू हुए।

स्वदेशी आंदोलन

स्वदेशी आंदोलन एक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन था जो 20वीं सदी की शुरूआत में भारत के कोलकाता में शुरू हुआ था। लॉर्ड कर्जन की खबर कि बंगाल विभाजित हो जाएगा, स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत हुई। 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता टाउन हॉल में एक बैठक में बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया गया। स्वदेशी आंदोलन का लक्ष्य लोगों को ब्रिटिश वस्तुओं के बजाय भारतीय वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था। इससे भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई और अंग्रेजों को स्पष्ट संदेश मिला कि भारतीय अपने दम पर रह सकते हैं।

गदर आंदोलन

गदर आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों को बदल दिया। 1900 के दशक में, पंजाबी प्रवासी खेतों और उद्योगों में काम करने के लिए उत्तरी अमेरिका, विशेष रूप से कनाडा और अमेरिका आए। पैसिफि क कोस्ट हिंदुस्तान एसोसिएशन (गदर पार्टी) इसी विचार से उभरी। 20वीं सदी की शुरूआत में, कनाडा में काम तलाशने वाले भारतीय प्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए विभिन्न नस्लीय भेदभावपूर्ण आव्रजन नियम पारित किए। ब्रिटिश पुलिस के साथ लड़ाई के दौरान यात्री मारे गए और ब्रिटिश क्रूरता ने गदर आंदोलन को प्रेरित किया।

होम रूल आंदोलन

होम रूल आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध के प्रति देश की प्रतिक्रिया थी। बाल गंगाधर तिलक ने अप्रैल 1916 में बेल्जियम में होम रूल आंदोलन शुरू किया। पुणे और मद्रास वे स्थान थे जहां से यह आंदोलन शुरू हुआ। सितंबर 1916 में, एनी बेसेंट मद्रास शहर में आंदोलन में शामिल हुईं। इस आंदोलन का लक्ष्य ब्रिटिश सरकार से छुटकारा पाना था ताकि अंग्रेज अपना राज चला सकें।

चंपारण आंदोलन

चंपारण सत्याग्रह नागरिक प्रतिरोध का एक आंदोलन था। 1917 में, महात्मा गांधी ने भारतीय राज्य बिहार के चंपारण क्षेत्र में इसका नेतृत्व किया। तिनकठिया प्रणाली किसानों या कृषकों को उनकी भूमि के सर्वोत्तम 3/20वें हिस्से पर नील की खेती कराती है और इसे इसके मूल्य से कम कीमत पर बेचती है। महात्मा गांधी चंपारण गए और इस सविनय अवज्ञा अभियान की शुरूआत की। उन्होंने चम्पारण में मालिकों के खिलाफ हड़तालें कीं और विरोध प्रदर्शन किये।

रौलेट आंदोलन

ब्रिटिश भारतीय सरकार ने 1919 का रोलेट अधिनियम पारित किया। अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम इसका दूसरा नाम था। इस अधिनियम ने सरकार को अपराध का आरोप लगने पर लोगों को बिना सुनवाई के दो साल तक जेल में रखने की शक्ति दी। रौलट एक्ट ने प्रेस के कुछ अधिकार छीन लिये। 6 अप्रैल, 1919 को, महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा पारित रोलेट एक्ट के खिलाफ रोलेट सत्याग्रह नामक एक शांतिपूर्ण हड़ताल शुरू की।

खिलाफत आंदोलन

1919 और 1924 के बीच हुए खिलाफत आंदोलन का विचार अली बंधुओं के पास आया। जिस तरह से अंग्रेजों ने तुर्की में खलीफा को हराया, उससे भारतीय मुसलमान खुश नहीं थे। महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध आंदोलन शुरू किया। यह आंदोलन खलीफा को वापस लाना चाहता था, जो तुर्की में सत्ता खो रहा था।

नमक सत्याग्रह या सविनय अवज्ञा आंदोलन

नमक सत्याग्रह आंदोलन 1930 में महात्मा गांधी के साथ शुरू हुआ। ऐसा माना जाता है कि इससे भारत को आजाद होने में मदद मिली। 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च क्रांति का पहला कदम था। नमक कानून तोड़ने के लिए गांधीजी और 78 अन्य लोग साबरमती आश्रम से दांडी तक पैदल चले। यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया और महात्मा गांधी सहित 60,000 से अधिक लोगों को जेल में डाल दिया गया।

व्यक्तिगत सत्याग्रह

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के नेताओं को यह पसंद नहीं आया कि ब्रिटिश सरकार ने भारतीय लोगों से पूछे बिना भारत को दूसरे विश्व युद्ध में कैसे घसीटा। जब कांग्रेस ने औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की तो महात्मा गांधी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया।

भारत छोड़ो आंदोलन

भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत 9 अगस्त, 1942 को बॉम्बे में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की एक बैठक में महात्मा गांधी द्वारा की गई थी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की समय रेखाएं

वर्ष	स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित घटनाएं
1600	ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना
1608	अंग्रेजों द्वारा सूरत में पहली व्यापारी कोठी खोली गई
1611	अंग्रेजों द्वारा मसूलिपट्टम में दूसरी व्यापारी कोठी खोली गई
1615	सम्राट जेम्स प्रथन ने सर टॉमस रो को जहांगीर के दरबार में भेजा
1817	ओडिशा में ब्रिटिश भारतीय सेना द्वारा पाईका विद्रोह का आयोजन
1857	सैनिकों द्वारा गाव और सूअर की चर्बी वाले राईफल से इनकार
1857	मंगल पांडे द्वारा ब्रिटिशों पर हमला और बाद में मंगल पांडे को फांसी
1857	बदली-की-सेराई का युद्ध
1857	लक्ष्मी बाई का विद्रोह
1857	त्रिम्मू घाट का युद्ध
1858	ईस्ट इंडिया कंपनी का अंत
1858	रानी लक्ष्मी बाई की मृत्यु
1859	तांत्या टोपे की हत्या
1864	सर सैयद अहमद खान ने साईंटिफिक सोसाइटी की स्थापना की
1877	महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी घोषित किया गया
1878	लॉर्ड लिटन द्वारा वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित किया गया
1882	हंटर आयोग (भारतीय शिक्षा आयोग) की स्थापना की गई
1883	लॉर्ड रिपन ने इल्बर्ट बिल का प्रस्ताव रखा
1885	ए ओ ह्यूम द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
1897	स्वामी विवेकानंद द्वारा राम-कृष्ण मिशन की स्थापना की गई
1898	लॉर्ड कर्जन को वायसराय बनाया गया
1905	स्वदेशी आंदोलनों की शुरूआत
1905	बंगाल का विभाजन
1906	आंग्ल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना
1907	सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गरम दल और नरम दल में विभाजन
1908	खुदीराम बोस की फांसी
1909	ह्यमिंटो-मॉर्ले रिफॉर्म (इंडियन काउंसिल एक्ट)
1910	इंडियन प्रेस ऐक्ट
1911	बंगाल विभाजन रद्द
1912	नई दिल्ली को भारत की नई राजधानी बनाई गई
1912	राशबिहारी बोस और सचिंद्र सान्याल ने लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंका
1913	गदर पार्टी की स्थापना
1914	प्रथम विश्व युद्ध की शुरूआत
1915	गांधी जी का अफ्रीका से वापसी
1915	गोपाल कृष्ण गोखले की मौत
1916	होम रूल की स्थापना
1916	लखनऊ ऐक्ट पर हस्ताक्षर
1917	चंपारण सत्याग्रह की शुरूआत
1918	चंपारण अगरिया कानून पास
1918	मद्रास लेबर यूनिया की स्थापना
1918	खेड़ा सत्याग्रह
1918	ट्रेड संघ आंदोलन की शुरूआत
1919	रोलेट ऐक्ट पारित
1919	जलियावाला बाग नरसंहार
1920	असहयोग आंदोलन
1920	तिलक का कांग्रेस डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना
1921	मोपलाह विद्रोह
1922	चौरी चौरा घटना
1923	स्वराज पार्टी की स्थापना
1925	काकोरी षड्यन्त्र
1925	बरदौली सत्याग्रह
1927	साइमन कमीशन की स्थापना
1928	लाला लाजपत राय की पुलिस की लाठी से मौत
1928	नेहरू रिपोर्ट में भारत के नए डोमिनीयन संविधान का प्रस्ताव
1929	जवाहर लाल नेहरू ने लाहौर अधिवेशन में भारतीय ध्वज फहराया
1929	सेंट्रल असेंबली में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने बम फेंका
1930	भारतीय राष्ट्रीय कपनग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की
1930	प्रथम गोलमेज सम्मेलन
1930	सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरूआत
1930	दांडी यात्रा की शुरूआत
1931	भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी
1931	दूसरा गोलमेज सम्मेलन
1931	गांधी इरविन समझौता
1932	तीसरा गोलमेज सम्मेलन
1935	भारत सरकार अधिनियम लागू
1937	भारत सरकार अधिनियम के तहत भारत में चुनाव हुआ
1938	सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने
1939	द्वितीय विश्व युद्ध की शुरूआत
1941	रवींद्र नाथ टैगोर का निधन
1942	भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत
1942	आजाद हिन्द फौज की स्थापना
1943	सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय अस्थायी सरकार के गठन की घोषणा की
1945	शिमला सम्मेलन
1946	भारत की अंतरिम सरकार बनी
1946	भारत की संविधान सभा का पहला सम्मेलन
1946	रॉयल इंडियन एयर-फोर्स विद्रोह
1947	ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने भारत को आजाद करने की घोषणा की
1947	लॉर्ड माउण्टबेटन आखरी वायसराय और प्रथम गवर्नर जनरल नियुक्त हुए
1947	15 अगस्त को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उभरा

महान योगी, क्रांतिकारी देशभक्त व दार्शनिक महर्षि अरविंद घोष

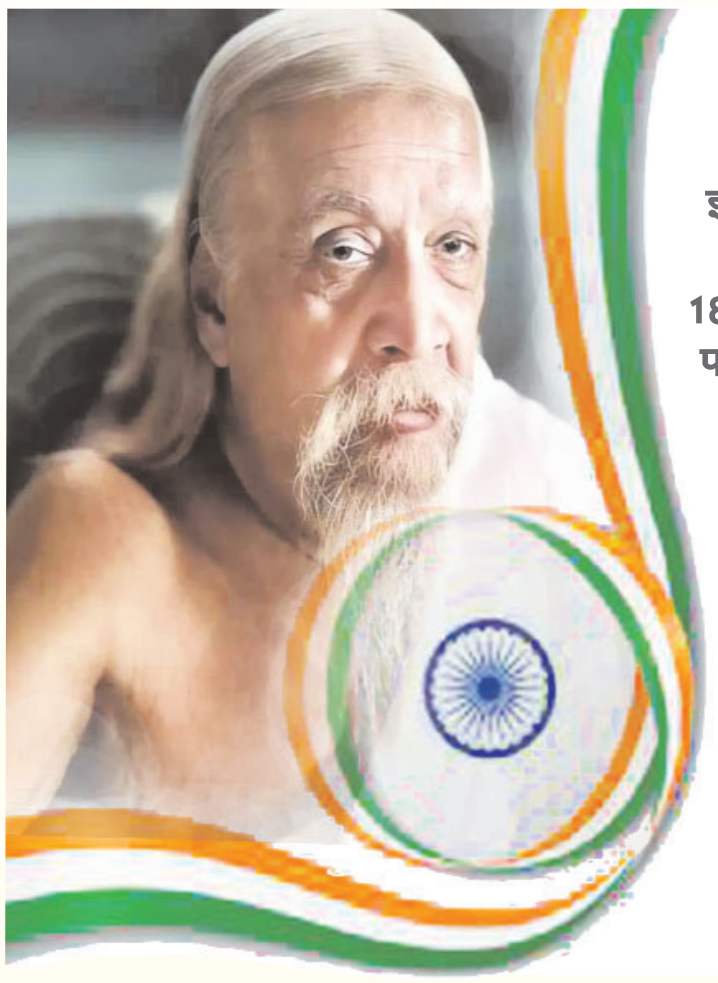

आज पूरे विश्व में उनके दर्शनशास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है। उनकी साधना पद्धति के अनुयाई अनेक देशों में पाए जाते हैं। वही अपने पिता की इच्छा का मान रखने के लिए उन्होंने कैंब्रिज में रहते हुए आईसीएस के लिए आवेदन भी दिया। सन 1890 में पूरे विश्वास के साथ भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उतीर्ण की लेकिन देशभक्ति से प्रेरित अरविंद ने जान बूझकर घुड़सवारी के आवश्यक परीक्षा में खरे उतरने में विफल रहे और भारत सरकार के सिविल सेवा में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। आपको बता दें कि महर्षि अरविंद बहुत कम उम्र में ही कई भाषाओं के विद्वान बन गए थे। स्वतंत्रता संग्राम में इन्होंने एक क्रांतिकारी ग्रुप में ख्याति पाई किंतु बाद में योगी बन गए कभी दर्शन शास्त्री के रूप में भी इनका प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ा। इनके साहित्यिक कार्य में दिव्य जीवन, द मदर, लेटर्स आन योगा, सावित्री, योग समन्वय, फ्यूचर पोयट्री आदि शामिल हैं।

आज बहुत खुशी की बात है कि हम आज देश की आजादी का वर्षगांठ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। इसके साथ ही आज का दिन बहुत ही गौरवमयी है क्योंकि आज ही के दिन सन 1872 में इस महान देश भारतवर्ष की धरती पर एक महान योगी और दार्शनिक का जन्म हुआ था। आज उस महान योगी का जन्मदिन भी है। आज हम राष्ट्र ऋषि श्री अरविंद घोष की 151 वीं जन्मदिन मना रहे हैं। आइये जानते है वो महान योगी कौन थे। हमे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वो महान योगी और कोई नहीं बल्कि महर्षि अरविंद है। कोलकाता में जन्मे महान सपूत जो देश की प्रगति और उत्थान में अपनी अमिट छाप छोड़ने का कार्य किया है। देश के स्वंतत्रता संग्राम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और क्रांतिकारी देशभक्त बने। उसके बाद एक योगी की भूमिका में नजर आए और आश्रम की स्थापना कर दिया। जहा वेद, उपनिषद तथा ग्रंथ आदि पर अनेक टिकाये लिख डाली। योग साधना के बारे में विस्तार पूर्वक ग्रंथ लिखकर समाज को समर्पित किया। उन्होंने शिक्षा को अपने जीवन में महत्व दिया और अपनी पढ़ाई लंदन से की। चूंकि उनके पिता श्री कृष्ण धन घोष पेशे से चिकित्सक थे और उनकी माता स्वर्णलता देवी थी। उनके पिता अरविंद को सरकारी नौकरी में देखना चाहते थे। इसलिए उन्हें पढ़ने के लिए लंदन भेज दिया। महर्षि अरविंद बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के स्वामी थे। महज 18 वर्ष की उम्र में अरविंद को कैंब्रिज में प्रवेश मिल गया और उन्होंने यहाँ पर अपनी प्रतिभा के जरिये अपने आप को यूरोपीय क्लासिक्स के एक छात्र के रूप में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने युवावस्था में ही स्वतंत्रता संग्राम में एक क्रांतिकारी देशभक्त के रूप में भाग लिया। बाद में एक योगी बने और पांडिचेरी में एक आश्रम की स्थापना किया।

आज पूरे विश्व में उनके दर्शनशास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है। उनकी साधना पद्धति के अनुयाई अनेक देशों में पाए जाते हैं। वही अपने पिता की इच्छा का मान रखने के लिए उन्होंने कैंब्रिज में रहते हुए आईसीएस के लिए आवेदन भी दिया। सन 1890 में पूरे विश्वास के साथ भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उतीर्ण की लेकिन देशभक्ति से प्रेरित अरविंद ने जान बूझकर घुड़सवारी के आवश्यक परीक्षा में खरे उतरने में विफल रहे और भारत सरकार के सिविल सेवा में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। आपको बता दें कि महर्षि अरविंद बहुत कम उम्र में ही कई भाषाओं के विद्वान बन गए थे। स्वतंत्रता संग्राम में इन्होंने एक क्रांतिकारी ग्रुप में ख्याति पाई किंतु बाद में योगी बन गए कभी दर्शन शास्त्री के रूप में भी इनका प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ा। इनके साहित्यिक कार्य में
दिव्य जीवन, द मदर, लेटर्स आन योगा, सावित्री, योग समन्वय, फ्यूचर पोयट्री आदि शामिल हैं। उन्होंने अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, ग्रीक एवं इटैलियन भाषाओँ में भी निपुणता प्राप्त की थी।इनकी प्रतिभा से बड़ौदा नरेश अत्यधिक प्रभावित थे अतः उन्होंने इन्हें अपनी रियासत में शिक्षा शास्त्री के रूप में नियुक्त कर लिया। बडौदा में ये प्राध्यापक, वाइस प्रिंसिपल, निजी सचिव आदि कार्य योग्यता पूर्वक करते रहे और इस दौरान हजारों छात्रों को चरित्रवान देशभक्त बनाया। 1896 से 1905 तक उन्होंने बड़ौदा रियासत में राजस्व अधिकारी से लेकर बड़ौदा कॉलेज के फ्रेंच अध्यापक और उपाचार्य रहने तक रियासत की सेना में क्रान्तिकारियों को प्रशिक्षण भी दिलाया था। हजारों युवकों को उन्होंने क्रान्ति की दीक्षा दी थी। वही बाल गंगाधर तिलक इनके अद्भुत और क्रांतिकारी व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित हुए थे। श्री अरविंद भी श्री तिलक से प्रभावित होकर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़ गए। लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के स्वतंत्रता प्राप्ति और राष्ट्रवाद के लिए आक्रमकता देख उनके समर्थक बन गए। 1903 ई में वे विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए। इनकी गतिविधियों से भयभीत होकर अंग्रेजों ने इन्हें और उनके भाई को अलीपुर जेल में डाल दिया । यहां उन्होंने काशवाहिनी नामक पुस्तक की रचना की। जेल से बाहर निकालने के बाद अंग्रेजी भाषा में कर्म योगी और बांग्ला भाषा में धर्म पत्रिका का संपादन किया। जब वायसराय लॉर्ड कर्जन ने 1905 ईसवी में बंगाल का विभाजन किया तो पूरे देश में इसके खिलाफ आंदोलन शुरू हो गए। ऐसे समय में श्री अरविंद सरकार के अन्याय पर वंदे मातरम के माध्यम से जोरदार आलोचना की। ब्रिटिश सरकार इनके क्रन्तिकारी विचारों और कार्यों से अत्यधिक आतंकित थी। अतः 2 मई 1908 को चालीस युवकों के साथ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इतिहास में इसे 'अलीपुर षडयन्त्र केस' के नाम से जानते हैं। एक वर्ष के लिए अरविंद घोष को अलीपुर सेंट्रल जेल में एकांत कारावास में एक विचाराधीन कैदी ग्रुप में डाल दिया गया। इस षड़यन्त्र में अरविन्द को शामिल करने के लिये सरकार की ओर से जो गवाह तैयार किया था उसकी एक दिन जेल में ही हत्या कर दी गयी। घोष के पक्ष में प्रसिद्ध बैरिस्टर चितरंजन दास ने मुकदमे की पैरवी की थी। उन्होने अपने प्रबल तर्कों के आधार पर अरविन्द को सारे अभियोगों से मुक्त घोषित करा दिया। अलीपुर जेल में ही उन्हें हिन्दू धर्म एवं हिन्दू-राष्ट्र विषयक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति हुई। वहां उन्होंने भागवत गीता के उपदेशों का गहन अध्ययन और अभ्यास किया जब वह जेल से बाहर आए हैं तब उन्होंने योग साधना, प्राणायाम और ध्यान को अपना लक्ष्य बना लिया। यही वह समय था जब 1910 में अरविंद घोष अपनी धरती कोलकाता को छोड़कर पांडिचेरी में बस गए और एक आश्रम की स्थापना की। श्री अरविंद ने भारतीय शिक्षा चिंतन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सर्वप्रथम घोषणा की कि मानव सांसारिक जीवन में भी दैवीय शक्ति प्राप्त कर सकता है । वे मानते थे कि मानव भौतिक जीवन व्यतीत करते हुए भी अपने मानस रूप को अतिमानस बना सकता है। स्वयं को एक सुपरमैन के रूप में परिवर्तित कर सकता है। यह तभी संभव है जब मानव शिक्षित होगा। इसलिए उन्होंने शिक्षा पर जोर दिया। पाश्चात्य संस्कृति के खिलाफ उन्होंने आगाज किया। आज के परिवेश में हमें महर्षि अरविंद का शिक्षा दर्शन ही सही दिशा दिखा सकता है। उनके प्रमुख शिष्यो में चम्पकलाल, नलिनि कान्त गुप्त, कैखुसरो दादाभाई सेठना, निरोदबरन, पवित्र, एम पी पण्डित, प्रणब, सतप्रेम, इन्द्र सेन आदि शामिल है। सन 1950 को श्री अरविंद का देहावसान हो गया। इस प्रकार श्री अरविंद एक महान दार्शनिक क्रांतिकारी और एक महान योगी के रूप में उभरे।

■ राहुल कौशल

शिक्षा के प्रति श्री अरबिंदो घोष का योगदान

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा
गुरु साक्षात, परम ब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः

भारतीय संस्कृति विरासत और परंपरा से समृद्ध है। इसमें उन महापुरुषों का आजीवन इतिहास है जो इस देश में पैदा हुए, चले और अपनी अंतिम सांस ली। श्री अरबिंदो घोष उनमें से एक हैं। श्री अरबिंदो अपने समय के सबसे प्रतिष्ठित और विद्वान गुरुओं में से एक थे; वह एक अध्यात्मवादी थे। वह भारत के सबसे सम्मानित और प्रसिद्ध रत्नों में से एक हैं। भारत के महान शिक्षाविद् श्री अरबिंदो (1872-1950) ने अपने दर्शन को दिव्य जीवन में प्रतिपादित किया है। वह अपने दर्शन को उपनिषदों के मूल वेदांत पर आधारित करते हैं। श्री अरबिंदो का मानना है कि प्रारंभिक वेदांत जीवन के समग्र या संतुलित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। इसका तात्पर्य ईश्वर और मनुष्य या संसार का स्वस्थ एकीकरण, त्याग और भोग, आत्मा की स्वतंत्रता और प्रकृति की क्रिया, अस्तित्व और बनना, एक और अनेक, विद्या और अविद्या, ज्ञान और कार्य, और जन्म और मुक्ति है। श्री अरबिंदो का मानना है कि मनुष्य अपने भाग्य का निमार्ता स्वयं है और लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा एक बड़ा साधन है। उनका मानना था कि मनुष्य की सबसे अच्छी चीज उसकी आध्यात्मिकता है। वह एक बुद्धिजीवी थे जिन्होंने मानव और सामाजिक विकास का गहनता से विश्लेषण किया। श्री अरबिंदो के अनुसार, शिक्षा को मानव जीवन के संपूर्ण पहलुओं जैसे शारीरिक, मानसिक, मानसिक, सौंदर्य, शक्ति, ज्ञान और प्रेम आदि पर जोर देना चाहिए। समग्र शिक्षा मूल रूप से मनुष्य में इन पहलुओं की खेती है। वर्तमान पेपर शिक्षा के प्रति श्री अरबिंदो घोष के दार्शनिक योगदान पर केंद्रित है। यह श्री अरबिंदो के शिक्षा दर्शन के महत्व को शिक्षा के विभिन्न घटकों से जोड़ता हैः शिक्षण के सिद्धांत, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, लेन-देन, स्कूल, शिक्षक और छात्र का संबंध, अनुशासन आदि। श्री अरविन्द भारत में शिक्षा के विषय में सदैव सोचते रहे। उन्होंने कैम्ब्रिज से काफी अच्छा ज्ञान प्राप्त किया और उन्होंने 1897 से 1906 तक बंगाल नेशनल कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में भी काम किया। इसलिए, उन्हें शिक्षा क्षेत्र की आवश्यकता और इसकी गहराई का पता चला। और उन्हें युवाओं से उम्मीदें थीं जो इस क्षेत्र में बड़े बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपना अच्छा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने इसके लिए अपनी संक्षिप्त परिभाषा दीः

श्री अरबिंदो शिक्षा के अनुसार है : कोई भी राष्ट्र जो पुराने अनुभवों का उपयोग करता है और वर्तमान का उपयोग करता है, उसका राष्ट्र बेहतर होता है। यदि कोई राष्ट्र अतीत के ज्ञान का उपयोग नहीं करता है तो राष्ट्रीय विकास के लिए उसका कोई मित्र नहीं है। वर्तमान को भूलकर ही हम जीवन की वर्तमान लड़ाई जीत सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह बचाना जरूरी है कि उसने अपने प्राचीन अतीत में ज्ञान, श्रेष्ठ विचार और अच्छे चरित्र को बरकरार रखा है। हमें उसका सर्वोत्तम ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और मानवता के विकास के लिए बेहतर शिक्षण पद्धति रखनी चाहिए। इन सभी को अच्छी आत्मनिर्भरता की भावना के साथ एकीकृत करके एक इंसान बनाना चाहिए, न कि एक बेजान मशीन। उन्हें भारत में ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली इतनी पसंद है कि वे इसे एक भाड़े की और निष्प्राण प्रणाली कहते थे जो भारतीय मस्तिष्क को अक्षम बनाने के लिए पर्याप्त है। सभी भारतीय छात्रों में इतनी क्षमताएं हैं कि शिक्षा की उचित व्यवस्था न होने के कारण उनकी परवाह नहीं की जाती। वह साहसपूर्वक भारत में एक अच्छा रास्ता बनाना चाहते थे। जन्म से ही अधिकतम, अमीर भारतीयों के पास बेहतर ज्ञान हो सकता है और मानव जाति पिछले ज्ञान के साथ अपने वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं का विस्तार करने की प्रतीक्षा कर रही है जिसे राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली द्वारा पूरा किया जा सकता है। इसे निर्जीव दिनचर्या तथा उसकी संकीर्ण एवं दृष्टिहीन भावना एवं यांत्रिक तरीकों से पूरा किया जा सकता है। इसे केवल इसके पुनरुत्थान की रोशनी और आशा से ही विकसित किया जा सकता है। "मनुष्य तब तक स्थायी रूप से आराम नहीं कर सकता जब तक कि वह किसी सर्वोच्च भलाई तक नहीं पहुँच जाता।"

"जीवन में ईश्वर को पूर्ण करना ही मनुष्य का पुरुषत्व है" - श्री अरबिंदो

श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन का मार्गदर्शक सिद्धांत व्यक्ति को आध्यात्मिक प्राणी के रूप में जागृत करना था। यह बच्चे के जीवन सत्य और आत्म-निपुणता से संबंधित होना चाहिए।

श्री अरबिंदो ने शिक्षा के पांच पहलुओं - शारीरिक शिक्षा, महत्वपूर्ण शिक्षा, मानसिक शिक्षा, मानसिक शिक्षा और आध्यात्मिक या सुपर मानसिक शिक्षा के अनुरूप मानव स्वभाव का पांच गुना वर्गीकरण किया, यानी शारीरिक, मानसिक, मानसिक और आध्यात्मिक। शारीरिक शिक्षा में शारीरिक कार्यों पर नियंत्रण, शारीरिक गतिविधियों का सामंजस्यपूर्ण विकास, शारीरिक सीमाओं पर नियंत्रण और शारीरिक चेतना के बारे में जागरूकता शामिल है। श्री अरबिंदो खेलों पर जोर देते हैं क्योंकि उनका मानना था कि ये ऊर्जा को नवीनीकृत करने के लिए आवश्यक हैं। समग्र शिक्षा में महत्वपूर्ण शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण बिंदु थी। श्री अरबिंदो ने मनुष्य का महत्वपूर्ण अस्तित्व कहा - इच्छाओं, संवेदनाओं, संवेदनाओं, जुनून, इच्छा की प्रतिक्रिया से बनी जीवन प्रकृति - मनुष्य में आत्मा और उन सभी में जो एक स्वामित्व और अन्य संबंधित वृत्ति, क्रोध, भय, गति आदि की भूमिका निभाते हैं। जो प्रकृति के इस क्षेत्र से संबंधित हैं। मानसिक शिक्षा में अनुभूति, विचार और बुद्धि शामिल थे। मानसिक शिक्षा के संबंध में श्री अरबिंदो का अद्वितीय योगदान यह था कि विचारों को लगातार एक केंद्रीय विचार के आसपास व्यवस्थित किया जाना चाहिए। शिक्षा प्रणालियों में मानसिक शिक्षा श्री अरबिंदो का विशेष योगदान था। एक समग्र व्यक्तित्व की कुंजी मनुष्य की मानसिक प्रकृति की खोज थी। श्री का शैक्षिक सिद्धांत. अरबिंदो का उद्देश्य बच्चे की अव्यक्त शक्तियों का विकास, छह इंद्रियों का प्रशिक्षण, तार्किक क्षमताओं का प्रशिक्षण, शारीरिक शिक्षा, स्वतंत्रता के सिद्धांत, नैतिक और धार्मिक शिक्षा और सबसे ऊपर, व्यक्ति के आध्यात्मिकीकरण के लिए प्रशिक्षण था।

समग्र शिक्षा के बारे में श्री अरबिंदो के विचारः

श्री अरबिंदो के अनुसार, शिक्षा को क्रमशः पदार्थ और आत्मा द्वारा दर्शाए गए शारीरिक, मानसिक और मानसिक पहलुओं के अलावा निम्नलिखित पहलुओं पर भी जोर देना चाहिए। इन पहलुओं (ए) सौंदर्य, (बी) शक्ति, (सी) ज्ञान और (डी) प्रेम की खेती को उन्होंने समग्र शिक्षा कहा है। भौतिक संस्कृति के माध्यम से सौन्दर्य की अनुभूति होती है। शक्ति का संबंध संवेदनाओं के नियंत्रण से होना चाहिए। ज्ञान एक सतर्क दिमाग की मानसिक संरचना को विकसित करने में मदद करता है।

महर्षि अरविन्द बंगाल के महान क्रांतिकारियों में एक थे

देश की आध्यात्मिक क्रांति की पहली चिंगारी महर्षि अरविन्द

इनकी जन्म कलकत्ता में 15 अगस्त 1972 को हुआ था इनके पिता का नाम कृष्णधन घोष एवं माता का नाम स्वर्णलता था इनके पिता एक डॉक्टर थे इनके दो बड़े भाई एवं दो छोटे भाई बहन थे. इनका परिवार एक समृद्ध बंगाली परिवार में से था इनके पिता अपने बच्चों को उच्च शिक्षा करवाना चाहते थे इसीलिए इनके पिता ने अपने बच्चों को पढ़ाई की ओर विशेष ध्यान दिलाया और विदेशों में भी उनकी पढ़ाई करवाई गई।बंगाल के महान क्रांतिकारियों में से एक महर्षि अरविंद देश की आध्यात्मिक क्रांति की पहली चिंगारी थे।जनता को जागृत करने के लिए अरविंद ने उत्तेजक भाषण दिए। उन्होंने अपने भाषणों तथा 'वंदे मातरम' में प्रकाशित लेखों द्वारा अंग्रेज सरकार की दमन नीति की कड़ी निंदा की थी। अरविंद का नाम 1905 के बंगाल विभाजन के बाद हुए क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ा और 1908-09 में उन पर अलीपुर बमकांड मामले में राजद्रोह का मुकदमा चला जिसके फलस्वरूप अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल की सजा सुना दी।

महर्षि ने अपने जीवन में ऐसे कई कार्य किए जिनसे आज भी हमें काफी प्रेरणादायक है। वास्तव में महर्षि अरविंद घोष का जीवन शुरू से इस महान कार्य के लिए जाने जाते हैं। इनकी जन्म कलकत्ता में 15 अगस्त 1972 को हुआ था इनके पिता का नाम कृष्णधन घोष एवं माता का नाम स्वर्णलता था इनके पिता एक डॉक्टर थे इनके दो बड़े भाई एवं दो छोटे भाई बहन थे। इनका परिवार एक समृद्ध बंगाली परिवार में से था इनके पिता अपने बच्चों को उच्च शिक्षा करवाना चाहते थे इसीलिए इनके पिता ने अपने बच्चों को पढ़ाई की ओर विशेष ध्यान दिलाया और विदेशों में भी उनकी पढ़ाई करवाई गई।बंगाल के महान क्रांतिकारियों में से एक महर्षि अरविंद देश की आध्यात्मिक क्रांति की पहली चिंगारी थे।जनता को जागृत करने के लिए अरविंद ने उत्तेजक भाषण दिए। उन्होंने अपने भाषणों तथा 'वंदे मातरम' में प्रकाशित लेखों द्वारा अंग्रेज सरकार की दमन नीति की कड़ी निंदा की थी। अरविंद का नाम 1905 के बंगाल विभाजन के बाद हुए क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ा और 1908-09 में उन पर अलीपुर बमकांड मामले में राजद्रोह का मुकदमा चला जिसके फलस्वरूप अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल की सजा सुना दी। जब सजा के लिए उन्हें अलीपुर जेल में रखा गया तो जेल में अरविंद का जीवन ही बदल गया। महर्षि अरविंद पहले एक क्रांतिकारी नेता थे लेकिन बाद में वे अध्यात्म की ओर मुड़ गए।जीवन में काफी बदलाव आया उन्होंने काफी मुश्किलों का सामना भी किया।अरविंद घोष जी को कारावास की यातनाएं सहनी पड़ी और कई समस्याओं का सामना करना पड़ा तभी अलीपुर की जेल में इनके जीवन में कई बदलाव हुए।वे जेल की कोठरी में ज्यादा से ज्यादा समय साधना और तप में लगाने लगे। वे गीता पढ़ा करते और भगवान श्रीकृष्ण की आराधना किया करते। ऐसा कहा जाता है कि अरविंद जब अलीपुर जेल में थे, तब उन्हें साधना के दौरान भगवान कृष्ण के दर्शन हुए। इस दिव्य अनुभूति के बाद कृष्ण की प्रेरणा से वे क्रांतिकारी आंदोलन छोड़कर योग और अध्यात्म में रम गए। कृष्णानुभूति के बाद वे अतिमान होने की बात करने लगे।जेल से बाहर आकर वे किसी भी आंदोलन में भाग लेने के इच्छुक नहीं थे। अरविंद गुप्त रूप से 1910 में पांडिचेरी चले गए। वहीं पर रहते हुए अरविंद ने योग द्वारा सिद्धि प्राप्त की और आज के वैज्ञानिकों को बता दिया कि इस जगत को चलाने के लिए एक अन्य जगत और भी है। वहीं पर उन्होंने श्री अरविंद आश्रम ऑरोविले की स्थापना की थी। उन्होंने काशवाहिनी नामक रचना की। जेल से छूटकर अंग्रेजी में कर्मयोगी और बंगला भाषा में धर्म नामक पत्रिकाओं का संपादन किया। उन्होंने सन 1912 तक सक्रिय राजनीति में भाग लिया था।अरविंद एक महान योगी और दार्शनिक थे। उनका पूरे विश्व में दर्शनशास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है। उन्होंने जहां वेद, उपनिषद आदि ग्रंथों पर टीका लिखी, वहीं योग साधना पर मौलिक ग्रंथ लिखे। खासकर उन्होंने डार्विन जैसे जीव वैज्ञानिकों के सिद्धांत से आगे चेतना के विकास की एक कहानी लिखी और समझाया कि किस तरह धरती पर जीवन का विकास हुआ। वेद और पुराण पर आधारित महर्षि अरविंद के विकासवादी सिद्धांत की उनके काल में पूरे यूरोप में धूम रही थी।उनकी प्रमुख कृतियां लेटर्स ऑन योगा, काव्य कृति सावित्री, योग समन्वय, दिव्य जीवन, फ्यूचर पोयट्री और द मदर हैं। भारतीय संस्कृति के बारे में महर्षि अरविंद ने फाउंडेशन ऑफ इंडियन कल्चर तथा ए डिफेंसऑफ इंडियन कल्चर नामक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना की। वर्षो की तपस्या के बाद उनकी अनूठी कृति लाइफ डिवाइन प्रकाशित हुईस इसकी गणना विश्व की महान कृत्यों में की जाती है।सन 1926 से 1950 तक वे अरविंद आश्रम में तपस्या और साधना में लींन रहे। यहां उन्होंने सभाओं और भाषणों से दूर रहकर मानव कल्याण के लिए चिंतन किया। बताया जाता है कि निधन के बाद 4 दिन तक उनके पार्थिव शरीर में दिव्य आभा बने रहने के कारण उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया और अंततः 9 दिसंबर को उन्हें आश्रम में समाधि दी गई।आज हमारे सामने भले ही बीच में नहीं है लेकिन उनके विचार हमें काफी प्रेरित करते हैं, उनका जीवन काफी प्रेरणादायक रहा।

■ गुड्डू कुमार